04 - ईरान-इजरायल तनावः विश्व युद्ध की आहट

05 - मतदान प्रणाली को बदलने का प्रयास अस्वीकार्य

06- अब नदी का पानी पीने को मजबूर नही होंगे तुमड़ाढाना के आदिवासी

07- कई कांग्रेसी और नगर पालिका में कांग्रेस के पार्षद ने...

A Daily News Magazine

इंदौर

सोमवार, 06 मई, 2024

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 199 , नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

चाँद पर बस्ती बसाने वालों
चाँद का कोयला मत निकालना
मत रोकना चाँद की नदियों का पानी
चाँद पर बस्ती बसाने वालों
अपने घरों पर सोलर सिस्टम नहीं
अर्थ सिस्टम लगाना
ताकि थोड़ा बहुत कम हो
धरती का ताप
चाँद पर बस्ती बसाने वालों
धरती को तो नहीं रहने दिया
पर चाँद को रहने देना
चाँद के लायक़
इसलिए कि जब कभी याद आये धरती की
और जब लौटो तुम
तो तुम्हें
धरती पर दिखे चाँद
चाँद जैसा।

- वसंत सकरगाए

पहली बात

चुनाव अभियान : लोकतंत्र में शब्दों की जहरीली सुरंगें...?

उमेश त्रिवेदी
संपादक

9893032101

अठारहवीं लोकसभा के निर्वाचन में तीसरे चरण के चुनाव अभियान के दरम्यान भाषाई- विस्फोट लोकतंत्र को बुरी तरह आहत करने लगा है। भाषण और भाषा के माध्यम से आम जनता के जहन में झूठ और नफरत की जहरीली सुरंगें बिछाने का सिलसिला पराकाष्ठा पर है। देश के शीर्ष नेताओं ने मर्यादाओं को ताक में रख दिया है और देश का चुनाव आयोग उनके आगे बेबस है। चुनावी सभाओं में 'शहंशाह' और 'शहजादे' की एन्ट्री के साथ ही शब्दों की मिसाइलों में कटुता के विस्फोटक पैने होते जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भाषणों की सामग्री और शब्दावली भी विवादों के दायरे में है। विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री के भाषणों को लेकर चुनाव आयोग से खासतौर से शिकायत की है। चुनावी बड़बोलापन लोकतंत्र और संविधानप्रदत्त चुनाव आयोग की मर्यादाओं की लक्ष्मण-रेखाओं को नहीं लांघे, यह दायित्व सभी राजनीतिक दलों का होता है। लेकिन, इसमे सत्ता पक्ष की जिम्मेदारी ज्यादा है, क्योंकि संविधान के मुताबिक देश की सत्ता को संचालित करने का उत्तरदायित्व सत्तारूढ़ दल का होता है।

सत्तारूढ़-तंत्र में कहीं भी लोकतंत्र की मर्यादाओं के प्रति यह सम्मान दृष्टिगोचर नहीं होता है। इसका पुरावा आचार संहिता के परिपालन के मामलों में केन्द्रीय चुनाव आयोग का ताजा आदेश है, जिसके तहत बांसवाड़ा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण को लेकर चुनाव आयोग को की गई शिकायतों का जवाब देने की मियाद पंद्रह दिन याने चौदह मई तक बढ़ा दी गई है। जाहिर है सारी प्रक्रियाओं के परिपालन के बहाने मतदान खत्म होने पहले इस शिकायत का निराकरण नहीं हो सकेगा। बांसवाड़ा के भाषण को लेकर यह शिकायत कांग्रेस, सीपीआय (एम) आदि विरोधी दलों की ओर से की गई थीं। इसी प्रकार की एक भाजपा की और राहुल गांधी के बारे में की गई थी। प्रधानमंत्री पर आरोप था कि वो उन्होंने सांप्रदायिक नफरत के फैलाने की गरज से दुर्भावनापूर्ण तरीक से झूठ बोला। दुर्भावना फैलाने की शिकायत राहुल गांधी के खिला भी की गई थी। चुनाव आयोग ने पहले इन शिकायतों पर उनतीस अप्रैल तक जवाब मांगा था, लेकिन बाद में भाजपा के निवेदन पर इसे चौदह दिन आगे बढ़ा दिया गया।

चुनावी प्रक्रियाओं के जानकारों के मुताबिक चुनाव आयोग द्वारा संबंधित नेताओं के बजाय पार्टी प्रमुखों के नोटिस जारी करना अभूतपूर्व है। उनका कहना है कि शिकायत सीधी प्रधानमंत्री के खिलाफ थी, इसलिए चुनाव आयोग ने उन्हें एड्रेस नहीं करते हुए घुमावदार रास्ता अख्तियार करते हुए नोटिस सीधे मोदी को न भेजते हुए पार्टी अध्यक्ष नड्डा को भेजा गया और पार्टी से जवाब-तलब किया है। नोटिस में प्रधानमंत्री का नाम नहीं है, लेकिन वो शिकायतें संलग्न हैं, जो विपक्षी दलों द्वारा प्रेषित की गई थी।

आयोग ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष से कहा है कि वो अपने सभी स्टार प्रचारकों को राजनीतिक चर्चा के उच्च मानक स्थापित करने और आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों का अक्षरशः पालन करने के लिए निर्देशित करें। आयोग ने यह भी कहा है कि उसने यह फैसला किया है कि जहां व्यक्तिगत स्टार प्रचारक अपने भाषणों के लिए व्यक्तिशः जिम्मेदार बने रहेंगे, वहीं आयोग पार्टी प्रमुखों को मामले-दर-मामले के आधार पर संबोधित कर निर्देशित करता रहेगा। पोल-पैनल ने यह भी माना है कि उच्च पदों पर बैठे लोगों द्वारा दिए गए प्रचार भाषणों के परिणाम अधिक गंभीर होते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को उनके इस भाषण के लिए नोटिस भेजा गया है कि उन्होने आरोप लगाया था कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को राम मंदिर के प्रतिष्ठा समारोह में इसलिए आमंत्रित नहीं किया गया था कि वो अनुसूचित जनजाति की सदस्य थीं।

बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी को अपने भाषणों के लिए फिलहाल कोई कैफियत नहीं देना है, लेकिन उनके चुनावी भाषणों में तीखापन कम होने के बजाय बढ़ता जा रहा है। उनके भाषणों में 2019 के चुनाव अभियान की अनुगूंज सुनाई पड़ने लगी है। राजस्थान की एक सभा में मोदी ने कटाक्ष करते हुए राहुल गांधी को शहजादा निरूपित किया तो जवाब में राहुल गांधी के बहन प्रियंका गांधी वाड्रा ने वो मेरे भाई को शहजादा कहते हैं, लेकिन वो खुद शहंशाह हैं। जो महलों रहते हैं, टीवी पर उनका चेहरा देखा है, एकदम बेदाग, एक भी बाल बांका नहीं, बेदाग कुर्ता... वो कैसे आपकी परेशानी समझ पाएंगे। मेरा भाई, जिसे वो शहजादा कहते हैं, चार हजार किलोमीटर पैदल आप लोगो के साथ, आप लोगों के बीच चला है, दुखदर्द में शामिल हुआ है, वो आपके दुखदर्द को समझता है...।

इन भाषणों और इनके कंटेंट को चुनावी मसाला या जुमला कहकर खारिज करना मुनासिब नहीं है। एक-दूसरे के समुदायों और समाजों के खिलाफ जहर उगलने के परिणाम आने वाली पीढ़ियों के लिए घातक होंगे। भले ही ये शब्द अंगारों की तरह समय की राख में दब जाएं, लेकिन जिस दिन ये चिंगारी भभकेगी, तो कहर बनकर देश और समाज को निगल जाएगी।

लेकिन चुनाव जीतने की जिद और जुनून में इन खतरों को पूरी तरह नजर अंदाज किया जा रहा है। आरोप-प्रत्यारोपों की इबारत में 2019 के लोकसभा चुनाव के उन मटमैले पन्नों का अक्स उभरने लगा है, जो नफरत और सियासी-ध्रुवीकरण का औजार थे। यह भी महसूस नहीं हो रहा है कि फिलहाल ये सिलसिला रुकेगा या रुक सकेगा ? दिलचस्प यह है कि विकास की पांच ट्रिलियन इकॉनामी की ऊंची पायदान पर काबिज होने का सपना पाले इस देश के चुनाव के बैक-ड्रॉप में विकास के मुद्दे मौन हैं और खुशहाली के सपने गौण हैं। नेताओं की तकरीरों में तल्खी का यह तेजाब लोकतंत्र की तकदीर और तदबीर को आहत कर रहा है।

मोदी की विरासत सबके लिए

'मैं चाहता हूं आपका बेटा-बेटी सीएम-पीएम बनें'

- यूपी के इटावा में चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष पर बोला जमकर हमला

इटावा (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सपा-कांग्रेस पर सिर्फ अपने और अपने बच्चों के भविष्य के लिए चुनाव लड़ने का आरोप लगाते हुए

- कहा-मोदी भारत के लिए आने वाले पांच साल ही नहीं, बल्कि 25 सालों का रास्ता बना रहा
- सपा व कांग्रेस वाले अपने भविष्य के लिए, अपने बच्चों के भविष्य के लिए चुनाव लड़ रहे हैं

रविवार को कहा कि 'शाही परिवार' का वारिस ही प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री बनेगा, यह कुप्रथा 'चाय वाले' ने तोड़ दी है। प्रधानमंत्री ने सपा के गढ़ माने

जाने वाले इटावा लोकसभा सीट में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी भारत के लिए आने वाले पांच साल ही नहीं, बल्कि 25 सालों का रास्ता बना रहा है। मोदी यह सब क्यों कर रहा है, क्योंकि मोदी रहे न रहे देश हमेशा रहेगा। उन्होंने कहा कि यह सपा-कांग्रेस वाले क्या कर रहे हैं। यह अपने भविष्य के लिए, अपने बच्चों के भविष्य के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। मोदी ने सपा और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि इन परिवारवादियों की विरासत क्या है...गाड़ी, बंगला, राजनीतिक रसूख। कोई मैनपुरी, कन्नौज और इटावा को अपनी जागीर मानता है तो कोई अमेठी और रायबरेली को अपनी जागीर मानता है, लेकिन मोदी की विरासत गरीब का पक्का घर है, देश की करोड़ों माताओं-बहनों को मिला शौचालय है और दलितों-पिछड़ों को मिली बिजली, गैस और नल (से पानी) जैसी सुविधा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मोदी की बनाई गई विरासत सबके लिए है। हम चाहते हैं कि 2047 में आपका ही बेटा-बेटी प्रधानमंत्री बने, मुख्यमंत्री बने।

म्यूचुअल फंड से शेयर मार्केट में शिफ्ट हुए राहुल गांधी

25 कंपनियों में इन्वेस्टमेंट, 20 साल में 40 गुना बढ़ी संपत्ति, 18 क्रिमिनल केस

लखनऊ (एजेंसी)। राहुल गांधी 20 करोड़ 39 लाख की संपत्ति के मालिक हैं। इनकम का बड़ा सोर्स शेयर मार्केट और म्यूचुअल फंड हैं। इनमें कुल सवा 8 करोड़ का इन्वेस्टमेंट है। उनकी सोर्स ऑफ इनकम में इस बार बड़ा बदलाव इन्वेस्टमेंट में देखने को मिला। राहुल म्यूचुअल फंड से स्टॉक मार्केट की

तरफ शिफ्ट हुए हैं। उन्होंने म्यूचुअल फंड में इन्वेस्टमेंट घटाकर, पैसा शेयर मार्केट में डाला। राहुल ने 25 कंपनियों के शेयर खरीदे हैं। इनमें 4.33 करोड़ का इन्वेस्टमेंट है। सबसे ज्यादा वैल्यू के शेयर पिडिलाइट इंडस्ट्रीज के हैं। इस कंपनी के 1474 शेयर खरीदी हैं जिनकी वैल्यू करीब 42 लाख रुपए है। बजाज फायनेंस, नेस्ले और एशियन पेंट्स जैसी कंपनियों के शेयर भी प्रमुखता से खरीदे हैं।

कोई गाड़ी नहीं, बहन प्रियंका के साथ खरीदी जमीन

राहुल गांधी ने चुनावी हलफनामे में दावा किया कि उनके पास कोई कार या गाड़ी नहीं है। बहन प्रियंका के साथ दिल्ली के महरौली स्थित सुल्तानपुर गांव में 3.778 एकड़ की खेती की जमीन ली है। दोनों 50-50त्न पार्टनर हैं। इसका मौजूदा मार्केट प्राइज 2.10 करोड़ है। इसके अलावा राहुल गांधी के नाम पर गुरुग्राम में 5,838 वर्ग फीट का ऑफिस स्पेस है।

म.प्र. की 9 लोकसभा पर थमा चुनावी प्रचार

1.68 करोड़ को बांटी मतदाता पर्ची, आज रवाना होंगे मतदान दल

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश की 9 लोकसभा सीट मुरैना, भिंड, ग्वालियर, गुना, सागर, राजगढ़, विदिशा, भोपाल, बैतूल पर सात मई को होने वाले मतदान के चलते इन क्षेत्रों में रविवार शाम 6 बजे से चुनावी शोर थम गया। सोमवार सुबह इन क्षेत्रों में 20456 मतदान केंद्रों पर मतदान कराने के लिए मतदान दल रवाना किए जाएंगे। मतदान के मद्देनजर जिलों में कलेक्टरों की टीम हीट वेव से लोगों को बचाने और अधिक से अधिक मतदान कराने की तैयारी में जुटी है।

लोकसभा के तीसरे चरण के लिए मतदान मंगलवार को होना है। इन मतदान केंद्रों में चुनावी व्यवस्था का काम पूरा कर लिया गया है और मतदान दलों के गठन के साथ मतदान केंद्रों में मतदान की तैयारी भी कर ली गई है। इसी तारतम्य में सबसे अधिक फोकस अधिक से अधिक वोटिंग कराने पर है क्योंकि पहले दो चरण में वोटिंग का प्रतिशत काफी खराब रहा है। इसके बाद वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने के लिए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी चलें बूथ की ओर अभियान चला रहे हैं और जिलों में मतदाता जागरुकता के लिए होने वाले कार्यक्रमों में उनके दफ्तर में पदस्थ अफसरों को भी भेजा जा रहा है।

एक करोड़ 77 लाख मतदाता डालेंगे वोट- मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया कि 9 लोकसभा सीटों पर कुल एक करोड़ 77 लाख 52 हजार 583 मतदाता हैं। इनमें से एक करोड़ 68 लाख 31 हजार 603 मतदाताओं को मतदाता सूचना पर्ची वितरित की जा चुकी हैं।

बेंगलुरु की एक 'मुलाकात' ने यूपी में बढ़ाई टेंशन

राजा भैया की अमित शाह से हुई मुलाकात बनी चर्चा का विषय

प्रतापगढ़ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव की राजनीतिक जमीन पर एक बार फिर बदलाव होता दिख रहा है। भारतीय जनता पार्टी यूपी में मिशन-80 के साथ चुनावी मैदान में है। ऐसे में पार्टी हर सीट के लिए चुनावी

- सपा-कांग्रेस के साथ बीसपी भी हुई ऐक्टिव, राजपूत वोट अहम

समीकरण को तैयार करके बैठी है। इस समीकरण को साधने के लिए पार्टी के तमाम शीर्ष नेता अपने स्तर पर काम करते दिख रहे हैं। एक तरफ पीएम नरेंद्र मोदी लगातार रैलियों और रोड शो के जरिए यूपी के राजनीतिक माहौल को एक बार फिर भाजपा के पक्ष में मोड़ने की कोशिश में हैं। वहीं, दक्षिण भारत से एक बड़ी खबर आ रही है। जनसत्ता पार्टी लोकतांत्रिक के अध्यक्ष रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया की केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात हुई है। सूत्रों के हवाले से आ रही खबर के मुताबिक, दोनों नेताओं की मुलाकात

बेंगुलुरु में शनिवार की रात हुई है। इस बैठक के कई मायने निकाले जा रहे हैं। गुजरात में पुरुषोत्तम रुपाला के बयान के बाद से राजपूत की नाराजगी भारतीय जनता पार्टी को लेकर लगातार बढ़ती दिखी है। केंद्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रुपाला ने चुनावी प्रचार के दौरान विवादित बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि कई राजपूत शासकों ने ब्रिटिश और अन्य विदेशी आक्रमणकारियों की मदद की। उनसे रोटी और बेटी के संबंध रखे। इसी को लेकर राजपूत समाज का गुस्सा भड़का हुआ है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने गुजरात की रैली में इस मामले को एक बार फिर उठाया। हालांकि, पीएम मोदी ने कर्नाटक की रैली से कांग्रेस पर राजा-महाराजाओं का अपमान करने सुल्तान-नवाबों के पीछे खड़े होने की बात कहकर मुद्दे को अलग ही रुख देने की कोशिश की।

बिहार में 'बाहुबली' की रिहाई ने गर्माई सियासत

- अनंत सिंह को मिली 15 दिन की पैरोल, बाहर आते ही दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के गैंगस्टर से नेता बने और मोकामा से पांच बार विधायक रहे अनंत सिंह 15 दिन की पैरोल पाकर जेल से बाहर आ गए हैं। वह अलग-अलग मामलों में पटना के बेऊर जेल में सजा काट रहे हैं। बताया जा रहा है कि राज्य सरकार के गृह मंत्रालय ने अनंत को अपनी पुश्तैनी जमीन के बंटवारे के लिए 15 दिनों की पैरोल पर रिहा करने का निर्देश दिया है। इस बीच 13 मई को मुंगेर लोकसभा सीट पर मतदान भी होना है। मोकामा विधानसभा क्षेत्र मुंगेर लोकसभा के अंतर्गत आता है। अपने समर्थकों में छोटे सरकार के नाम से मशहूर अनंत सिंह के इस समय जेल से बाहर आने को लेकर सियासी मायने भी निकाले जा रहे हैं। आरजेडी के प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा, सरकार ने पैरोल देकर साबित कर दिया उसमें बेचैनी है।

कांग्रेस की एक और विधायक बीजेपी में शामिल

सीएम ने बीना से एमएलए निर्मला सप्रे को दिलाई सदस्यता

सागर (नप्र)। मध्यप्रदेश में कांग्रेस का एक और विधायक बीजेपी में शामिल हो गया है। सागर जिले की बीना विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक निर्मला सप्रे ने भाजपा का दामन थाम लिया है। रविवार को राहतगढ़ में सीएम डॉ. मोहन यादव की चुनावी सभा के दौरान उन्होंने सत्ताधारी दल की सदस्यता ली।

निर्मला सप्रे ने कहा कि वह कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं द्वारा एक अनुसूचित जाति की महिला के लिए कभी चाशनी, कभी आइटम जैसे शब्दों के उपयोग से दुखी थी। महिलाओं का कांग्रेस में सम्मान और स्थान नहीं है। डॉ. मोहन यादव की विकास की नीतियों से प्रभावित होकर मैंने भाजपा जॉइन की। बता दें कि सागर लोकसभा क्षेत्र की 8 विधानसभा क्षेत्र में से एक मात्र बीना सीट कांग्रेस के कब्जे में है। लेकिन यहां कि कांग्रेस विधायक अब बीजेपी में शामिल हो गई है। इससे पहले छिंदवाड़ा के अमरवाड़ा से कांग्रेस विधायक रहे कमलेश शाह और श्योपुर जिले के विजयपुर से विधायक रामनिवास रावत भी बीजेपी में शामिल हो चुके है।

10 दिन से बीजेपी नेताओं के संपर्क में थीं विधायक निर्मला सप्रे- बीना विधायक निर्मला सप्रे 10 दिन से बीजेपी के संपर्क में थीं। उन्होंने भोपाल कार्यालय में मंत्री गोविंद सिंह राजपूत से मुलाकात की। 5 दिन पहले एमपी भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा से भी मिली थीं। दो दिन पहले ही चर्चा होने लगी थी कि राहतगढ़ में विधायक निर्मला सप्रे भाजपा की सदस्यता लेंगी।

सीएम बोले- जैसे ही राहुल गांधी को लॉन्च किया, इनकी सरकार चली गई- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को सागर लोकसभा क्षेत्र के राहतगढ़ में बीजेपी की लोकसभा प्रत्याशी लता वानखेड़े के समर्थन में चुनावी सभा की। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। चुनावी सभा में उन्होंने कहा, उन्हें (राहुल गांधी) खुद को मालूम नहीं है कि वे क्या करने वाले हैं? सीएम ने कहा, 2004 से 2014 तक कांग्रेस की सरकार अच्छी-खासी चल रही थी, लेकिन जैसे ही राहुल गांधी को लॉन्च किया, इनकी सरकार चली गई। 115 सांसद रह गए। 2019 में इन्हें फिर लॉन्च किया गया।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 40 °c

न्यूनतम 29°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ सोमवार, 06 मई 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

अयोध्या में पीएम ने रामलला के दर्शन किए

आरती उतारी, दंडवत प्रणाम किया, 'रामपथ' पर खुली जीप में रोड शो किया

अयोध्या (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में रामलला के दर्शन किए। आरती उतारी। दंडवत प्रणाम किया। 'रामपथ' पर खुली जीप में पीएम 2 किलोमीटर चले। सीएम योगी और अयोध्या से प्रत्याशी लल्लू सिंह भी पीएम के साथ रहे। हाथ में भाजपा का चुनाव चिह्न कमल का फूल लेकर वोट की अपील की। खुली जीप के आगे महिलाएं चल रही थीं। लोग जयश्री राम के नारे लगाते रहे। मोबाइल की लाइट जलाकर पीएम का अभिवादन किया। जिस रामपथ से पीएम का रोड शो निकला, उसे फूलों से सजाया गया था। बड़ी संख्या में साधु-संत भी रोड शो में पहुंचे थे।

लोकसभा निर्वाचन -2024

हक जताओ और ईवीएम का बटन दबाओ : श्री राजन

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने मतदाता जागरूकता के लिए एसबीआई द्वारा आयोजित कार रैली को झंडी दिखाकर किया रवाना

भोपाल (नप्र)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने मतदाता जागरूकता के लिए रविवार को प्लेटिनम प्लाजा से कार रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि हक जताओ और ईवीएम का बटन दबाओ। कार रैली का आयोजन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा किया गया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने प्रदेश के सभी नागरिकों से 7 मई को उत्साह के साथ मतदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मतदान हमारा अधिकार है। प्रदेश में तीसरे चरण में 7 मई को भोपाल सहित, मुरैना, भिंड, ग्वालियर, गुना, सागर, विदिशा, राजगढ़ और बैतूल में मतदान होगा। मेरा सभी मतदाताओं से आग्रह है कि मतदान के दिन मतदान केंद्र पर जाकर वोट जरूर डालें। गर्मी को देखते हुए मतदान केंद्र पर छाया, पानी, दवाइयां सहित अन्य जरूरी व्यवस्थाएं की गई है। रैली के शुभारंभ अवसर पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी भोपाल श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह सहित

भारतीय स्टेट बैंक के सीजीएम श्री चंद्रशेखर शर्मा एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मतदान केंद्रों पर मतदाताओं को मिलेगा छाछ, शरबत,ठंडी हवा के लिए रहेगा कूलर, दवाइयों की भी रहेगी व्यवस्था- मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि प्रदेश में 7 मई को तीसरे चरण का मतदान होगा। इसके लिए आयोग ने भी तैयारी पूरी कर ली है। मतदान केंद्रों पर पहुंचे मतदाताओं को गर्मी में परेशान न होना पड़े, इसके लिए मतदान केंद्रों पर खास इंतजाम भी किए जा रहे है। जिलों में गर्मी को ध्यान में रखते हुए मतदान केंद्रों पर जलजीरा, आम का पना, छाछ, शरबत, पीने के लिए ठंडा पानी, शामियाना, बैठक व्यवस्था, दवाइयां सहित अन्य व्यवस्थाएं की जा रही है। इसके साथ ही दिव्यांग, बुजुर्ग मतदाताओं को कतार में खड़ा न होना पड़े, उनका तुरंत मतदान हो जाए, इसकी भी व्यवस्थायें की गई हैं।

आज रवाना होगा मतदान दल-7 मई को तीसरे चरण के लिए होने वाले मतदान के लिए सोमवार यानी 6 मई को मतदान दल सभी 20 हजार 456 मतदान केंद्रों के लिए रवाना होगा। मतदान सामग्री वितरण स्थल पर पोलिंग पार्टियों में शामिल अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए भी छाया, ठंडा पानी, दवाइयां, बैठक व्यवस्था सहित अन्य सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

भाजपा नेताओं की हत्या की साजिश, सूरत से मौलवी गिरफ्तार

- 1 करोड़ रुपए की सुपारी ली, लिस्ट में नूपुर शर्मा और टी राजा के नाम

सूरत (एजेंसी)। भाजपा और हिंदू नेताओं की हत्या की साजिश रचने के आरोप में शनिवार को सूरत से एक मौलवी मोहम्मद सोहेल उर्फ अबु-बकर तीमोल को गुजरात क्राइम ब्रांच की टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के निशाने पर भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा, तेलंगाना के भाजपा विधायक टी राजा सिंह, हिंदू सनातन संघ चेयरमैन उपदेश राणा और सुदर्शन टीवी के चीफ एडीटर सुरेश चव्हाणके थे। सूरत पुलिस के मुताबिक, 27 साल का मौलवी मोहम्मद सोहेल मदरसे का टीचर भी है। वो पिछले दो साल से पाकिस्तान के डोंगर और नेपाल के शहनाज के साथ वॉट्सऐप के जरिए संपर्क में था। वॉट्सऐप चैट में वे भारत में नबी की गुस्ताखी में दखल दिए जाने और ऐसे लोगों को सीधा करने की बात कर रहे हैं। उपदेश राणा की हत्या के लिए 1 करोड़ रुपए सुपारी की भी चैट में चर्चा हुई है।

जयशंकर बोले- भारत पर आरोप लगाना कनाडा की मजबूरी है

यह वोट बैंक की राजनीति, निज्जर हत्याकांड में हुई गिरफ्तारी उनका आंतरिक मामला

भुवनेश्वर (एजेंसी)। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि भारत पर अलग-अलग आरोप लगाना कनाडा की राजनीतिक मजबूरी है। वहां अगले साल चुनाव होने हैं, इसलिए देश में वोट बैंक राजनीति चल रही है। इसका भारत से कोई लेना-देना नहीं है। भुवनेश्वर में एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों के सवालों के जवाब देते हुए विदेश मंत्री ने यह बात कही। दरअसल, कनाडा में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के आरोप में शुक्रवार को 3 भारतीयों को गिरफ्तार किया गया था। कनाडा की पुलिस ने आशंका जताई थी कि भारत ने इन लोगों को निज्जर को मारने का काम सौंपा था। इस पर जयशंकर ने कहा, हम इंतजार कर रहे हैं कि कनाडा गिरफ्तार हुए भारतीयों के बारे में जानकारी साझा करे। हमें बताया गया है कि वे तीनों किसी गैंग से संबंध रखते हैं। यह कनाडा का आंतरिक मामला है और मैं इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं कह सकता। विदेश मंत्री ने कहा कि कनाडा में भारत के खिलाफ काम करने वाले लोगों को पनाह दी जाती है। खासकर जो लोग पंजाब से हैं, वे कनाडा से ऑपरेट करते हैं। खालिस्तान समर्थक लोग कनाडा के लोकतंत्र का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। वे आज कनाडा का वोट बैंक बन गए हैं। कनाडा में सत्ताधारी पार्टी के पास संसद में बहुमत नहीं है। ऐसे में कई पार्टियां सत्ता में आने के लिए खालिस्तानी समर्थकों पर निर्भर हैं। विदेश मंत्री ने कहा, हमने कई बार कनाडा से कहा है को वीजा न दें, उन्हें देश की राजनीति में शामिल न करें। वे लोग कनाडा, भारत और दोनों देशों के रिश्तों के लिए परेशानी पैदा कर रहे हैं। लेकिन उन्होंने इसके लिए कुछ नहीं किया। भारत ने खालिस्तान समर्थक 25 लोगों को भारत प्रत्यर्पित करने की मांग की थी, लेकिन उन्होंने यह भी नहीं माना।

रोहित वेमुला की मौत की फिर जांच कराएगी तेलंगाना सरकार

- कहा-जांच रिपोर्ट में हैं कई विसंगतियां, हम न्याय सुनिश्चित करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने रविवार को कहा कि हैदराबाद विश्वविद्यालय के छात्र रहे रोहित वेमुला की मौत के मामले में पहले की गई जांच में कई विसंगतियां थीं और तेलंगाना में उसकी सरकार वेमुला के परिवार के लिए न्याय सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। तेलंगाना पुलिस ने वेमुला की मौत के मामले में एक अदालत के समक्ष 'क्लोजर रिपोर्ट' दायर की है जिसमें दावा किया गया है कि वह दलित नहीं था और 2016 में उसने इस डर से आत्महत्या कर ली कि कहीं उसकी 'वास्तविक जाति' के बारे में सबको पता न चल जाए।

संक्षिप्त समाचार

कश्मीर में आतंकी हमला, एयरफोर्स जवान शहीद

- पुंछ में सुरक्षाबलों के वाहनों पर 4 आतंकियों ने फायरिंग की, जंगल में भागे; सर्च ऑपरेशन जारी

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में शनिवार को एयरफोर्स के जवानों पर हुए आतंकी हमले में एक जवान शहीद हो गया। हमले में पांच जवान घायल हुए थे, जिन्हें एयरलिफ्ट कर उधमपुर के अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान एक जवान की मौत हो गई। एक की हालत गंभीर है। हमला पुंछ के शाहसितार इलाके में शनिवार शाम 6 बजकर 15 मिनट पर हुआ। 4 आतंकियों ने सनाई टॉप जा रही सुरक्षाबलों की दो गाड़ियों पर फायरिंग की। इसमें से एक वाहन एयरफोर्स का था। हमले के बाद आतंकवादी जंगल में भाग गए। उनके हाथ में एके असॉल्ट राइफल्स थी। एयरफोर्स की स्पेशल

गरुड़ फोर्स, आर्मी और जम्मू-कश्मीर पुलिस सर्च ऑपरेशन कर रही हैं। पुंछ, राजौरी-अनंतनाग लोकसभा सीट में आता है। यहां छठे फेज में 25 मई को वोटिंग है। वायुसेना के काफिले पर हमले के पीछे के आतंकवादियों को पकड़ने के लिए अभियान दूसरे दिन भी जारी है। आतंकवादियों को बेअसर करने के लिए शाहसितार, गुरसाई, सनाई और शींदरा टॉप समेत कई इलाकों में तलाशी ली जा रही है। हमले के बाद आतंकवादी जंगल में भाग गए हैं, लेकिन अभी तक उनसे कोई संपर्क नहीं हो पाया है।

अगर मैं शहजादा तो प्रधानमंत्री मोदी 'पीरजादा'

- तेजस्वी का पलटवार, बोले-वो सच कम और झूठ ज्यादा बोलते हैं

पटना (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दरभंगा की रैली में आरजेडी के वरिष्ठ नेता तेजस्वी यादव का नाम लिए बिना उन पर तंज कसते हुए शहजादा बताया था। अब तेजस्वी यादव ने पलटवार करते हुए कहा- प्रधानमंत्री जी 'पीरजादा' है, इसलिए 'शहजादा' बोल रहे हैं। वो परिजादे यानी बुजुर्ग हैं, पीएम हैं, हम छोटे लोगों को कुछ भी बोल सकते हैं। उनका हक है कि वे कहीं भी, कुछ भी, कैसे भी बोल सकते हैं। लेकिन वे झूठ अधिक बोलते हैं। मिथिला की धरती प्रबुद्ध लोगों की धरा है, यहां के लोग पीएम से बेकार की नहीं, काम की बात सुनना चाहते हैं।

चीन का चंद्रमा पर जाना बढ़ा रहा अमेरिका की टेंशन

- दो किलो चांद की मिट्टी नहीं खतरनाक है जिनपिंग का लक्ष्य

बीजिंग (एजेंसी)। अंतरिक्ष में लगभग पांच दशक पहले अमेरिका और सोवियत संघ के बीच रेस चल रही थी लेकिन आज के समय चीन और अमेरिका स्पेस में एक दूसरे से आगे निकलने में लगे हैं। चीन जैसे-जैसे अपने पड़ोसियों के साथ तनाव बढ़ा रहा है। वैसे ही अंतरिक्ष में उसके बढ़ते कदम भी चिंता बढ़ा रहे हैं। चीन ने अपनी महत्वाकांक्षाओं को कभी रहस्य नहीं रहने दिया है। इसी बीच शुक्रवार को चीन ने चंद्रमा के सुदूर हिस्से के लिए मिशन लॉन्च किया। इस मिशन के तहत चीन का लक्ष्य पहली बार सुदूर हिस्से से धरती पर चट्टान लाना है। चांद का सुदूर हिस्सा कभी भी हमें पृथ्वी से नहीं दिखता। इसके अलावा हाल ही में चीन ने तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन के लिए नए क्रू को लॉन्च किया है। इसके अलावा चीन ने अंतरिक्ष में एक मछली भी भेजी है लेकिन स्पेस में मछली भेजना और चांद की मिट्टी धरती पर लाना ही चीन का लक्ष्य नहीं।

संकट मोचन संगीत समारोह

गाते-गाते पंडित जसराज ने संकट मोचन से पूछा था -आप ने सुना न मेरे बाबा

राजेन्द्र शर्मा

(लेखक कवि और कलाविज्ञ और उप्र सरकार में अधिकारी हैं)

अप्रैल 2020। दुनिया भर पर कोविड 19 का कहर। अप्रैल में ही संकट मोचन संगीत समारोह के 97वां संभावित परन्तु तीन, चार दिन, सात दिन की अवधि के लिए लांक डाऊन के लिए बढती अवधि संकट मोचन संगीत समारोह के कर्ता धर्ता महंत प्रो. विशम्भर नाथ मिश्र के जीवन का सबसे कठिनतम समय बन गयी थी । जिददी और लीक से हटकर फैसले करने के लिए ख्यात महंत विशम्भर नाथ मिश्र की रातों की नीदें गायब थी । उनकी चिंता थी कि उनके बाबा महंत अमरनाथ मिश्र ने 1923 को जिस बिरवे को रोपा था और 2012 तक उस बिरवे को उनके पिता ने बहुत परिश्रम से सहेजते हुए उसे राष्ट्रीय, अंर्तराष्ट्रीय क्षीतिज पर संकट मोचन सगीत समारोह के रुप में प्रतिष्ठित कर दिया था, उसकी अनवरत 96 साल की परम्रा को लांक हाऊन के इस अन्धकार भरे समय में टूटने से कैसे रोका गया ।

इसी उधेडबुन में महंत प्रो. बिशम्भर नाथ मिश्र को सबसे पहले पंडित जसराज एक रोशनी की मानिंद नजर आये। पंडित जसराज संकट मोचन संगीत समारोह के पचासवें आयोजन यानि वर्ष 1973 से जुडे थे और केवल वर्ष 2006 को छोड़कर साल 1918 तक हर साल अपनी हाजिरी संकट मोचन के दरबार मे लगा चुके थे। पंडित जसराज सर्दियों में न्यू जर्सी इस प्रोगाम के साथ गये थे कि अप्रैल में लौटकर 97वें संकट मोचन संगीत समारोह में अपनी हाजिरी लगायेगें परन्तु कोविड के कारण वह न्यू जर्सी में ही फंस गये। कोविड के कारण 97वें संकट मोचन संगीत समारोह को बाधित होता देख पंडित जसराज भी महंत बिशम्भर नाथ जितने ही परेशान।

महंत प्रो. विशम्भर नाथ मिश्र ने उस परेशान हालत में पंडित जसराज से टेलीफोन पर वार्ता कर अपना दर्द बताते हुए कहा कि 97वां संकट मोचन संगीत समारोह गर नही हुआ तो मैं काहे का महंत बिशम्भर नाथ मिश्र। पंडित जसराज को मानो बस यह सुनने का इंतजार कर

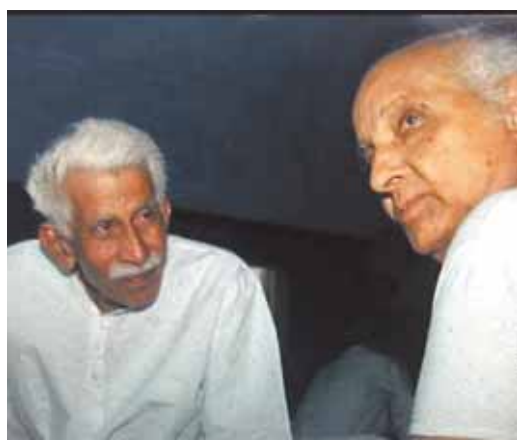

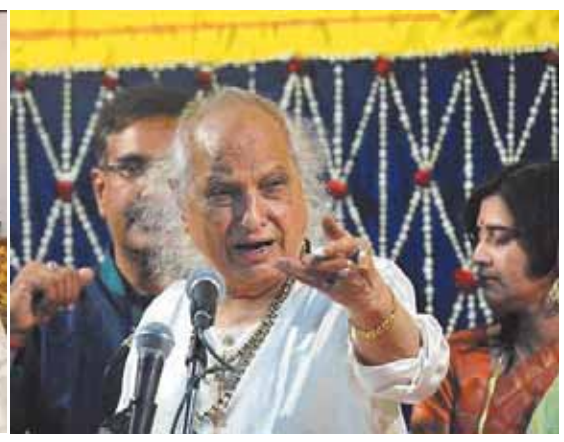

रहे थे । महंत बिशम्भर नाथ मिश्र की बात सुनकर बोले कि आप सही हो, 97वां संकट मोचन संगीत समारोह होगा, दुनिया भर में लांक डाउन लगा है लेकिन डिजीटली आयोजन करने से कौन रोक सकता है।

बहरहाल, अपने पुरखों की परम्परा को हर हाल में हर हाल में बनाये रखने की प्रो. विशम्भर नाथ मिश्र की जिदद और लीक से हटकर काम करने की शैली के फलीभूत तुरत फुरत ही देश भर के कलाकारों से सम्पर्क साधा गया। संकट मोचन संगीत समारोह में अपनी हाजिरी लगाने के लिए बेताब कलाकारों ने महंत विशम्भर नाथ मिश्र का आभार व्यक्त किया कि जब कोविड 19 के कहर में किसी को भी अगले पल का भरोसा नही है, तब ऐसे समय में संकट मोचन के दरबारमें भले ही डिजीटली हाजिरी लगाने का अवसर मिल रहा है। तुरत कार्यक्रम तैयार किया गया और कोविड 19 के बावजूद 12 अप्रैल से 17 अप्रैल 2020 तक 97वें संकट मोचन संगीत समारोह की घोषणा हुई लेकिन 17 अप्रैल आते आते देश भर के कलाकारों द्वारा अपनी अपनी हाजिरी लगाने के अनुरोध पर आयोजन को एक दिन के लिए और बढ़ाया। संकट मोचन संगीत समारोह के 97वें वर्ष के इतिहास में सात दिन की अवधि का आयोजन होने का यह पहला मौका था। इन सात दिनों में संकट मोचन मंदिर के प्रांगण में मंच को पूर्व वर्षो की भांति सजाया जाता। महंत प्रो. विशम्भर नाथ मिश्र अपनी तयशुदा जगह पर बैठते और डिजीटली आयोजन दुनिया भर में देखा जाता।

इस डिजीटली आयोजन के प्रणेता पंडित जसराज ने 15 अप्रैल 2020 बुधवार को अमेरिका से ही संकट मोचन के दरबार में अपनी हाजिरी लगायी। पंडित जसराज ने अपनी डिजीटली हाजिरी की शुरुआत राग विहाग में युग युग चले अचल जग की गति से शुरू की। इसके बाद उन्होंने बजरंग बली के प्रिय भगवान राम का भजन 'जय राम रमा रमणम शरणम्' गाया। एक के बाद एक कई भजन गा चुके पंडित जसराज जब 'हनुमान लला मेरे प्यारे लला' भजन गा रहे थे कि तभी उनकी आंखें छलकने लगीं और आंसू बहने लगे। भीगी आखों से निकल रहे आंसूओं को पोछते हुए पंडित जसराज ने बजरंग बली को संबोधित करते हुए पूछा- आप ने सुना न मेरे बाबा।

पंडित जसराज की संकट मोचन संगीत समारोह के प्रति प्रतिबद्वता के फलीभूत जब जब संकट मोचन संगीत समारोह की चर्चा होगी, पंडित जसराज का नाम स्वत: ही आयेगा । महंत प्रो. बिशम्भर नाथ मिश्र बताते है कि दिल्ली विश्वविधालय की प्रवक्ता डॉ. इंदुजा अवस्थी ने मेरे पिता प्रो. वीरभद्र मिश्र से पंडित जसराज को संकट मोचन संगीत समारोह में आमत्रित करने का अनुरोध किया गया। गुणी कलाकार के लिए पलक पावडें बिछा देने वाले महंत वीरभद्र मिश्र ने वर्ष 1973 में पंडित जसराज को आमत्रित किया गया।

वर्ष 1973 से 2018 तक (वर्ष 2006 को छोड़कर) अनवरत रुप से संकट मोचन संगीत समारोह मे अपनी हाजिरी लगाने वाले पंडित जसराज की इस आयोजन के प्रति गहन निष्ठा ही थी कि अपने देहावसान से चार पहले महीने 97वें संकट मोचन संगीत समारोह में कोविड के कारण डिलीटली हाजिरी लगाकर ही उन्हें असीम संतोष हुआ। वर्ष 2006 में अपरिहार्य कारणों से संकट मोचन संगीत समारोह में हाजिरी न लगाने को वह अपने जीवन का अपराध मानते थे और बाद के वषो में हर प्रस्तुति में अपने इस अपराध के लिए संकट मोचन से क्षमा मांगा करते।

महंत प्रो. विशम्भर नाथ मिश्र पंडित जसराज को याद करते हुए बताते है कि पंडित जी से जुड़े स्मृतियों का एक खजाना भर उनके पास है। संकट मोचन संगीत समारोह से पंडित जसराज के अनुराग का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वे हर वर्ष अपनी तमाम अंतरराष्ट्रीय व्यस्तताओं को दरकिनार कर यहां आते और कार्यक्रम में तीसरे पहर मंचासीन होते। मंच पर पहुंचते ही 'हर हर महादेव' का उदघोष सुनने को आतुर रहने वाले पंडित जसराज इस अभिवादन के जवाब में अपना चिर परिचित अंदाज में 'जय हो' कहकर उदघोष का जबाब देते। तीसरे पहर से अपनी प्रस्तुति प्रारम्भ कर पंडित जसराज सुबह की आरती तक सबको अपने सुरों की वर्षा से भीगोते। एक बार उनकी प्रस्तुति के बीच मन्दिर प्रांगण में पाला गया हिरण भीड़ को चीरता हुआ मंच के करीब तक आ गया, पंडित जी ने सहज भाव से उसका स्वागत करते हुए अपने गले की माला उतार कर उसे पहना दी।

संकट मोचन संगीत समारोह अपने एक सौ एक वें आयोजन तक आते आते अंर्तराष्ट्रीय स्तर पर सर्वाधिक प्राचीनतम, भव्य संगीत समारोह के रुप में स्थापित हो चुका है ।

इस समारोह की भव्यता को टीकाकार अपने अपने शब्दों में बयां करते है किन्तु पंडित जसराज ने संकट मोचन संगीत समारोह के बारे में अपनी राय व्यक्त करते हुए कहा था कि पैसा, पारिश्रमिक और पद अपनी जगह है लेकिन संकट मोचन संगीत समारोह में प्रस्तुति का जो आनंद है, वह दुनिया के सारे आकर्षणों से परे है। पंडित जसराज की यह भावाव्यक्ति संकट मोचन संगीत समारोह की महत्ता को अपने आप बयां करती है।

इंदौर की नाबालिग लड़की ने उज्जैन में होटल की छत से लगाई छलांग, गुमशुदगी की रिपोर्ट हुई थी दर्ज

उज्जैन, एजेंसी। इंदौर से लापता हुई किशोरी पांच युवक के साथ रात में उज्जैन पहुंच गई थी। युवकों ने उसे रोता देख उसके परिजनों से संपर्क किया था। परिजनों ने उज्जैन पहुंचने की बात कहीं थी, लेकिन युवती ने आज सुबह होटल की तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी। उज्जैन में आज सुबह कार्तिक चौक की होटल में ठहरी एक 17 वर्षीय छात्रा ने तीसरी मंजिल की खिड़की से समीप के पतरे वाले मकान पर छलांग लगा दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। तत्काल उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस की सूचना पर उसके परिजन उज्जैन पहुंचे तथा घायल हालत में उसे अपने साथ इंदौर ले गए। खाराकुआ थाने के उपनिरीक्षक लिवांस कुजूर ने बताया कि कार्तिक चौक की होटल में उक्त घटना आज सुबह की है। यहां के मणिभद्र गेस्ट हाऊस के रूम नंबर 401 में किशोरी कल रात 9 बजे आकर ठहरी थी। उसके साथ उत्तरप्रदेश सोनभद्र के 5 लोग भी थे, उन्होंने बताया कि लड़की उन्हें बस में बैठी मिली थी और वह रो रही थी। इस पर वे समझाकर अपने साथ ले आए और होटल में अपने साथ ठहरा लिया था। आज सुबह लड़की उठी और उसने फोन पर परिजनों से बात की और इसी दौरान वह बात करते हुए तीसरी मंजिल की खिड़की पर चढ़ी और समीप के पतरे वाले मकान में कूद गई। लड़की के छलांग लगाने के बाद जोर की आवाज सुनाई दी और भीड़ लग गई। तत्काल गेस्ट हाऊस का स्टॉप भी वहां पहुंच गया और घायल हालत में लड़की को अस्पताल लेकर आए।लड़की का हाथ जख्मी हो गया था और वह खून की उल्टियां करने लगी। इधर पुलिस की सूचना के बाद इंदौर से उसके परिवार के लोग भी उज्जैन पहुंच गए थे। उपनिरीक्षक कुजूर ने बताया कि इंदौर से उसकी माँ और अन्य रिश्तेदार आ गए और लड़की की मां के अनुसार कल उसकी सहेली के साथ एक लड़का उनके घर पर आया था, इस पर उसने माही को डांटा तो वह घर से निकल गई थी। सभी जगह तलाशने के बाद इंदौर के एमआईजी थाने में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। लड़की की हालत को देखते हुए उसे इंदौर रेफर कर दिया गया है। इधर पुलिस ने इंदौर के जो 5 लोग उसे होटल ले गए थे, उन्हें हिरासत में ले लिया तथा पूछताछ कर रही है। उत्तरप्रदेश के सोनभद्र निवासी रूद्र पांडेय, सूरज पांडे, अंकित दुबे, अमन और चंद्रभानसिंह मिश्रा ने थाने पर पूछताछ में बताया कि वो पांचों लोग नर्मदा के पास खेड़ा खाल में पूजन करने के बाद उज्जैन पूजन करने आए थे और रास्ते में बस में लड़की रोती हुए मिली थी और अपने साथ ले आए थे। गेस्ट हाऊस के मालिक विपुल जैन ने बताया कि रात में लड़की सहित 6 लोग आए थे और उन्होंने बताया कि सुबह हमारी पूजा है और उन्होंने पंडित से बात भी की थी।

अक्षय बम ने कहा- दबाव जैसी कोई बात नहीं, कांग्रेस नेता मेरा सपोर्ट नहीं कर रहे थे

इंदौर। बम ने कहा मेरा टिकट तय होने के बाद मैं जनसंपर्क के कार्यक्रम बनाता था, लेकिन कांग्रेस नेता टाल देते थे। प्रचार कार्यक्रम मैने कई बार बड़े पदाधिकारियों से मांगे, लेकिन कोई सपोर्ट नहीं मिला। इस बात से मैं आहत था और मैने इस बारे में पिता से बातचीत की। इंदौर लोकसभा सीट का नामांकन वापसी कांड पूरे देश में चर्चा का विषय है। पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन भी इससे नाराज है। कांग्रेस यह प्रचारित कर रही है कि बम हत्या के प्रयास की धारा बढ़ने और दूसरे केसों के कारण बने दबाव की वजह से भाजपा में गए, लेकिन बम इस मुद्दे पर रविवार को खुलकर बोले। उन्होंने कहा कि मैने किसी दबाव के कारण कांग्रेस नहीं छोड़ी, बल्कि कांग्रेस के नेता मेरा सपोर्ट नहीं कर रहे थे। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने मालवा निमाड़ के दूसरे लोकसभा क्षेत्रों में सभाएं की। वे दो घंटे तक इंदौर एयरपोर्ट पर बैठे रहे, लेकिन मेरे लिए इंदौर में कोई कार्यक्रम नहीं बनाया गया। मेरा टिकट तय होने के बाद मैं जनसंपर्क के कार्यक्रम बनाता था, लेकिन कांग्रेस नेता टाल देते थे। प्रचार कार्यक्रम मैंने कई बार बड़े पदाधिकारियों से मांगे, लेकिन कोई सपोर्ट नहीं मिला। इस बात से मैं आहत था और मैने इस बारे में पिता से बातचीत की। पिता के कैलाश विजयवर्गीय से 40 साल पुराने संबंध हैं। मैंने कैलाश जी से बात की और उन्होंने मेरी मदद की। इसके बाद मैंने नाम वापसी का फैसला ले लिया।

विजयवर्गीय ने कहा बम बीजेपी में आना चाहते थे

विजयवर्गीय ने पत्रकारवार्ता में कहा कि बम अच्छा काम करना चाहते थे। इसलिए उन्होंने भाजपा में शामिल होने का मन बनाया। 29 अप्रैल को अक्षय से मेरी बात हुई थी। अक्षय चाहते तो किसी प्रस्तावक को भेजकर नाम वापस ले सकते थे, लेकिन वे संदेश देना चाहते थे कि उन्होंने इच्छा से नाम वापस लिया। यह उनका हिम्मत भरा फैसला था। मैने रमेश मेंदोला को उनके साथ भेजा, जबकि वे अकेले नामांकन वापस लेने जाना चाहते थे। नगर निगम घोटाले पर वे बोले कि घोटाले की उच्च स्तरीय जांच होगी। किसी भी दोषी को बक्शा नहीं जाएगा।

कमलनाथ की भाजपा में एंट्री पर फिर बयानबाजी, अब मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कही ये बात

इंदौर। विधानसभा चुनाव के बाद से ही कमल नाथ के भाजपा में जाने की अटकलें लगाई जा रही थी। इन अटकलों को और हवा तक मिली जब लोकसभा चुनाव की घोषणा से पूर्व कमल नाथ बेटे नकुल नाथ के साथ दिल्ली रवाना हो गए थे, हालांकि समय के साथ इन अटकलों पर विराम लग गया, लेकिन हाल ही में कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कमल नाथ की भाजपा में एंट्री को लेकर फिर बड़ा बयान दिया है। दरअसल, रविवार को भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कैलाश विजयवर्गीय ने कमल नाथ के भाजपा में आने पर बात रखी। उन्होंने कहा कि कमलनाथ अच्छे व्यक्ति है, यदि वह आते तो उनका स्वागत होता, हर किसी के लिए जगह नहीं है।

और क्या बोले विजयवर्गीय

कैलाश विजयवर्गीय ने प्रेस वार्ता के दौरान भाजपा की चुनावी तैयारियों की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए हम कार्यकर्ताओं के साथ प्रत्येक बूथ पर काम कर रहे हैं। इंदौर के मतदाताओं से मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए मतदान करने का आग्रह करेंगे।

कमलनाथ में भाजपा में आने की थीं अटकलें

गौरतलब है कि कमल नाथ और नकुल नाथ फरवरी माह में दिल्ली रवाना हुए थे, जिसके बाद उनके समर्थक पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा सहित अन्य नेता भी दिल्ली पहुंच गए थे, जिसके बाद कयास लगाए जा रहे थे कि कमल नाथ नकुल नाथ के साथ भाजपा में शामिल हो सकते हैं, लेकिन सज्जन सिंह वर्मा ने बाद में इन कयासों को निराधार बताते हुए कमल नाथ के भाजपा में जाने की बात से इनकार कर दिया था।

लड़कियों को नेतृत्व के बजाय अनुसरण करना सिखाया जाता है, इसे बदलना होगा

इंदौर । भारतीय प्रबंध संस्थान इंदौर ने राष्ट्रीय महिला आयोग, नई दिल्ली के सहयोग से एक कार्यक्रम उत्थान और नेतृत्व- प्रौद्योगिकी, व्यवसाय और सार्वजनिक जीवन में अग्रणी युवा महिलाएं का आयोजन किया। यह कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों की दिग्गज वीमेन लीडर्स और एक्सपर्ट्स को शामिल किया गया। कार्यक्रम में एडवांस टेक्नोलॉजी और भविष्य के वर्कफोर्स के अवसरों से लेकर कॉर्पोरेट डोमेन में महिलाओं के नेतृत्व सहित कई विषयों पर तीन पैनल डिस्कशन में चर्चा हुई। कार्यक्रम ने युवा महिलाओं को टेक्नोलॉजी, बिज़नेस और पब्लिक लाइफ के भविष्य को आकार देने में उनकी क्षमता बढाने, परिदृश्य को समझने और उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम की शुरुआत आईआईएम इंदौर के निदेशक प्रो. हिमांशु राय के मुख्य भाषण से हुई। प्रो. राय ने राइज एंड लीड विषय पर जोर दिया, जिसमें स्वयं की आकांक्षाओं को स्वीकारते हुए निडर होकर आगे बढ़ाने के महत्व पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा, बचपन में, हम निडर होकर अपने सपनों का पीछा करते हैं। लेकिन जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं, हम पर डर और बाधाएं थोप दी जाती हैं और यह खासकर महिलाओं के लिए सत्य है। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हर कोई अपनी पूरी क्षमता तक पहुंच सके।

उन्होंने महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों और बाधाओं को संबोधित करते हुए

सामाजिक गलतफहमियों को दूर करने की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रो. राय ने कहा, महिलाओं को अक्सर कहा जाता है कि उनकी उपलब्धियों का श्रेय दूसरों को दिया जाता है, जिससे उनका आत्मविश्वास कम हो जाता है। हमें महिलाओं को अपने जुनून और महत्वाकांक्षाओं को पूरे दिल से आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्होंने महिलाओं से विपरीत परिस्थितियों में आत्म-प्रेम, लचीलापन और दृढ़ता को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। एनसीडब्ल्यू की चेयरपर्सन रेखा शर्मा ने उन सामाजिक मानदंडों पर प्रकाश डाला जो महिलाओं की स्वायत्तता और निर्णय लेने की क्षमताओं को बाधित करते हैं। उन्होंने कहा, बचपन से ही लड़कियों को नेतृत्व करने के बजाय अनुसरण करने की आदत दी जाती है। हमें हर क्षेत्र में अग्रणी बनने के लिए अपनी अंतर्निहित शक्ति को पहचानना और उसका उपयोग करना चाहिए। सुश्री शर्मा ने परिवर्तन के उत्प्रेरक के रूप में शिक्षा और सशक्तिकरण की चर्चा की और राजनीति और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में महिलाओं की भागीदारी के महत्व पर जोर दिया। शर्मा ने कहा, हमें इस धारणा को दूर करने की जरूरत है कि राजनीति महिलाओं के लिए नहीं है। इस सकारात्मक बदलाव को लाने की अपनी क्षमता को अपनाना होगा। महिलाओं के पास प्रौद्योगिकी और एआई सहित सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए कौशल और क्षमताएं हैं। उन्होंने महिलाओं से निर्णय लेने में सक्रिय रूप से शामिल होने और राष्ट्र-निर्माण प्रयासों में योगदान देने का आग्रह किया। एनसीडब्ल्यू की सदस्य ममता कुमारी ने राजनीति और नेतृत्व की भूमिकाओं में महिलाओं की भागीदारी के महत्व पर जोर दिया।

ऑडिटर-ऑपरेटर और आवक-जावक देखने वाले पर होगी एफआईआर, निवेश की भी निकाली जाएगी जानकारी

इंदौर। नगर निगम में फर्जी बिलों के जरिए करोड़ों के भुगतान के मामले में सहायक ऑडिटर विक्रम वर्मा, कंप्यूटर ऑपरेटर जगदीश चौकसे और लेखा विभाग में आवक-जावक का काम देखने वाले मुरलीधरन के खिलाफ एफआईआर दर्ज होगी। निगमायुक्त द्वारा बनाई गई समिति की जांच रिपोर्ट में घोटाले में इन तीनों की भी संलिप्तता पाई गई है।

यह बात भी सामने आई है कि आरोपित फर्जी बिल मार्च में ही पेश करते थे, ताकि वित्तीय वर्ष समाप्त होने की हड़बड़ी में वे आसानी से फर्जीवाड़े को अंजाम दे सके और इस पर किसी की नजर भी न पड़े। निगमायुक्त द्वारा बनाई गई समिति ने शुक्रवार देर रात अपनी रिपोर्ट निगमायुक्त को सौंप दी थी। समिति ने 188 फाइलों की जांच की और इसमें 150 से ज्यादा फाइलों में फर्जीवाड़ा मिला है। फर्जी दस्तावेजों के जरिए करीब 107 करोड़ रुपये के बिल पेश किए गए थे। चौंकाने वाली बात यह है कि इसमें से 81 करोड़ रुपये का भुगतान किया भी जा चुका है।

यानी नगर निगम के खाते से बगैर काम ही इतनी बड़ी रकम घोटालेबाजों के खाते में ट्रांसफर हो चुकी है।समिति ने जांच में यह भी पाया है कि फर्जीवाड़े को अंजाम देने में अब तक ठेकेदार फर्मों और निगम कर्मियों, एक्जीक्यूटिव इंजीनियर अभय राठौर की भूमिका सामने आई है। इसके अलावा ऑडिट शाखा के सहायक आडिटर विक्रम वर्मा, कंप्यूटर ऑपरेटर जगदीश चौकसे और लेखा शाखा के मुरलीधर की भूमिका रही है। अब निगम इन तीनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराएगा।

इंदौर में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के प्रयास, महिला वॉकथॉन आयोजित

इंदौर। इंदौर में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए चुनाव आयोग लगातार प्रयास कर रहा है। साथ ही सामाजिक स्तर पर भी कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, इसी के चलते रविवार को नेहरू स्टेडियम से 'चलो मम्मा वोट कर करे थीम पर' वॉकथॉन का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुई और मतदान का संदेश दिया। महिलाओं के साथ बच्चियां भी वॉकथॉन में शामिल हुई। इस दौरान महिलाओं ने डांस भी किया।

विद्यार्थियों-शिक्षकों ने निकाली रैली

इधर, लोकसभा चुनाव में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने को लेकर शनिवार को वोटाथान-मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। रैली को वास्तुविद अचल चौधरी और मतदाता जागरूकता अभियान के महाविद्यालयीन प्रभारी नोडल अधिकारी डॉ. मनोहर दास सोमानी, डॉ. विवेक कुशवाह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली महू नाका स्थित महाराणा प्रताप प्रतिमा से बियाबानी, मालगंज चौराहा होते हुए राजमोहल्ला चौराहे पर खत्म हुई। भगत सिंह प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद रैली में हिस्सा लेने वाले लोगों ने मतदान को लेकर शपथ ली।साथ ही लोगों ने अपनी कालोनी व मोहल्ले में रहने वाले मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। रैली में 400 से ज्यादा विद्यार्थी, शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। साथ ही एनसीसी कैडेट्स भी शामिल हुए।

कार को बचाने में पलटा सांची का ट्रक, कार भी क्षतिग्रस्त

इंदौर। शहर में रविवार सुबह सांची का ट्रक पलट गया। हादसा एक कार को बचाने में हुआ। कार क्षतिग्रस्त हुई लेकिन चालक की जान बच गई। घटना भमौरी चौराहे की है। जहां कार क्रमांक एमपी 13 जेडडी 9232 रसोमा चौराहा से पाटनीपुरा की ओर जा रही थी। कार की रफ्तार काफी ज्यादा थी। सामने से सांची दूध वाहन (ट्रक) आ रहा था। इस दौरान कार चालक गति पर नियंत्रण नहीं कर पाया और ट्रक से टकरा गया। ट्रक चालक ने उसे बचाने का प्रयास किया और ट्रक को घुमा दिया, जिससे ट्रक पलट गया। हादसे के बाद सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने चालक को अस्पताल भिजवाया।

12 दिन पूर्व जारी हुआ था पांचवी-आठवीं बोर्ड परीक्षा परिणाम, अब तक जारी नहीं हुए पुनर्गणना के आदेश

इंदौर। राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा मार्च माह में आयोजित की गई पांचवीं-आठवीं बोर्ड परीक्षा के परिणाम 22 अप्रैल को जारी हो चुके है। इस पांचवीं और आठवीं की परीक्षा में सात हजार से अधिक परीक्षार्थियों को या तो पूरक आई है या फिर वे फेल हो गए। इनमें कई परीक्षार्थी ऐसे हैं, जो एक-दो अंक से फेल हुए हैं। ऐसे परीक्षार्थियों के लिए हर साल परिणाम के बाद पुनर्गणना और उत्तर पुस्तिका की छायाप्रति बुलवाने के लिए आवेदन बुलवाएं जाते है। लेकिन इस बार परिणाम जारी हुए 12 दिन से अधिक हो चुके हैं। लेकिन अभी तक राज्य शिक्षा केंद्र ने इस संबंध में किसी तरह का आदेश जारी नहीं किया है। जबकि माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा बोर्ड परीक्षा परिणाम जारी होने के बाद ही पुनर्गणना और उत्तर पुस्तिका की छायाप्रति के लिए ऑनलाइन आवेदन लेना शुरू कर दिया है। पांचवीं-आठवीं की बोर्ड परीक्षा में इस बार 99 हजार 994 परीक्षार्थी शामिल हुए थे। 22 अप्रैल को जारी हुए परिणाम में सात हजार 500 से अधिक परीक्षार्थियों को पूरक और फेल हो गए। इन परीक्षार्थियों के लिए राज्य शिक्षा केंद्र अब तीन से आठ जून तक दोबारा परीक्षा आयोजित करा रहा है।

इंदौर में बम के पाला बदलने से जनता नाराज, जानिए बदले सियासी समीकरण पर क्या बोले मतदाता ?

इंदौर। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर अमर उजाला का चुनावी रथ सत्ता का संग्राम मतदाताओं का सियासी मूड जानने निकला है। जो आज मध्यप्रदेश के इंदौर लोकसभा क्षेत्र में हैं। यहां दिन भर लोगों से संवाद कर चुनावी मुद्दे जाने जाएंगे। सुबह चाय पर चर्चा में लोगों ने खुलकर अपनी बात रखी। एक मतदाता ने कहा कि पीएम मोदी ने जो काम किए हैं, उनके बारे में दुनिया जानती है। सरकार पीएम मोदी की ही बनेगी। कांग्रेस प्रत्याशी रहे अक्षय बम के भाजपा में शामिल होने पर उन्होंने कहा कि भाजपा देश बचाना है, पार्टी को बहुमत में लाना है, इसके लिए यह कुछ भी कर सकते हैं। एक महिला मतदाता ने कहा कि अक्षय बम टक्कर में थे। कांग्रेस और भाजपा को जो भी करना है वो करेंगी, राजनीति बहुत बड़ा खेल है। यह न तो अपने बेटे और बेटी को समझती है और न रिश्तेदार को। बम तो प्रत्याशी थी। एक अन्य मतदाता ने कहा कि अक्षय बम को कोई को जबरन लेकर नहीं गया था। वे खुद इस्तीफा लेकर गए थे। अब अगर कोई भाजपा में आए तो इसके लिए क्या किया जा सकता है। एक अन्य मतदाता ने कहा कि विपक्ष का कमजोर होना लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। जो भी हुआ है ठीक नहीं हुआ है, क्यों हुआ है यह भी नहीं पता। एक युवा महिला मतदाता ने कहा कि जब विपक्ष ही नहीं है तो फिर चुनाव का भी कोई सेंशन नहीं है। फिर तो आप एक साथ सरकार बना दीजिए और जनता को बता दीजिए। इस बार में नोटा का बटन दबाऊंगी, क्योंकि विपक्ष को ही खत्म कर दिया गया है। पहली बार वोट देने जा रही एक युवती ने कहा कि भाजपा कोशिश कर रही है कि कांग्रेस वाले भी हमारी तरफ हों। ताकि, भाजपा को ज्यादा वोट मिले। इसलिए हमें नोटा दबाना ही बेहतर लग रहा है। एक अन्य मतदाता ने कहा कि शंकर लालवानी अच्छा काम कर रहे हैं। यहां कांग्रेस का वर्चस्व खत्म हो गया है, यहां भाजपा ही है। कांग्रेस के कई लोग भाजपा में शामिल हो गए हैं।

टिंडर एप चलाते हैं तो हो जाएं सावधान, ऑनलाइन दोस्ती कर युवकों को लूट रही युवतियां

इंदौर। ऑनलाइन दोस्ती के शौकीन युवा हसीनाओं के हाथों लूट रहे हैं। बदनामी के भय और गर्लफ्रेंड के सामने बेइज्जत होने के डर से मुंह भी नहीं खोलते। सबसे ज्यादा घटनाएं टिंडर एप पर दोस्ती करने वाली युवतियां कर रही हैं। खास बात यह कि गैंग में पब संचालक, वेटर और बाउंसर भी शामिल रहते हैं। धोखाधड़ी के शिकार रवींद्र नगर निवासी नीरज कुमार ने पुलिस को गुप्त शिकायत दर्ज करवाई है।नीरज ने कुछ दिनों पूर्व एक युवती (अमोरा) से एप के माध्यम से दोस्ती की थी। युवती ने खुद को मेकअप आर्टिस्ट बताया और पार्टी की इच्छा जताई। दोनों दिन-रात चैटिंग करने लगे और 31 मार्च को एबी रोड़ स्थित पब में पार्टी करने जा पहुंचे। अमोरा नई-नई

गर्लफ्रेंड बनी थी और उसके साथ पहली मुलाकात थी। अमोरा ने भी शुरुआत बीयर से की। जैसे ही नीरज नशे में झूमने लगा युवती ने ऑर्डर की लाइन लगा दी।

35 हजार 500 रुपये का बनाया बिल- नीरज का आरोप है कि बीयर में नशीला पदार्थ मिलाया था। पब के कर्मचारी और वेटर भी युवती से मिले हुए थे। 35 हजार 500 रुपये का बिल सामने देख नीरज की आंखें फटी रह गई। रुपये न देने पर बाउंसरों ने घेर लिया। आखिर में ऑनलाइन पेमेंट जमा करना पड़ा। यह एक किस्सा नहीं है। पिछले दो महीने में छह से ज्यादा मामले आ चुके हैं। एडिशनल डीसीपी (अपराध) राजेश दंडोतिया ने ऐसे गिरोह से सावधान रहने की सलाह दी है। एडीसीपी के मुताबिक, ऐसी लड़कियों को चिह्नित भी किया है। उनकी आईडी और नाम फर्जी हैं।

रैपिडो राइडर से अश्लील बात करने पर पीटा

खजराना पुलिस ने दूध व्यवसायी के साथ हुई फर्जी लूट का खुलासा किया है। घटना रैपीडो राइडर (महिला) के साथ हुई अश्लील बात करने पर हुई थी।

पुलिस ने घटना में शामिल पांच युवकों को गिरफ्तार किया है। 28 अप्रैल को कनाड़िया क्षेत्र में रहने वाले नितिन पटेल ने लूट की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। कार और दोपहिया के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर शुक्रवार रात पुलिस ने मन बंसारी, मंत्र जायसवाल, अथर्व शर्मा, प्रथम तोमर और समीर शर्मा को गिरफ्तार कर लिया। डीसीपी जोन-2 अभिनय विश्वकर्मा के मुताबिक, मन और उसकी मां रैपिडो चलाते हैं। पटेल ने रात में रैपिडो बुक की और मां की आईडी देख अश्लील बातें करने लगा। मन ने रात में ही दोस्तों को एकत्र किया और बंगाली चौराहा के समीप पटेल की पिटाई कर दी। पटेल ने कार के कांच फोड़ लिए और चेन लूट की रिपोर्ट लिखवा दी।

संपादकीय

वेमुला जांच रिपोर्ट पर सवाल

हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी के कथित दलित छात्र रोहित वेमुला द्वारा जातीय प्रताड़ना के चलते आत्महत्या के मामले की खात्मे के बाद फिर से जांच कराने का आश्वासन इस मुद्दे को राजनीतिक रूप से जीवित रखने की मंशा से ज्यादा दिया गया लगता है। क्योंकि पुलिस द्वारा आठ साल तक जांच किए जाने के बाद भी यह अभी तक स्पष्ट रूप से स्थापित नहीं हो सका है कि रोहित वेमुला सचमुच दलित था या नहीं? रोहित वामपंथी संगठनों से जुड़ा हुआ था, इसलिए ये संगठन रोहित वेमुला को न्याय दिलाने के नाम पर यह मुद्दा पहले भी उठाते रहे हैं और उनका आरोप है कि रोहित ने भाजपा नेता और पूर्व केन्द्रीय बंडारू दत्तात्रय और तत्कालीन मानव संसाधन मंत्री स्मृति ईरानी के कारण आत्महत्या की। लेकिन अब तक चली पुलिस जांच में यह कहीं से नहीं साबित हुआ कि रोहित ने इन दो नेताओं के कारण खुदकुशी की। पुलिस का कहना है कि रोहित जिस वड्डेरा जाति से था, वह तेलंगाना में ओबीसी में आती है। चूंकि रोहित दलित था ही नहीं, इसलिए इस मामले में एससी/एसटी अत्याचार निवारण कानून लागू नहीं होता। लेकिन रोहित ने दलित के रूप में विवि में प्रवेश लिया था। पुलिस का तर्क है कि रोहित ने जांच के बाद उसकी असल जाति उजागर हो जाने के डर से आत्महत्या कर ली। हालांकि यह तर्क बहुत गले उतरने वाला नहीं है। जब तेलंगाना पुलिस द्वारा इस मामले की जांच पर खात्मा लगाने की खबर आई तो हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी के छात्र भड़क उठे। आंदोलनकारी छात्रों का कहना है कि पुलिस ने रोहित वेमुला के मामले में हैदराबाद यूनिवर्सिटी के पूर्व वाइस चांसलर अप्पा राव पिंदिले, पूर्व केंद्रीय मंत्री बंडारू दत्तात्रेय और स्मृति इरानी के रोल की जांच नहीं की है। पुलिस रिपोर्ट में जाँच का फ़ोकस आत्महत्या न होकर रोहित वेमुला की जाति पर है। छात्रों का यह भी आरोप है कि पुलिस ने अपनी रिपोर्ट में बीजेपी और आरएसएस के छात्र संगठन एबीवीपी की बातों को ही दोहराया है। तेलंगाना में चूंकि कांग्रेस की सरकार है, इसलिए वहां के डीजीपी ने भरोसा दिलाया कि मामले की दोबारा जांच की जाएगी और इस संबंध में हाईकोर्ट में याचिका भी डाली जाएगी। राज्य के मुख्यमंत्री ने भी मामले की निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया है। जांच को लेकर वेमुला की मांग और परिजनों ने भी सवाल उठाए थे। लेकिन रोहित वेमुला की जाति का मामला अपने आप में पेचीदा है। पुलिस ने अपनी जांच रिपोर्ट में गुंटूर ज़िले की तहसीलदार बी रजनी कुमारी के हवाले से कहा गया है कि उन्होंने राधिका वेमुला (रोहित की मां) और उनके दो भाइयों को जाति प्रमाण पत्र जारी किया था, जिसमें उनकी जाति वड्डेरा बताई गई थी। इसके अलावा गुंटूर ज़िले के तहसीलदार जी.वी.ए फनेंद्र बाबू ने भी रोहित वेमुला के पिता वेमुला मनी कुमार को वड्डेरा (बैकवर्ड क्लास) का जाति प्रमाण पत्र जारी किया था। रोहित के पिता पत्नी से अलग रहते हैं। मामला इसलिए और उलझ गया कि रोहित की मां वी. राधिका ने एक बयान जारी कर बताया था कि उनका जन्म अनुसूचित जाति (माला) में हुआ था, लेकिन उनकी शादी वड्डेरा समुदाय के मनी कुमार से हुई थी। पति से अलग होने के बाद वो अपने तीनों बच्चों को लेकर अनुसूचित जाति (माला) इलाके में रहने के लिए चली गईं, क्योंकि वे खुद जन्म से माला समुदाय से थीं। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने साल 2012 में अपने एक फैसले में कहा था कि माता या पिता में से कोई एक भी दलित है तो उनका बच्चा भी दलित माना जाएगा। पुलिस को नए सिरे से जांच में पहले यही सिद्ध करना होगा कि रोहित दलित था।

ईरान-इजरायल तनाव: विश्व युद्ध की आहट

नजरिया

रघु ठाकुर

लेखक समाजवादी विचारक हैं।

ईरान और इजरायल के बीच का तनाव अघोषित युद्ध की स्थिति में पहुंच चुका है। इसका एक बड़ा कारण अमेरिका और फिलिस्तीन है। ईरान और अमेरिका के बीच न केवल तनावपूर्ण संबंध है बल्कि दुनिया की दो बड़ी ताकतों के ध्रुवीकरण और प्रतिस्पर्धा समूहों का कारण है। अमेरिका और यूरोप के आर्थिक साम्राज्यवाद और सैन्य शक्ति को चीन चुनौती दे रहा है। यद्यपि चीन की जीडीपी अभी अमेरिका से पीछे है परंतु अमेकिा के व्यापार, साम्राज्यवाद के लिये चीन ने चिंतायें पैदा कर दी है। अमेरिका के घरेलू बाजार में चीन ने काफी दूर तक कब्जा जमा लिया है। और अब अमेरिका उससे येनकेन प्रकरेण या तो मुक्ति चाहता है या सीमित करना चाहता है।

पिछले दशक में अमेरिका ने विश्व राजनीति में अपनी आर्थिक सीमाओं के चलते अपनी हिस्सेदारी कम की थी जो साहूकारी नियंत्रण पिछले दशक तक अमेरिका का होता था उस रिक्त स्थान को चीन ने भरना शुरू किया था तथा चीन ने एशियाई और अफ्रीका के छोटे देशों को ऋण देना शुरू किया। वहाँ अपनी पूँजी लगाई उनसे सामरिक केंद्रों के लिये जगह ली और अपने राजनैतिक साम्राज्य का भूगोल तेजी से बढ़ाया। अभी हाल ही में मालद्वीप के नव निर्वाचित मुखिया मोह मुइज्जू ने न केवल चीन का खुलकर समर्थन किया है बल्कि भारत विरोधी खेमों का साथ दिया है। वह 30 छोटे-छोटे द्वीप भी चीन को दे रहा है। अपने बाजार को स्थिरता देने के लिए चीन ने चीन से लेकर पाकिस्तान और अफगानिस्तान होते हुए ईरान तक ओआरओबी (वन रोड वन ब्लॉक) के नाम से एक सड़क मार्ग बनाने की योजना बनाई तथा अपने उपभोक्ता बाजार को चीन से लेकर ईरान तक फैलाने की रणनीति बनाई। इस रोड के निर्माण से जहाँ एक तरफ यूरोप व अमेरिका के आर्थिक हितों को गंभीर चुनौती मिलती, क्योंकि अभी तक ईरान आदि तक सामग्री या हथियार लाने व भेजने का मार्ग समुद्री मार्ग है। और उसका एक बड़ा आधार नहर है। यह एक प्रकार से ब्रिटिश नियंत्रण में है और दुनिया का तेल बाजार भी तथा तेल उत्पादन से लेकर बिक्री करने वाली संस्था ओपेक भी अमेरिका के नियंत्रण में है। अगर यह चीन की सड़क मार्ग बनाने की योजना पूरी हो जाती है तो यह अमेरिका के बाजार के लिये सीधी खुली चुनौती होगी और इसलिये अमेरिका ने चीन को नियंत्रित करने के लिये जहाँ एक तरफ अमेरिका में अपने बाजार में प्रतिबंध लगाये, उसके साथ ही फिर से अपनी साहूकारी भूमिका पर वापिसी शुरू की है। चीन अभी तक पाकिस्तान और अफगानिस्तान तक के मार्ग के लिये तैयारी कर चुका है। यह चीनी साम्राज्यवाद के लिये उपयोगी है जो भारत को न केवल अपना प्रतिद्वंद्वी मानता है बल्कि भारतीय भूमि पर निरंतर कब्जा करने की फिराक में रहता है। 1962 से चीन के कब्जे में भारत की हजारों वर्ग किलोमीटर जमीन है फिर कुछ दिनों पूर्व डोकलाम में उसने भारतीय भू-भाग में प्रवेश किया। श्रीलंका को पैसा देकर बदले में श्रीलंका के कुछ महत्वपूर्ण भू-भाग को कब्जे में लिया जो सामरिक दृष्टिकोण से और भारत को घेरने के लिये महत्वपूर्ण है। इसी प्रकार म्यांमार,

बांग्लादेश में चीन अपने घोषित और अघोषित ठिकाने बनाना चाहता है ताकि चारों ओर से भारत सामरिक केंद्रों से घिरा रहे। चीन की नीयत इस तरह बिगड़ी हुई है कि उसने तिब्बत का नाम बदलकर चीनी नाम जिजांग रख दिया है। अरुणाचल को न केवल अपना बताता है बल्कि अरुणाचल के लिये भी जिजांग (याने तिब्बत का दक्षिणी भाग) बताता है। चीन ने अरुणाचल के 36 स्थानों के नाम बदले एवं चीनी नाम रखे हैं। यह चीन की साम्राज्यवादी सोच का उदाहरण है।

कई माह पूर्व हमास ने जो फिलिस्तीन का आतंकवादी संगठन है ने भूल की थी और अचानक बगैर किसी तात्कालिक कारण या तात्कालिक उकसावे के इजरायल पर सैकड़ों रॉकेटों से हमला कर दिया था। इजरायल इस हमले से हतप्रभ था क्योंकि इस प्रकार के हमले का कोई कारण या आशंका नहीं थी। इस हमले में इजरायल के कई सौ लोग मारे गये और सैकड़ों लोगों को बंदी बनाया गया तथा महिलाओं के साथ भी अमानुषिक व्यवहार किया गया। स्वाभाविक था कि इजरायल इसका उत्तर देता और उसके बाद इजरायल ने जो हमले शुरू किये हैं उनमें अभी तक लगभग 60000 लोग मारे जा चुके हैं। गाजापटटी और फिलिस्तीन का एक बड़ा भू-भाग इजरायल ने अपने कब्जे में ले लिया है। 10 लाख से अधिक लोग घरों के नष्ट होने से निर्वासित हुये हैं जो अभी भी देश में शरण पाने की तलाश में हैं। भूख व बमों से बड़ी संख्या में बच्चे मर रहे हैं।

भुखमरी के हालात यह है कि संयुक्त राष्ट्र संघ की अपील पर वहाँ खाने का सामान फेंका जा रहा है। प्रति हिंसा में इजरायल भी इतना क्रूर हो गया है कि अनाज या खाद्यान लेने के लिये जमा भूखे लोगों पर भी बम पटक रहा है। बड़ी संख्या में बच्चे मारे जा रहे हैं और दुनिया इस पर लगभग मौन है। कभी-कभी शाब्दिक विरोध हो जाता है परंतु वह भी दिखावा जैसा है। यूएनओ व सुरक्षा परिषद कुछ आर्थिक संतुलन के चलते और कुछ वीटो पॉवर के चलते अनिर्णय की बंदी है। बमों से मरते हुये इंसान भूख से मरते इंसान के लिये शाब्दिक आँसू कोई राहत नहीं पहुँचा सकते। रूस और चीन के बीच में भाईचारा है और जो अब फिलिस्तीन में इजरायल कर रहा है लगभग वही यूक्रेन में रूस कर रहा है या करने का प्रयास कर रहा है। हालांकि एक विचित्र बात यह है कि संयुक्त राष्ट्र संघ के तत्काल युद्ध विराम के प्रस्ताव को हमास ने अस्वीकार किया है।

ईरान की शक्ति को नष्ट करने के लिये और ईरान के द्वारा इजरायल पर हमले के बाद एक नया युद्ध का रास्ता खुल गया है। पिछले दिनों बगैर सूचना के ईरान ने बड़ी संख्या में रॉकेट और ड्रोन इजरायल पर हमला करने के लिये रवाना कर दिये परंतु पिछले हमास के हमले के बाद इजरायल भी सावधान हुआ है और इजरायल व अमेरिका ने संयुक्त सुरक्षा प्रणाली विकसित की है। अपनी विदेश नीति के तहत अमेरिका ने कहा है कि वे इजरायल की रक्षा करेंगे और ईरानी रॉकेट और ड्रोन के 90 प्रतिशत हिस्से को अमेरिका व इजरायल ने इजरायली सीमा में प्रवेश के पूर्व ही नष्ट कर दिया तथा ईरानी हमले से इजरायल को कोई नुकसान नहीं हो सका। यद्यपि इनको नष्ट करने में इजरायल व अमेरिका को लगभग 8000 करोड़ रुपये का खर्च आया परंतु इजरायल व अमेरिका के लिये अब ईरान को घेरने और हमले करने का एक बहाना मिला गया है तथा इजरायल ने ईरान के न्यूक्लियर संयंत्रों के ठिकानों पर आक्रमण किया है। यद्यपि उसने इसकी सूचना अमेरिका को दी थी और अमेरिका की सूचना से ईरान ने इंटरसेप्टिंग मिसाइल के प्रयोग से इसे बचा लिया। ईराक व अमेरिका के संयुक्त उपक्रम से रिमोट नियंत्रित हथियारों द्वारा कुछ दिनों पूर्व ईरान के न्यूक्लियर साइंटिस्ट को तथा सीनियर कमांडर जनरल मोह.रजा जाहेदी कासिम सुलेमानी ईरानी सेना के कमांडर आदि को भी मार दिया था। ईरानी धर्म गुरु और मुखिया खामनई ने यह घोषणा की है कि वे फिलिस्तीन के ऊपर हमले का तथा उनके कमांडों व वैज्ञानिकों को मारे जाने का बदला लेंगे व युद्ध को तैयार हैं।

ईराकी राष्ट्रपति ने हाल ही में अमेरिका की यात्रा की है और ऐसे संकेत उपलब्ध हैं कि अमेरिका इजरायल व यूरोप मिलकर विश्व युद्ध की संभावनाओं पर रणनीति तैयार कर रहे हैं। चीन की जमीनी सीमायें फिलिस्तीन व इजरायल से बहुत दूर हैं और इसलिये वह कोई बहुत मदद करने की स्थिति में नहीं है। रूस पूर्व से ही यूक्रेन युद्ध में उलझा है और वह भी कुछ अधिक सामरिक मदद की स्थिति में नहीं है। पिछले 2 वर्ष से रूस यूक्रेन को हराने का प्रयास कर रहा है परंतु कोई बड़े परिणाम हासिल नहीं कर सका। अमेरिकी संसद ने तो हाल ही में 61 अरब डॉलर की मदद यूक्रेन को स्वीकृत की है।

भारत का इजरायल के साथ लगभग 1 लाख करोड़ से अधिक का व्यापार है और अगर युद्ध बढ़ता है तो फिर यह व्यापार भी प्रभावित होगा। साथ ही जो पूंजी निवेश भारत ने इजरायल में किया है वह भी संकट में पड़ेगा। इसका प्रभाव अफगानिस्तान पर भी पड़ेगा और भारत के जो लगभग 18 हजार लोग इजरायल में, चार हजार लोग ईरान में हैं, उनके रोजगार, व्यापार भी बंद होने को है और उन्हें वापिस लाने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

इस तनाव व युद्ध की बढ़ती संभावनाओं को कैसे रोका जाये इस पर विचार होना चाहिए। मेरी राय में-

1. इजरायल व हमास (फिलिस्तीन) के बीच तत्काल युद्ध विराम हो। मार्च 2024 के संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्ताव को दोनों पक्ष माने तथा हमास इजरायली बंधकों को वापिस करे।
2. फिलिस्तीन के पुर्ननिर्माण में समूची दुनिया सहयोग करे।
3. इजरायल व फिलिस्तीन के बीच, सीमांकन हो तथा इजरायल के द्वारा अभी हमास के हमले के बाद कब्जाया गया क्षेत्र फिलिस्तीन को वापिस किया जाये।
4. इजरायल व फिलिस्तीन के बीच दीवार खड़ी कर उसकी सुरक्षा संयुक्त राष्ट्र संघ के माध्यम से बाहरी देशों की सेनाएं करें।
5. मैं तो यह असंभव कल्पना भी करूंगा कि यहूदी और फिलिस्तीनियों के बीच अंतधर्मीय विवाह बगैर किसी धर्म परिवर्तन के बड़े पैमाने पर और शुरू हो सकें तो एक नई सभ्यता का उदय होगा तथा युद्ध व तनाव समाप्त हो सकेगा।

इंदौर में 'नोटा' न साबित हो कांग्रेस के लिए 'खोटा'

राजनीति

अशोक जोशी

(लेखक और समीक्षक)

इंदौर में कांग्रेस के पास कोई उम्मीदवार नहीं है। अब यही उम्मीद बची कि वह कुछ ऐसा करे जो उसकी नाक बचा सके। लिहाजा कांग्रेस ने यह 'नोटा' का बटन दबाने का आह्वान कर अपनी पीठ थपथपाने का काम किया। लेकिन, हकीकत यह है कि इस प्रयास में कही 'नोटा' उनके लिए 'खोटा' सिक्का न साबित हो जाए। कांग्रेस का मानना है और वह प्रचारित भी कर रही है कि 'नोटा' को मिले वोट कांग्रेस के माने जाएंगे। लेकिन, सवाल उठता है कि क्या कांग्रेस को वोट करने वाला प्रत्येक मतदाता नोटा का बटन दबाएगा!

इस बार लोकसभा चुनाव में देश की तीन सीटें मतदान से पहले ही चर्चित हो गई। इन तीनों सीटों का संबंध सत्तारूढ़ भाजपा और प्रमुख विपक्षी दल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से है। सूरत में कांग्रेसी प्रत्याशी का पर्चा खारिज हो जाने के बाद भाजपा को छोड़कर शेष सभी प्रत्याशियों ने अपने नाम वापस ले लिए और भाजपा प्रत्याशी को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया। आशय कि मतदान से पहले ही भाजपा ने अपना खाता खोल लिया।

शेष दो चर्चित सीटें मध्य प्रदेश के सांस्कृतिक शहर खजुराहो और आर्थिक राजधानी इंदौर की हैं। खजुराहो सीट को इंडिया गठबंधन का प्रतीक मानते हुए कांग्रेस ने यह सीट समाजवादी पार्टी के लिए छोड़ी थी। यहां से सपा की उम्मीदवार मीरा यादव का पर्चा खारिज हो जाने के बाद सपा ने फॉरवर्ड ब्लॉक के आरबी प्रजापति को अपना समर्थन देकर मुकाबले को नीरस होने से बचा लिया। लेकिन। मध्यप्रदेश के सबसे बड़े और देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में एक नया खेल हुआ। यहां कांग्रेस ने अक्षय कांति बम को अपना प्रत्याशी बनाया था। लेकिन, उन्होने नामांकन वापस लेकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। ऐसे में यहां चुनाव न केवल एक पक्षीय हो गया, बल्कि मतदाताओं के लिए भी नीरस बन गया। इस स्थिति में कांग्रेस चाहती तो किसी निर्दलीय प्रत्याशी को अपना समर्थन दे सकती थी। लेकिन कांग्रेस हाईकमान और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कुछ और ही सोचकर ऐसा माहौल रचने की कोशिश की, जैसे वह मैदान से बाहर रहकर भी भाजपा के लिए चुनौती साबित होंगे। इंदौर में कांग्रेस ने यह रणनीति बनाई है कि उनका कोई भी प्रत्याशी न होने के बावजूद यहां बाकायदा चुनाव प्रचार भी किया जाएगा और रैलियां भी निकाली जाएगी। यदि कुछ अलग होगा तो यह कि इसमें भाजपा का विरोध प्रकट करने के लिए मतदाताओं से 'नोटा' में अपना वोट देने की अपील की जाएगी।

वैसे तो आम चुनाव में नोटा कोई नया अजूबा नहीं है। यह बहुत पहले से अस्तित्व में है। लेकिन, अभी तक एक भी चुनाव में यह अपना औचित्य साबित नहीं कर पाया। जैसा कि इसके नाम 'नोटा' (नन ऑफ द अबोव) अर्थात उपर्युक्त में से कोई भी नहीं का प्रयोग यह दर्शाने के लिए किया जाता है कि ईवीएम की बैलेट यूनिट में जितने नाम दर्ज है, उनमें से कोई भी मतदाताओं को पसंद नहीं है। वे इनमे से किसी को भी वोट नहीं देना चाहते। जब विभिन्न एजेंसियों ने इंदौर के मतदाताओं का दिल टटोलने के लिए जगह जगह जाकर नोटा के बारे में पूछा तो ज्यादातर मतदाताओं ने कहा इंदौर में नोटा के लिए कोई जगह नहीं है। क्योंकि यहां कम से कम एक प्रत्याशी तो है जो ज्यादातर मतदाताओं की पसंद है। ऐसे में कांग्रेस का मतदाताओं से नोटा का बटन दबाने को कहना कहीं उनके गले की हड्डी न बना दे! प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी मतदाताओं को नोटा का बटन दबाने को क्रांतिकारी पहल बताने से चूक नहीं रहे हैं। उनका कहना है कि इंदौर में मिले नोटा वोट देश के लिए एक ऐतिहासिक आंकड़े होंगे। इससे पता चलेगा कि शहर के लाखों मतदाता भाजपा का विरोध करते हैं। उनका यह भी मानना है कि नोटा को मिले वोट कांग्रेस के वोट माने जाएंगे और यह वोट बता देंगे कि इंदौर में कांग्रेस की स्थिति क्या है।

वैसे देखा जाए तो इंदौर में कांग्रेस के प्रत्याशियों का शुरू से ही टोटा रहा है। पहले तो भाजपा ने अपनी पहली सूची में इंदौर के प्रत्याशी का नाम न घोषित कर पिछले चुनाव में साढ़े पांच लाख वोटों से जीते सांसद शंकर लालवानी को सदमे में डाल दिया था। कुछ लोगो को मानना है कि भाजपा पहले इंदौर की सीट जो भाजपा के लिए सबसे ज्यादा सुरक्षित है, वहां से वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को उतारना चाहते हैं। किंतु, सीतारमण ने आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए लोकसभा चुनाव लड़ने से ही इंकार कर दिया तो भाजपा ने शंकर लालवानी को फिर से टिकट दे दिया गया।

कांग्रेस के लिए इंदौर के लिए प्रत्याशी ढूंढे नहीं मिल रहे थे। इन्दौर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी का गृह नगर है। इसके बावजूद वह यहां से चुनाव लड़ने की हिम्मत नहीं जुटा पाए। क्योंकि, हाल ही में वह यहां से विधानसभा का चुनाव बुरी तरह से हार चुके हैं। कांग्रेस को इंदौर से ऐसा प्रत्याशी चाहिए था जो अपना चुनावी खर्च खुद उठा सके। इसके लिए उसने शहर के अरबपति कांग्रेसियों से सम्पर्क कर विशाल पटेल, संजय शुक्ला और पंकज संघवी से चुनाव लड़ने का आग्रह किया। सभी ने आकलन कर लिया था कि पिछली बार साढ़े पांच लाख से हारने वाली कांग्रेस इस बार छह से सात लाख से हार सकती है। इसलिए कोई भी बीमार घोडे पर दाव नहीं लगाना चाहते थे। यह भी संभव था कि चुनाव न लड़ने की स्थिति में उन्हें चुनावी खर्च वहन करने को कहा जाता। ऐसे में सभी ने चतुराई से काम करते हुए भाजपा का दामन थाम लिया।

एक बार तो स्थिति यहां तक आ गई कि भाजपा ने इंदौर के चर्चित स्थान राजबाड़े पर एक बैनर लगा दिया कि यहां कांग्रेस का टिकट मुफ्त में बंट रहा है। जिसे चाहिए आकर ले जाए! लेकिन, कोई नहीं आया। तब एक अरबपति अक्षय कांति बम को कांग्रेस ने इस आश्वासन के साथ टिकट दिया कि हार जाने के बाद उन्हें अगले विधानसभा चुनाव में टिकट दिया जाएगा। वे मान भी गए और नामांकन भरकर प्रचार करने लगे। तभी अचानक उन्होंने नाम वापस लेकर सनसनी फैला दी। उनका आरोप था कि स्थानीय नेता उन्हें सहायता नहीं कर रहे और उनसे शहर के 2500 सामान्य बूथो के लिए दस हजार रूपए प्रति बूथ तथा 400 अल्पसंख्यक बूथों पर प्रति बूथ 30 हजार रुपए खर्च करने को कहा गया। बूथों के खर्च की यह राशि 4 करोड़ रुपए के आसपास होती है। इसके अलावा प्रचार तथा रैलियों के खर्च को मिलाकर यह राशि दस करोड़ के रुपए के आसपास होता है। अक्षय कांति बम व्यावसायिक बुद्धि के व्यक्ति हैं। उन्हें यह सौदा महंगा लगा। लेकिन, नामांकन भरकर वे फंस चुके थे। तभी भाजपा ने ऑपरेशन सूरत के प्रयोग की तरह रास्ता दिखाया और वे कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए। लेकिन, किसी निर्दलीय ने नाम वापस नहीं लिया तो ऑपरेशन सूरत-2 नहीं। अब उम्मीदवार रहित कांग्रेस के पास यही उम्मीद बची कि वह कुछ ऐसा करे जो उसकी नाक बचा सके। लिहाजा कांग्रेस ने यह नोटा का बटन दबाने का अभिनव प्रयोग कर अपनी पीठ थपथपाने का काम किया है। लेकिन, हकीकत यह है कि इस प्रयास में कही नोटा उनके लिए खोटा सिक्का न साबित हो जाए। कांग्रेस का मानना है और वह प्रचारित भी कर रही है कि नोटा को मिले वोट कांग्रेस के माने जाएंगे। लेकिन, सवाल यह उठता है कि क्या कांग्रेस को वोट करने वाला प्रत्येक मतदाता नोटा का बटन दबाएगा।

हालात यह है कि उम्मीदवार ने होने की स्थिति में कांग्रेसी विचारधारा के मतदाताओं को मतदान केंद्र तक जाने की रुचि ही नहीं बची। क्या ऐसे में वह नोटा का बटन दबाने के लिए भरी दोपहर में लाइन में लगेंगे। क्या घर की महिलाएं ऐसा करने के लिए अपना काम छोड कर मतदान केन्द्र तक जाएंगी। जाहिर है कि इस हालात में कांग्रेसी मतदाता घर से निकलेगा ही नहीं। तब नोटा को मिलने वाले वोट की संख्या भी ज्यादा नहीं रहेगी। पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा को 71 प्रतिशत और कांग्रेस को 29 प्रतिशत वोट मिले थे। इस बार दोनों पक्षों के लिए इस संख्या के घटने के अनुमान है। ऐसे में यदि नोटा को पांच दस प्रतिशत वोट भी मिले तो यह माना जाएगा कि इंदौर में कांग्रेस को पांच या दस प्रतिशत अर्थात पिछली बार से 15 से लेकर 25 प्रतिशत तक कम वोट मिले है। ऐसे में नोटा कांग्रेस के लिए खोटा सिक्का साबित हो सकता है।

तपती धूप में बेमौसम बीमारियों की दावत ए आफत

सूर्यदेव ने अब पारा 43°-45° पर मारा। आशिक़ी में रोड साइड रोमियों हारा। प्रचंड गरमी में आँख सेकने वाले रोमियों को मासूका का चेहरा नसीब नहीं हो रहा। चेहरा स्टाल से ढका है। इससे रोमियो का हाजमा गड़बड़ है। ढकी चीजें संस्कारवान को भाती है। संस्कारहीन को खुली तहज़ीब पसंद है, जैसे खुले में शौच करना। खुले ठेले पर पहले से कटे फल खाना।भीनभिनाती मक्खीयों का शरीर और फल पर बैठ गाते हुए दिखना। नरकलोक में यह नारकीय अनुभव का जीता -जागता उदाहरण है। सीवर नालियों का सड़क पर बज-बजाना। यह अलौकिक दृश्य है। धन्य है देश हमारा प्यारा। स्वस्थ फलाहार की अवधारणा न्यारा। लू का महीना है और लूज मोशन का अनचाहे मेहमान-सा टपकना।

कटाक्ष

सूर्यदीप कुशवाहा

लेखक व्यंग्यकार हैं।

बीमारियों से मिलने के लिए समय नहीं मिल पा रहा था। मक्खियां कुछ महीनों से इसी मंथन में व्यस्त थीं। स्वास्थ्य महकमा अटकलबाजियों में मस्त था। उनके मंथन से लाभ झोलाछाप डॉक्टर को अवश्य मिलेगा। उनका क्लिनिक भी मरीजों से गुलजार रहेगा और जेबें भी भरेगा। जेबें भरने के लिए ही धंधा डालें हैं और पुण्य भी कमा लेता है। सरकारी अस्पताल बहानेबाजी के बिना एक कदम भी नहीं चलता है। प्राइवेट अस्पताल तो तीरमदार के पैसे से चलते ही नहीं दौड़ते हैं। भला सरकारी अस्पताल में आराम की 'गारंटी' मिल सकती है, यह केवल प्राइवेट अस्पताल की खास उपलब्धि रही है। सरकारी डॉक्टर ज्यादा मरीज प्राइवेट में देखने पर खुश दिखते हैं। प्राइवेट अस्पताल का रिजल्ट अच्छा है, लेकिन डॉक्टरी की पढ़ाई सरकारी मेडिकल कॉलेज में सच्चा है। यह बात समझने के लिए शायद बच्चा हैं।

सरकारें स्वास्थ्य सेवा के लिए सदैव सजग रहती हैं, इसलिए विज्ञापन पर खूब खर्चा करती हैं। यह खर्चा जनता के स्वास्थ्य सेवा के खर्चा से ज्यादा होता है, पर दिखता नहीं। विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं देना सरकार की ज़िम्मेदारी है। लेकिन शासन में गैर जिम्मेदारी भी कोई चीज़ होती है। यह शौक लोकतंत्र के लिए महंगी साबित होती रही है। देखिए हर सरकार बड़े पसोपेश में होती है कि क्या करें? स्याला.. कुछ नुमाइंदों का करेक्टर ढीला है। अगर स्क्रू ढीला है तो वैसे ही बोल्ड योजनाएँ धराशायी हो जाएंगी। यदि कहीं बीमारियां बढ़ गईं तो बड़ा संघर्ष होगा। संघर्ष रहेगा जारी और साइड इफेक्ट की बारी।बूढ़े और थके हुए लोगों को नामुराद वैक्सीन छोड़ दे रही। जबकि वे दुनिया से जाने का फुल-प्रूफ प्लान बनाकर लाइन में हैं। जिम जाते कुछ युवाओं को अचानक दिल दे बैठने की खता से यमलोक पहुंच जा रहे हैं।वैक्सीन से इतना प्यार ठीक नहीं। हार्ट बीट बढ़ाती खबरों का मोह हम पर भारी पड़ सकता है। यमलोक में यमदूतों की छटनी की अटकलों का बाजार मृत्युलोक में गर्म है। सच कहूँ! काफी खर्चा बच गया। अगले बीमारियों में काम आएगा। तपती धूप की आफत में बेमौसम बीमारियों की दावत है। दावतें सबको भाती हैं। यदि गंदगी समाज की बंदगी तो खुल्लम खुल्ला प्यार करेंगे.. काकरोच, मक्खी और मलेरिया डेंगू मच्छर। बीमारी सोच कर थोड़े ही आती है। बीमार होकर आदमी खूब सोचता है। महंगी जांचो से निचोड़ लिया जाता है,इसी वजन से निपट जाता है।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

रिश्तेदार कृतार्थ करें प्लीज !

व्यंग्य

अशोक गौतम

लेखक व्यंग्यकार हैं।

मेरे घर आने वाले मेरे शैतान रूप रिश्तेदारों को यह सूचित करते हुए मत पूछो मेरे मन में प्रसन्नता का कितना पारावार उमड़ रहा है कि मैंने अपने रिश्तेदारों की नींद का ध्यान रखते हुए नए गद्दे खरीद लिए हैं ताकि अब जब खास से लेकर बकवास रिश्तेदार मेरे घर तशरीफ लाएं तो मेरे घर सोए अपने दुखद वर्तमान में सुखद भविष्य के सुनहले सपने देख सकें। बिस्तर पर पड़ते ही वे घोड़े ही नहीं, गधे बेचकर सोएं।

कुछ महीनों से मेरे घर आने वाले मेरे हर किस्म के रिश्तेदारों को मुझसे गेस्ट रूम के गद्दों को लेकर दबी दबी सी, खुली खुली सी शिकायत हो रही थी कि बाहर का मजेदार खिलाने के बाद भी मैं उनके सोने के लिए जो बिस्तर देता हूं, उसके गद्दे जरा भी आरामदायक नहीं हैं। वे हद से अधिक दब चुके हैं। आध घंटे में ही उन पर सोकर उनकी पीठ अकड़ जाती है। रिश्तेदारी में आकर भी जो पीठ अकड़ जाए तो ये कहां की रिश्तेदारी! रिश्तेदारी में आ तो रिश्तेदार की पीठ अकड़नी चाहिए कायदे से।

अब आप ही कहो! कोई रिश्तेदार अपने रिश्तेदार के घर अतिथि होकर क्यों जाता है? उसका हमदर्द हो हालचाल पूछने के लिए? जी नहीं! जब हम अपने हमदर्द खुद ही नहीं तो दूसरों के क्या खाक होंगे? हालचाल तो फोन पर भी पूछे जा सकते हैं। जनाब! वह क्या आड़ कबाड़ देखने सुनने को है? फिर किसीके घर जाकर उसको धुआं देने की जरूरत क्या? सिंपल सा! उसके घर जा आराम से खाने पीने और सोने के लिए।

हर वर्ग के जीव का जब अपनी चारपाई पर सोते, अपने घर में खाते पीते जी उचट जाए तो मेरी उनको नेक सलाह है कि तत्काल किसी रिश्तेदार के घर का रूख कीजिए। जस्ट फार चेंज। बहुत शांति मिलेगी। होस्ट परेशान होता रहे तो होता रहे। पर गेस्ट रूपी घोस्ट कतई परेशान नहीं होना चाहिए। दूसरों से परेशान होना हर एक का निजि मामला होता है, अतिथि कौन होते हैं उसमें दखल देने वाले।

दो हफ्ते पहले मेरे घर मेरे खास रिश्तेदार आए थे। वे मेरे शुभचिंतक हैं सो सुबह उठते ही शौच जाने से पहले मुंह फुलाकर बैठ गए। तब मैं उनको कहना तो चाहता था कि हे फियर रिश्तेदार! मुंह और पेट दोनों फूले हैं। कम से कम पेट तो खाली कर आओ। दोनों चीजें एक साथ फूली हुई सुबह सुबह शोभा नहीं देतीं।

'बंधु! बुरा मत मानिएगा! तुम्हारे खातिथ्य भाव को लेकर मुझे कोई शिकायत नहीं! डिनर जो तुमने बाहर से मंगवाया था, लजीज था। तुम्हारे घर आकर खाने का तो इंतजाम अच्छा था, पर अबके सोने में बहुत दिक्कत हुई। रात को बिल्कुल भी नींद नहीं आई। बुरा मत मानिएगा होस्ट! इससे पहले कि कोई और रिश्तेदार आकर तुमसे शिकायत करे कि अब तुम्हारे गेस्ट रूम के गद्दे इतने दब चुके हैं कि ... दो घंटे में ही बिस्तर पर सोए सोए अंग अंग दुखने लग जाता है। इसलिए न चाहते हुए भी तुम्हें अपना समझ मैं नेक सलाह दे रहा हूं, भले तुम्हें कितना ही बुरा क्यों न लगे, पर है तुम्हारी इज्जत के लिए। मैं नहीं चाहता कि केवल इन गद्दों के चलते रिश्तेदारों में बरसों से बनी तुम्हारी सारी इज्जत मिट्टी में मिल जाए, गद्दे नए ले आओ।'

मेरी इज्जत की दुहाई देने के बाद भी मैं जानता हूं कि मेरे रिश्तेदारों के बीच मेरी इज्जत क्या है? रिश्तेदारों को तो छोड़िए, मेरी नजरों में मेरी इज्जत क्या है, इसे मैं अच्छी तरह जानता हूं।

......और कल अपने रिश्तेदारों की फटकारों से तंग आकर चार दिन लगातार हर साइट पर ऑन लाइन गद्दे के रेट और वेट दोनों की स्टडी करने के बाद मैं अपने घर अपने रिश्तेदारों की सुखद नींद के लिए नए गद्दे ले आया हूं। इन गद्दों को लाकर भले ही अब कई महीने मेरी नींद उड़ी रहे तो उड़ी रहे, मेरा क्या! गद्दे ही नहीं! नए सिरहाने, नई बेड शीट सबकुछ नया ले आया हूं कि वे मेरे घर चैन से सो सकें। अब कल जो वे मेरे घर आएं तो उन्हें सुबह मुझसे कोई शिकायत न हो। सुबह उठ कर ये न कहे कि क्या यार! तुम भी न! गद्दे नए ले आए तो बेड शीट, सिरहाने वही पुराने।

हे मेरे प्रिय, अप्रिय रिश्तेदारो! अबे अब कोई तो आओ! मैं तुम्हारे इंतजार में केवल और केवल तुम्हारे लिए नए गद्दे खरीद देखो तो पल पल कितना दुबला हुआ जा रहा हूं। मेरा मन तुम्हारी हाथी पीठ द्वारा अपने गेस्ट रूम के नए गद्दों का रिश्तार्पण करवाने को मचला जा रहा है। हे मेरे रिश्तेदारो! तो अब कब आ रहे हो तुम?

कानून और न्याय

विनय झैलावत

(पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता)

ईवीएम और मतदान प्रणाली-1

मतदान प्रणाली को बदलने का प्रयास अस्वीकार्य

मतपत्र (बैलेट) को बहाल करने से इंकार करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में अपने फैसले में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) मतदान प्रणाली को बरकरार रखा। साथ ही चुनावी प्रक्रिया की अखंडता के बारे में सवाल उठाते समय सावधानी बरतने की आवश्यकता को भी रेखांकित किया। अदालत ने मौजूदा प्रणाली को मजबूत करने के लिए भारत के चुनाव आयोग को कई निर्देश जारी किया। यह फैसला कांग्रेस सहित विपक्षी दलों के लिए एक कड़ा आघात है।

सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका ईवीएम मतदान प्रणाली पर सवाल उठाने की कड़ी का एक हिस्सा थी। सर्वोच्च न्यायालय ने इसे भी खारिज कर दिया। साथ ही वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) पेपर स्लीप के साथ ईवीएम पर डाले गए वोटों के शत प्रतिशत क्रॉस-वेरिफिकेशन का निर्देश देने की याचिकाकर्ताओं की मांग को भी खारिज कर दिया। वर्तमान में किसी भी विधानसभा क्षेत्र में केवल 5 प्रतिशत ईवीएम-वीवीपीएटी की गिनती ऐच्छिक रूप से सत्यापित की जाती है। अलग-अलग लेकिन सहमत राय में न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने चुनाव प्रक्रिया की अखंडता में न्यायपालिका के विश्वास को दोहराया। हालांकि अदालत ने मौजूदा प्रणाली को मजबूत करने के लिए भारत के चुनाव आयोग को कई निर्देश जारी किया। यह फैसला कांग्रेस सहित विपक्षी दलों के लिए एक कड़ा आघात है।

हालांकि, कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में स्पष्ट किया कि शीर्ष अदालत द्वारा खारिज की गई याचिकाओं में कांग्रेस प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से एक पक्ष नहीं थी। इस महीने की शुरूआत में जारी अपने चुनावी घोषणा पत्र में, राजनीतिक दल ने एक हाइब्रिड प्रणाली का प्रस्ताव दिया था जिसमें ईवीएम के साथ-साथ बैलेट पेपर दोनों का उपयोग किया जाता है। कई न्यायिक उदाहरणों का उल्लेख करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने रेखांकित किया कि वीवीपीएटी की शुरूआत के बाद वर्तमान मतदान प्रणाली पर संदेह करने के लिए कोई ठोस सामग्री और आंकड़े उपलब्ध नहीं है। सुब्रमण्यम स्वामी बनाम भारत के चुनाव आयोग के मामले में अपने 2013 के फैसले में, अदालत ने कहा था कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के लिए एक पेपर ट्रेल एक अनिवार्य आवश्यकता है।

बाद में, 2019 में, प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में वीवीपीएटी पर्चियों के साथ ईवीएम वोटों के पचास प्रतिशत क्रास-सत्यापन की मांग करने वाली याचिका पर विचार करते हुए न्यायालय ने मतदान केंद्रों की संख्या में वृद्धि का समर्थन किया। इसमें वीवीपीएटी सत्यापन प्रति विधानसभा क्षेत्र या खंड से किया जा रहा है। पीठ ने कहा कि हम वर्तमान रिट याचिकाओं को केवल इस अदालत के पिछले उदाहरणों और फैसलों पर भरोसा करके खारिज कर सकते थे। बिना किसी ठोस सामग्री और डेटा के मात्र संदेह के आधार पर बार-बार की जाने वाली चुनौतियों वांछनीय है। हालांकि, हम स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव और चुनावी प्रक्रिया की अखंडता सुनिश्चित करने के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया और सुरक्षा उपायों को रिकॉर्ड पर रखना चाहेंगे।

न्यायमूर्ति खन्ना ने कहा कि ईवीएम में निर्माताओं द्वारा अलग से प्रयोग किए गए माइक्रो कंट्रोलर अपरिवर्तनीय हैं। वे राजनीतिक दलों या उम्मीदवारों को नहीं पहचानते हैं। वे केवल मतदाताओं द्वारा दबाए गए बटनों को पहचानते हैं। ईवीएम के माइक्रो कंट्रोलर या मेमोरी तक पहुंचने के किसी भी अनधिकृत प्रयास के मामले में, अनधिकृत एक्सेस डिटेक्शन मैकेनिज्म (यूएडीएम) इसे स्थायी रूप से अक्षम कर देता है। ईवीएम में लोड किए गए प्रोग्राम को तैयार किया जाता है। निर्माण के समय वन टाइम प्रोग्रामेबल माइक्रो कंट्रोलर चिप में डाला जाता है। इस प्रकार छेड़छाड़ की किसी भी संभावना को दूर किया जाता है। यह ध्यान देने योग्य है कि ईवीएम की तीनों इकाइयों मतपत्र इकाई, नियंत्रण इकाई और वीवीपीएटी में माइक्रो कंट्रोलर होते हैं जिनमें संबंधित सॉफ्टवेयर लिखा दिया जाता है। जले हुए प्रोग्राम/कोड को बदला नहीं जा सकता है और निर्माता द्वारा ईसीआई

को ईवीएम की डिलीवरी/आपूर्ति के बाद इसे संशोधित नहीं किया जा सकता है।

कार्यवाही के दौरान, याचिकाकर्ता एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कहा कि चुनाव आयोग का यह दावा कि माइक्रो प्रोसेसर रिप्रोग्रामेबल नहीं थे, संदेह में था और इन प्रोसेसरों की फ्लैश मेमोरी को फिर से प्रोग्राम किया जा सकता है। इस तरह के तर्क को खारिज करते हुए, न्यायाधीशों में निष्कर्ष निकाला कि ईवीएम की लिखी मेमोरी में अज्ञेयवादी सॉफ्टवेयर को हैक करने या छेड़छाड़ करने की संभावना निराधार है। इस संबंध में किसी भी संदेह को खारिज कर दिया जाना चाहिए कि किसी विशेष उम्मीदवार के पक्ष में ईवीएम में हेरफेर किया जा सकता है। उन्होंने आगे इस बात पर विचार किया कि चार करोड़ से अधिक वीवीपीएटी पर्चियों का मिलान उनकी नियंत्रण इकाईयों की इलेक्ट्रॉनिक गिनती के साथ किया गया है। अभी तक इसके बेमेल होने का एक भी मामला दर्ज नहीं किया गया है।

सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि मतदाताओं को यह सुनिश्चित करने का मौलिक अधिकार है कि उनके वोट सटीक रूप से दर्ज किए गए हैं। अदालत ने जोर देकर कहा कि इस तरह के अधिकार को ईवीएम वोटों शत-प्रतिषत क्रॉस-वेरिफिकेशन के अधिकार के साथ वीवीपीएटी पर्ची या भौतिक रूप से उपयोग करने के अधिकार के साथ नहीं जोड़ा जा सकता है। ''केवल यह संदेह कि ईवीएम के माध्यम से डाले गए वोटों में बेमेल हो सकता है, जिससे शत-प्रतिशत वीवीपीएटी पर्ची सत्यापन की मांग बढ़ सकती है। रिट याचिकाओं के वर्तमान सेट को बनाए रखने योग्य मानने के लिए पर्याप्त आधार नहीं है। इन रिट याचिकाओं को बनाए रखने के लिए, यह दिखाया जाना चाहिए था कि उल्लंघन का एक ठोस खतरा मौजूद है। हालांकि, इसकी भी पुष्टि नहीं की गई है।

मौजूदा प्रणाली के अनुसार, एक वीवीपीएटी पर्ची मतदाता को यह सत्यापित करने के लिए सात सेकंड के लिए दिखाई देती है कि नीचे रखे डिब्बे में गिरने से पहले उनका वोट सही ढंग से डाला गया था या नहीं। बाद में उनका उपयोग मतदान अधिकारियों द्वारा ऐच्छिक रूप से चुने गए पांच मतदान केंद्रों में डाले गए मतों को सत्यापित करने के लिए किया जाता है। यह मतदाता को आश्वस्त करता है कि उसके डाले गए वोट को दर्ज कर लिया गया है और उसकी गिनती की जाएगी। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि मतदाताओं को वीवीपीएटी पर्ची तक भौतिक पहुंच देना अव्यावहारिक है और इससे दुरूपयोग होगा। ईवीएम वीवीपीएटी गणनाओं के पूर्ण क्रॉस-सत्यापन से जुड़ी विभिन्न लॉजिस्टिक समस्याओं पर प्रकाश डालते हुए न्यायमूर्ति खन्ना ने कहा कि सबसे पहले, यह मतगणना के लिए समय बढ़ाएगा। परिणामों की घोषणा में देरी करेगा। आवश्यक श्रम शक्ति को दोगुना करना होगा। हस्तचलित गणना मानवीय त्रुटियों के और जानबूझकर गलत कार्यों का कारण बन सकती है। गिनती में हस्तचलित हस्तक्षेप भी परिणामों में हेरफेर के कई आरोप लगा सकता है।

(शेष अगले कॉलम में)

आत्मकथा

- कर्मयोगी

(वरिष्ठ पत्रकार और लेखक)

आतिशी संघर्षों की तपिश से कुंदन हुई ऋतु

यह किसी संघर्षशील महिला की आत्मकथा नहीं, बल्कि जीवन का कड़वा सच है कि कैसे एक घरेलू महिला पति के अवसान के बाद उद्यमी बनती है और अपनी मेहनत से काम को आकार देती है। सही मायनों में पुस्तक संस्मरण नहीं, मानवीय अनुभवों को प्रतिबिंबित करने वाला दर्पण है। पुस्तक में ऋतु के जीवन में अचानक आए मोड़ सबक देते हैं। आत्मकथा प्यार, अविश्वास, छल और जीवन की जटिलताओं से गुजरते हुए सकारात्मकता और अध्यात्म के सुमेल से सफलता की नई इबारत लिखने को प्रेरित करती है।

यह अविश्वसनीय ही है कि युवा अवस्था में चौतरफा संकटों से घिरा कोई उद्यमी पति रणछोड़ कर आत्मघात कर ले, मगर उसकी आम गृहणी पत्नी न केवल उन तमाम संकटकालीन परिस्थितियों से उभर आए, बल्कि एक प्रेरणा की मिसाल भी बने। इतना ही नहीं था पति डेढ़ दशक पहले विरासत में 40 करोड़ रुपये का लोन छोड़ गया था। जो कई तरह के जुर्मानों के साथ 60 करोड़ रुपये तक जा पहुंचा था। ऐसे मुश्किल हालात में एक गृहणी के रूप में पारिवारिक दायित्व निभाने वाली एक स्त्री आत्मविश्वास के साथ खड़ी होती है।

वह दो अल्पवयस्क बेटियों के लिए माता-पिता की भूमिका का निर्वहन करती है। वह विरासत में मिले पति के बीमार उद्योग को संभालती है। इतना ही नहीं पति के अवसान के बाद लूट-खसोट व हिस्सेदारी के इरादे से आगे आए मित्र-रिश्तेदारों का मुकाबला करती है। पति के न होने पर उसे अकेला समझ कारोबार में नुकसान पहुंचाने वालों को बाहर का रास्ता दिखाती है। फिर वह पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों को बनाने में जुट गई। देश की जरूरतों के मुताबिक उद्योग खड़ा करके उसे मुनाफे में बदलती गई। जबकि, लोग चीन से कच्चा माल लाकर मोटा मुनाफा कमा रहे थे। संकट से निकलकर वह एक मोटिवेशनल स्पीकर के रूप में स्थापित होती है। वह हजारों लोगों के जीवन में बदलाव के लिये सोशल मीडिया के जरिये सक्रिय होती है। ऐसी जीवटता की धनी महिला उद्यमी का नाम रितु सिंगल। अपने इस संघर्ष के जीवन को उन्होंने शब्दशः उकेरा है हाल में प्रकाशित पुस्तक 'आई डिसाइडेड नॉट टू क्राई' में।

जीवन यात्रा के मध्य में पति को खोने के बाद तमाम स्त्रियां टूटकर बिखर जाती हैं। यदि कोई स्त्री दुख को ताकत बना अपना धैर्य नहीं खोती तो कई संकटों से उबर जाती है। ऐसे में हिम्मत व संघर्ष से वह ने केवल अपनी विरासत को बचा पाती है,बल्कि सफलता की नई इबारत भी लिख देती है। सकारात्मकता के साथ निराश लोगों को जीवन की राह दिखाने वाली रितु सिंगल ने केवल खुद को एक सफल उद्यमी के रूप में प्रतिष्ठित किया, बल्कि दूसरे लोगों को भी ऐसे संकटों से उबारने में मदद की। वे रचनात्मक लेखन में भी सक्रिय हैं और दूसरी साहित्यिक कृति- 'आई डिसाइडेड नॉट टू क्राई' पाठकों तक पहुंचा दी।

सीआईआई उत्तरी क्षेत्र के मुख्यालय चंडीगढ़ में आयोजित एक गरिमामय समारोह में गृहणी से उद्यमी बनी रितु सिंगल की दूसरी किताब का विमोचन हाल ही में हुआ। पुस्तक विमोचन समारोह में वक्ताओं ने रितु सिंघल के संघर्षमय जीवन को हर आम व्यक्ति के लिए प्रेरक बताया। साथ ही विषय के महत्व व प्रेरणा तत्व के चलते इस पुस्तक को अन्य भाषाओं में अनुवादित करने का आग्रह किया। रचना के मन को भिगोने वाले प्रसंगों का जिक्र करते हुए विषय वस्तु पर प्रकाश डाला गया। सही मायने में, 'आई डिसाइडेड नॉट टू क्राई' महज एक आत्मकथा ही नहीं, बल्कि रितु सिंघल की एक असाधारण संघर्ष की कहानी है। एक ऐसी महिला की कहानी, जिसने कुशल नेतृत्व कर अपने जीवन के भावनात्मक उतार-चढ़ाव का बहादुरी से मुकाबला किया।

इकोनॉमिक टाइम्स के 'वूमेन एंटरप्रेन्योर ऑफ द ईयर 2011' से सम्मानित रितु सिंगल इससे पहले एक और किताब 'ए स्टोरी कैन चेंज योर लाइफ' लिख चुकी हैं। पुस्तक हमारे दैनिक जीवन के विभिन्न पहलुओं को छूने वाली तीस प्रेरणादायक कहानियों का संग्रह है। गृहिणी से उद्यमी बनीं रितु ने किताब में अपने पति के असमय अवसान की व्यथा का जिक्र किया है, जिससे वह वित्तीय तूफानों, कानूनी लड़ाइयों और सामाजिक चुनौतियों के माध्यम से परेशान व्यवसायों के लिए मार्गदर्शक शक्ति बनकर उभरीं और प्रतिकूल परिस्थितियों को जीत में बदल दिया। पुस्तक जीवन की अनंत संभावनाओं के द्वार खोलती है।

सही मायनों में पुस्तक महज एक संस्मरण नहीं है, यह मानवीय अनुभव को प्रतिबिंबित करने वाला एक दर्पण भी है। पुस्तक के एक-एक अध्याय आशा की स्याही से लिखे गए हैं। जो आत्मविश्वास से जीवन जीने की अनंत संभावनाओं के द्वार भी खोलते हैं। पुस्तक में ऋतु के जीवन में अचानक आए मोड़ आम जन को सबक दे जाते हैं। आत्मकथा प्यार, अविश्वास, छल और जीवन की जटिलताओं से गुजरते हुए सकारात्मकता और अध्यात्म के सुमेल से सफलता की नई इबारत लिखने को प्रेरित करती है। जो बताती है कि आत्मविश्वास की ताकत असंभव को संभव बनाती है। लेखिका ने बताने का प्रयास किया है कि हमें अपनी आंतरिक शक्ति पर भरोसा करना चाहिए। फिर जीवन के तमाम विकल्पों पर मंथन करना चाहिए। यदि आत्मविश्वास व हौसले के साथ कोई व्यक्ति आगे बढ़ता है तो उसे किसी तरह की मदद के आलंबन की जरूरत नहीं होती।

सही मायनों में ऋतु की कहानी हर संवेदनशील व्यक्ति को झकझोरती है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जीवन में तमाम कष्टों, दुखों और संघर्षों से उबरकर ऋतु सिंघल एक प्रेरक व मार्गदर्शक व्यक्तित्व के रूप में उभरी है। जीवन के झंझावातों से जूझते लोगों को सही राह दिखाने का व्यापक अनुभव उनके पास है। वे सैकड़ों युवाओं व बुजुर्गों को परामर्श देकर उन्हें चिंता, अवसाद, चिंता, आयात, क्रोध, घरेलू हिंसा के तनाव से मुक्त करा चुकी हैं। साथ ही वह आध्यात्मिक शक्ति से जीवन में बदलाव के प्रति आश्वस्त हैं। अपनी ताकत का श्रेय वह अध्यात्म को देती हैं।

संकट

प्रमोद भार्गव

लेखक/पत्रकार

जल रहे हैं देश के जंगल

गर्मियों के शुरू होते ही प्रतिवर्ष उत्तराखंड के जंगलों में आग लगने की घटनाएं सुर्खियां बनने लगती हैं। इस तरह की किसी दुर्घटना से सबक लेकर ऐसे प्रबंध करने की जरूरत है, जिससे भविष्य में आरक्षित वनों में आग लगने की घटनाएं सामने नहीं आए। लेकिन हैरानी होती है कि उत्तराखंड के जंगल हजारों हेक्टेयर में हर साल सुलग कर राख हो जाते है। इस बार यह बेकाबू आग नैनीताल के लड़ियाकांटा जंगल में लगी और बुझाने के सभी प्रयास नाकाम हो गए। तब वायुसेना को उतरना पड़ा। क्योंकि ये लपटें इस क्षेत्र की पहाड़ियों को लपेटें में लेकर वायुसेना के स्टेशन वेड़े की ओर बढ़ रही थी। सेना के हेलिकॉप्टरों ने पानी बरसाया जैसे-तैसे आग को काबू में किया। उत्तराखंड में करीब 500 से ज्यादा मामले तेज गर्मी की शुरुआत के पहले ही सामने आ चुके है। हैरानी इस बात पर भी है कि हर साल लगने वाली इस आग के सिलसिले में वन-विभाग के अधिकारियों पर कभी गाज नहीं गिरती। नतीजतन वे इस समस्या के निदान के लिए न तो सचेत दिखाई देते हैं और न ही समस्या का स्थाई हल खोजते दिखाई देते है।

यूं तो जंगल में आग लगना एक सामान्य घटना है। वन-प्रांतरों में आग लगती ही रहती हैं। लेकिन इस बार करीब दो माह से किसी न किसी जंगल में आग सुलग रही है। यहां के राष्ट्रीय उद्यानों में भी हर साल आग लगती है। उत्तराखंड का भौगोलिक क्षेत्रफल 53,483 वर्ग किलोमीटर है। इसमें 64.79 प्रतिशत, यानी 34,651.014 वर्ग किमी वन क्षेत्र हैं। इनमें से 24414408 वर्ग किमी क्षेत्र वन विभाग के अधीन हैं। इसमें से करीब 24260.783 वर्ग किमी क्षेत्र आरक्षित वनों की श्रेणी में हैं। शेष 39.653 वर्ग किमी जंगल वन पंचायतों के नियंत्रण में हैं। आरक्षित वनों में से 394383.84 हेक्टेयर भूमि में चीड़ के जंगल हैं और 383088.12 हेक्टेयर बांस एवं शाल के वन हैं। वहीं 614361 हेक्टेयर में मिश्रित वन हैं। लगभग 22.17 फीसदी वन क्षेत्र खाली पड़ा है। चीड़ के जंगल और लैंटाना की झाड़ियां इस आग को फैलाने में सबसे ज्यादा जिम्मेवार हैं। दरअसल चीड़ के पत्तों में एक विशेष किस्म का ज्वनलशील पदार्थ होता है। इसकी पत्तियां पतझड़ के मौसम में आग में घी का काम करती हैं। गर्मियों में पत्तियां जब सूख जाती हैं तो इनकी ज्वलनशीलता और बढ़ जाती है। इसी तरह लैंटाना जैसी विषाक्त झाड़ियां आग को भड़काने का काम करती हैं। करीब 40 लाख हेक्टेयर वन क्षेत्र में ये झाड़ियां फैली हुई हैं। इस बार इन पत्तियों का भयावह दावाग्नि में बदलने के कारणों में वर्षा की कमी, जाड़ों का कम पड़ना, गर्मियों का जल्दी आना और तिस पर भी शुरूआत में ही तापमान का बढ़ जाना। इन वजहों से यहां पतझड़ की मात्रा बढ़ी,उसी अनुपात में मिट्टी की नमी घटती चली गई। ये ऐसे प्राकृतिक संकेत थे, जिन्हें वनाधिकारियों को समझने की जरूरत थी। बावजूद विडंबना यह रही कि जब वनखंडों में आग लगने की शुरुआत हुई तो नीचे के वन अमले से लेकर आला अधिकारियों तक ने इसे गंभीरता से नहीं लिया।

वैसे चीड़ और लैंटाना भारतीय मूल के पेड़ नहीं हैं। भारत आए अंग्रेजों ने जब पहाड़ों पर आशियाने बनाए,तब उन्हें बर्फ से आच्छादित पहाड़ियां अच्छी नहीं लगीं। इसलिए वे ब्रिटेन के बर्फीले क्षेत्र में उगने वाले पेड़ चीड़ की प्रजाति के पौधों को भारत ले आए और बर्फीली पहाड़ियों के बीच खाली पड़ी भूमि में रोप दिए। इन पेड़ों को जंगली जीव व

मवेशी नहीं खाते हैं, इसलिए अनुकूल प्राकृतिक वातावरण पाकर ये तेजी से फलने-फूलने लगे। इसी तरह लैंटाना भारत के दलदली और बंजर भूमि में पौधारोपण के लिए लाया गया था। यह विषैला पेड़ भारत के किसी काम तो नहीं आया, लेकिन देश की लाखों हेक्टेयर भूमि में फैलकर, लाखों हेक्टेयर उपजाऊ भूमि जरूर लील ली। ये दोनों प्रजातियां ऐसी हैं, जो अपनी छाया में किसी अन्य पेड़-पौधे को पनपने नहीं देती हैं। चीड़ की एक खासीयत यह भी है कि जब इसमें आग लगती है तो इसकी पत्तियां ही नष्ट होती हैं। तना और डालियों को ज्यादा नुकसान नहीं होता है। पानी बरसने पर ये फिर से हरिया जाते हैं। कमोवेश यही स्थिति लैंटाना की रहती है। चीड़ और लैंटाना को उत्तराखंड से निमूर्ल करने की दृष्टि से कई मर्तबा सामाजिक संगठन आंदोलन कर चुके हैं, लेकिन सार्थक नतीजे नहीं निकले। अलबत्ता इनके पत्तों से लगी आग से बचने के लिए चमोली जिले के उपरेवल गांव के लोगों ने जरूर चीड़ के पेड़ की जगह हिमालयी मूल के पेड़ लगाना शुरू कर दिए। जब ये पेड़ बड़े हो गए तो इस गांव में 20 साल से आग नहीं लगी। इसके बाद करीब एक सैंकड़ा से भी अधिक ग्रामवासियों ने इसी देशज तरीके को अपना लिया। इन पेड़ों में पीपल, देवदार, अखरोट और काफल के वृक्ष लगाए गए हैं। यदि वन-अमला ग्रामीणें के साथ मिलकर ऐसे उपाय करता तो आज उत्तराखंड के जंगलों की यह दुर्दशा देखने में नहीं आती।

जंगल में आग लगने के कई कारण होते हैं। जब पहाड़ियां तपिश के चलते शुष्क हो जाती हैं और चट्टानें भी खिसकने लगती हैं, तो अकसर घर्षण से आग लग जाती है। तेज हवाएं चलने पर जब बांस परस्पर टकराते हैं तो इस टकराव से पैदा होने वाले घर्षण से भी आग लग जाती है। बिजली गिरना भी आग लगने के कारणों में शामिल है। ये कारण प्राकृतिक हैं, इन पर विराम लगाना नामुमकिन है। किंतु मानव-जनित जिन कारणों से आग लगती है, वे खतरनाक हैं। इसमें वन-संपदा के दोहन से अटाटूट मुनाफा कमाने की होड़ शामिल है।

भू-माफिया, लकड़ी माफिया और भ्रष्ट अधिकारियों के गठजोड़ की तिकड़ी इस करोबार को फलने-फूलने में सहायक बनी हुई है। राज्य सरकारों ने आजकल विकास का पैमाना भी आर्थिक उपलब्धि को माना हुआ है, इसलिए सरकारें पर्यावरणीय क्षति को नजरअंदाज करती हैं। आग लगने की मानवजन्य अन्य वजहों में बीड़ी-सिगरेट भी हैं, तो कभी शरारती तत्व भी आग लगा देते हैं। कभी ग्रामीण पालतू पशुओं के चारे के लिए सूखी व कड़ी पड़ चुकी घास में आग लगाते हैं। ऐसा करने से धरती में जहां-जहां नमी होती है, वहां-वहां घास की नूतन कोंपलें फूटने लगती हैं। जो मवेशियों के लिए पौष्टिक आहार का काम करती हैं। पर्यटन वाहनों के साइलेंसरों से निकली चिंगारी भी आग की वजह बनती है।

आग से बचने के कारगर उपायों में पतझड़ के दिनों टूटकर गिर जाने वाले जो पत्ते और टहनियां आग के कारक बनते हैं,उन्हें जैविक खाद में बदलने के उपाय किए जाएं। केंद्रीय हिमालय में 2.1 से लेकर 3.8 टन प्रति हेक्टेयर पतझड़ होता है। इसमें 82 प्रतिशत सूखी पत्तियां और बांकी टहनियां होती हैं। जंगलों पर वन विभाग का अधिकार प्राप्त होने से पहले तक ज्ञान परंपरा के अनुसार ग्रामीण इस पतझड़ से जैविक खाद बना लिया करते थे। यह पतझड़ मवेशियों के बिछौने के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता था। मवेशियों के मल-मूत्र से यह पतझड़ उत्तम किस्म की खाद में बदल जाता था। किंतु अव्यावहारिक वन कानूनों के वजूद में आने से वनोपज पर स्थानीय लोगों का अधिकार खत्म हो गया। स्थानीय ग्रामीण और मवेशियों का जंगल में प्रवेश वर्जित हो जाने से पतझड़ यथास्थिति में पड़ा रहकर आग का प्रमुख कारण बन रहा है। इस सब के बावजूद जंगल में लगी आग को बुझाने के तरीके परंपरागत हैं। वन अमला हरी टहनियों की झाड़ू बनाता है और उसकी फटकार से आग बुझाने का काम करता है। इस तरीके से दावानल में बदली वनाग्नि को नहीं बुझाया जा सकता है। वनों में आग लगने का एक बड़ा कारण आरक्षित वनों, अभ्यारण्यों और उद्यानों से ग्राम और ग्रामवासियों का विस्थापन किया जाना भी है। ये लोग जब तक जंगल के वासी रहे तब आग अपवाद स्वरूप ही लगती थी, क्योंकि ये लोग आग लगते ही उसे बुझा दिया करते थे। साफ है, विदेशों का अनुकरण हमारे वनों को बहुत नुकसान पहुंचा रहा है।

कांग्रेस ने सदर क्षेत्र में किया धुंआधार प्रचार, रामू टेकाम ने मांगा आशीर्वाद

बैतूल। लोकसभा चुनाव प्रचार के आखिरी दिन कांग्रेस ने भी अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। कांग्रेस प्रत्याशी रामू टेकाम और कांग्रेस जिलाध्यक्ष हेमंत वागद्रे ने जनसम्पर्क कर धुंआधार प्रचार-प्रसार किया है। कांग्रेसियों ने रविवार सुबह 11 बजे सदर क्षेत्र में जनसंपर्क कर कांग्रेस प्रत्याशी के लिए वोट मांगे। जनसंपर्क के दौरान कांग्रेस ने भाजपा की नाकामियों को भी जनता के सामने रखा है। उन्होने व्यवसायियों, दुकानदारों से समर्थन मांग कर देश के विकास के लिए अधिक से अधिक मतदान करने का अनुरोध किया। जन सम्पर्क के दौरान कांग्रेस प्रत्याशी रामू टेकाम एवं जिलाध्यक्ष हेमंत वागद्रे सहित अन्य नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने सदर मार्केट में प्रत्येक छोटी- बड़ी दुकानों, शोरूम, चाय-पान की दुकानों सहित हर प्रतिष्ठान में पहुचकर व्यवसायियों, कारोबारियों, दुकानदारों के साथ ही ग्राहकों के साथ भी आत्मीयता से मिलकर देश के विकास के लिए कांग्रेस के पक्ष में अधिक से अधिक मतदान करनें की अपील की। इस दौरान कांग्रेस प्रत्याशी रामू टेकाम एवं जिलाध्यक्ष हेमंत वागद्रे का व्यवसायियों ने आत्मीयता से स्वागत किया। चुनाव प्रचार में ब्रज पांदे, समीर खान, राजकुमार दीवान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी मौजूद थे।

संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर सूक्ष्म आब्जर्वर नियुक्त

● थर्ड रेण्डमाईजेशन आब्जर्वर श्री ठाकुर की उपस्थिति में संपन्न

बैतूल। लोकसभा निर्वाचन कार्य से संबद्ध बैतूल संसदीय क्षेत्र की 8 विधानसभा क्षेत्र के मतदान केन्द्रों के लिए मतदान कर्मियों का तीसरा रेण्डमाईजेशन आब्जर्वर श्री प्रदीप ठाकुर की उपस्थिति में किया गया। संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर सूक्ष्म आब्जर्वर की नियुक्ति की गई। इसके अलावा 1200 से अधिक मतदाता वाले मतदान केन्द्र अतिरिक्त मतदान अधिकारियों को आवंटित किए गए। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने आब्जर्वर श्री प्रदीप ठाकुर की सहमति पर रेण्डमाईजेशन की प्रक्रिया को लॉक कराया। इस अवसर पर स्वीप के नोडल एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अक्षत जैन, सहायक कलेक्टर श्री एश्वर्य वर्मा, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मकसूद अहमद एवं मुख्य प्रशिक्षक श्री विजयंत ठाकुर उपस्थित थे।

एनआईसी हेड श्रीमती रचना श्रीवास्तव ने रेण्डमाईजेशन प्रक्रिया पर बिंदुवार ऑनलाईन प्रस्तुतिकरण किया। उल्लेखनीय है कि संसदीय क्षेत्र बैतूल के अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र मुलताई, आमला, बैतूल, घोड़ाडोंगरी, हरदा और हरसूद सहित 8 विधानसभा क्षेत्र में 18 लाख 86 हजार 155 मतदाताओं के लिए 7 मई को मतदान किया जाना है। इनमें बैतूल जिले में 33309 युवा मतदाता, 85+ के 6340 और 12 हजार 829 दिव्यांग या पीडब्ल्यूडी मतदाता शामिल होंगे। इसी प्रकार टिमरनी, हरदा और हरसूद की 51 हजार 816 युवा मतदाता, 85+ के 9 हजार 729 मतदाता एवं दिव्यांग श्रेणी के 19 हजार 41 मतदाता शामिल होंगे।

सीएम राइज विद्यालयों में समर कैंप की गतिविधियां

● रुचि अनुसार छात्र- छात्राओं द्वारा की जा रही सहभागिता

नरसिंहपुर। लोक शिक्षण संचालनालय मध्यप्रदेश के निर्देशन में जिले के सीएम राइज विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों को अकादमिक गतिविधियों के अतिरिक्त प्रतिभा को पहचान कर उनकी रूचि को निखारने के लिए विद्यालयों में समर कैम्प का आयोजन शाला स्तर पर 15 मई तक प्रात- 8 बजे से 11 बजे तक किया जा रहा है। समर कैम्प में गत वर्ष के अनुभव के आधार पर कुछ नये विचारों के साथ एक्सपीरियंशल कैम्प एवं एक्सप्लोरर कैम्प के अंतर्गत गतिविधयों का संचालन किया जा रहा है।जिला शिक्षा अधिकारी श्री एचपी कुर्मी द्वारा विद्यालय स्तर पर आयोजित समर कैंप की सतत समीक्षा की जा रही है।सीएमराइज विद्यालय सांईखेड़ा के प्राचार्य श्री चंद्रकांत विश्वकर्मा ने बताया कि समर कैंप में व्हालीबॉल, बैडमिंटन, नृत्य, कत्थक, क्लासिकल संगीत, पुस्तक रिव्यू जैसी गतिविधि संचालित की जा रही हैं। समर कैंप में प्रतिदिन 80 से 95 प्रतिभागी गतिविधियों में सहभागिता कर रहे हैं। समर कैम्प में छात्र- छात्राओं द्वारा म्यूजिक, डांस, मधुबनी एवं शिल्पकला, थियेटर, केलीग्राफी- सुलेख की गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।इसी तरह सीएम राइज विद्यालय डोभी में भी समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। शिक्षकों और रिसोर्स पर्सन द्वारा विद्यार्थियों की चयनित थीम के आधार पर विभिन्न कौशलों में दक्ष बनाया जा रहा है। कक्षा 9 वीं से 12 के विद्यार्थियों को लोककला के अंतर्गत मधुबनी व चित्रकला में मार्गदर्शन दिया जा रहा है। कक्षा 6 वीं से 8 वीं तक के विद्यार्थियों को क्रियेटिव राइटिंग स्किल सिखाया जा रहा है। कक्षा पहली से पांचवीं तक के विद्यार्थियों को इंडोर गेम का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।माय कम्यूनिटी प्रोजेक्ट के अंतर्गत बांध व बिजली टावर का मॉडल, जंगल व जानवरों के माडल, मधुवनी चित्रकला के अंतर्गत दुल्हन की डोली ले जाते कहारों का चित्रण, वन में तपस्यारत बुद्ध का चित्रण की गतिविधियों के साथ लूडो, कैरम, योग और एरोबिक खेल में विद्यार्थियों द्वारा सहभागिता की जा रही है। समर कैंप के प्रथम सत्र में योगाभ्यास किया जा रहा है और सभी सत्रों में रूचि लेकर अपने व्यक्तित्व के नये आयामों को जानने व समझने और सीखने का अवसर मिल रहा है।

आध्यात्मिक कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन परशुराम जयंती पर 10 मई को

नरसिंहपुर। त्रिमूर्ति क्लब की बैठक का आयोजन क्लब की अध्यक्ष श्रीमती ज्योति तिवारी की अध्यक्षता में अनगण मंदिर के समीप नवीन पांडे जी के पतंजलि प्रतिष्ठान में किया गया जिसमें परशुराम जयंती पर दिनांक 10 मई को शाम 7 बजे से रात्रि 9-30 बजे तक सम्मान समारोह एवं भव्य आध्यात्मिक कवि सम्मेलन , गायत्री मंदिर प्रांगण नरसिंहपुर में आयोजित करने का निर्णय लिया गया । कवि सम्मेलन त्रिमूर्ति क्लब के संस्थापक हास्य कवि डॉक्टर शंकर सहर्ष के संयोजन में आयोजित किया जाएगा जिसमें श्रेष्ठ कवि आमंत्रित किए जाएंगे ।बैठक में उपाध्यक्ष विनोद तिवारी बंधु , सचिव सदन ऊमरे , रमेश मेहरा, कोषाध्यक्ष श्रीकांत खत्री, प्रभारी डॉक्टर गणेश सोनी, नवीन पांडे,कुंज बिहारी यादव, लक्ष्मण वैष्णव, प्रशांत शर्मा की उपस्थिति सराहनीय रही । अंत में क्लब की अध्यक्ष ने नगर की समस्त जनता से कवि सम्मेलन में उपस्थिति होकर सफल बनाने हेतु आग्रह किया है ।

खबर का असर.....

अब नदी का पानी पीने को मजबूर नहीं होंगे तुमड़ाढाना के आदिवासी

● तुमड़ाढाना में बोर करते ही फूटी जलधारा, अब नदी के पानी पर नहीं रहना होगा निर्भर ● पहाड़ी की चढ़ाई और ढलान से अब मिलेगी मुक्ति, ● ताप्ती नदी का पानी, पीने को विवश थे ग्रामीण

संजय द्विवेदी, बैतूल। जिले के आदिवासी बाहुल्य विकासखंड भीमपुर की ग्राम पंचायत चूनालोमा के ग्राम तुमड़ाढाना में पेयजल संकट इतना भीषण था कि वहां के सभी हैंडपंप, कुआं आदि जलसोत्रों पूरी तरह सूख गए थे। ग्रामीण गांव से दो किलोमीटर दूर पहाड़ से उतरकर किसी तरह ताप्ती नदी से पीने का पानी ला रहे थे।

इस समस्या को प्रदेश के प्रमुख अखबार दैनिक सुबह सवेरे एवं अन्य मीडिया माध्यमों ने पिछले दिनों प्रमुखता से प्रकाशित किया था। जिसके माध्यम से यहां के भीषण जल संकट की समस्या संज्ञान में आते ही पीएचई विभाग ने आनन-फानन में तुमड़ाढाना में रविवार की सुबह बोरवेल की मशीन भेजकर पीने के पानी के लिए बोर खनन करना शुरू कर दिया था। हमारे संवाददाता को तुमड़ाढाना गांव के जयराम ताडिलकर ने बताया कि बोरवेल में गहराई पर पर्याप्त पानी निकल गया है, उम्मीद है कि इस पानी से गांव के पेयजल की समस्या काफी हद तक हल हो जावेगी। जिससे अब ग्रामीणों में एक आशा की किरण जागी है। सभी गांव वासियों एवं आसपास के आदिवासियों ने मीडिया को दिल से आभार जताते हुए साधुवाद प्रेषित किया है।

इनका कहना – यह तुमड़ाढाना ग्रामवासियों के लिए बड़ी खुशखबरी है कि गांव में बोरवेल में 350 फीट पर 3.50 इंची पानी पर्याप्त मात्रा में मिल गया है, वहां कल सोमवार को ही बोरवेल में मोटर डलवाकर ग्रामवासियों को पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध करवा दिया जाएगा। इसके अलावा जिले के अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में भी जहां-जहां पेयजल संकट है, वहां जल्द से जल्द पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध करवाने का सतत् प्रयास पीएचई विभाग द्वारा किया जा रहा है।

आर. एल. सेकवार, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग बैतूल

भाजपा प्रत्याशी - बैतूल विधायक ने कोठीबाजार व गंज मार्केट में किया जनसम्पर्क

बैतूल। एक बार फिर मोदी सरकार बनानें के लिए चुनाव प्रचार के अंतिम दौर में जिले में भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दी है। बैतूल-हरदा-हरसूद संसदीय क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी सांसद डीडी उइके एवं बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल ने शुक्रवार और शनिवार को जिले के प्रमुख व्यवसायिक केन्द्रों कोठीबाजार एवं गंज मार्केट में सघन जनसंपर्क किया। जनसंपर्क के दौरान नगरीय निकाय के प्रतिनिधि, भाजपा संगठन के पदाधिकारी, भाजपा नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे। बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने शनिवार दोपहर खेड़ीवालीगढ़ मार्केट में भी जनसम्पर्क किया।

जनसम्पर्क कर व्यवसायियों से मांगा समर्थन- भाजपा प्रत्याशी डी.डी.उइके एवं बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल नें भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ शुक्रवार रात को कोठीबाजार एवं शनिवार शाम को गंज मार्केट में जनसम्पर्क कर व्यवसायियों, दुकानदारों से समर्थन मांग कर एक बार फिर मोदी सरकार बनानें के लिए अधिक से अधिक मतदान करने का अनुरोध किया। जन सम्पर्क के दौरान भाजपा प्रत्याशी एवं बैतूल विधायक ने कोठीबाजार एवं गंज मार्केट में प्रत्येक छोटी-बड़ी दुकानों, शोरूम, चाय-पान की दुकानों सहित हर प्रतिष्ठान में पहुचकर व्यवसायियों, कारोबारियों, दुकानदारों के साथ ही ग्राहकों के साथ भी आत्मीयता से मिलकर देश के विकास के लिए नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने, भाजपा के पक्ष में अधिक से अधिक मतदान करनें की अपील की। इस दौरान भाजपा प्रत्याशी डीडी उइके एवं बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल का व्यवसायियों ने आत्मीयता से स्वागत किया। ढोल ढमाकों, आतिशबाजी के साथ सैकड़ो भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा जनसम्पर्क में शामिल होनें से माहौल भाजपामय हो गया था। इस दौरान पूर्व सांसद सुभाष आहूजा, पूर्व सांसद ज्योति धुर्वे, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा, रमेश मिश्रा, बैतूल नपाध्यक्ष श्रीमति पार्वतीबाई बारस्कर, नपा उपाध्यक्ष महेश राठौर, पूर्व नपा अध्यक्ष आनंद प्रजापति, विनय भावसार, सुनील गुडडू शर्मा सहित भाजपा नेता, कार्यकता मौजूद थे।

यदि राम और भरत न होते तो आज भाई-भाई का रिश्ता समाप्त हो गया होता : पं निर्मल कुमार शुक्ल

बैतूल। श्रीराम कथा हमारे जीवन चरित्र को सुधारने की प्रयोगशाला है, राम चरित्र के आलोक में मानव दैवी गुणों का संकलन कर सकता है। समाज के सर्वांगीण विकास का दर्पण है, राम चरित मानस। उक्त उद्गार टैगोर वार्ड में जिला पंचायत सदस्य एवं उद्योगपति राजा ठाकुर के निवास पर किलेदार एवं परिहार परिवार द्वारा आयोजित श्रीराम कथा महोत्सव के सप्तम दिवस प्रयागराज से पधारे हुए रामायण, भागवत, गीता एवं सनातन ग्रंथ के विलक्षण व्याख्याकार मानस महारथी पं. निर्मल कुमार शुक्ल ने विशाल श्रोता समूह के समक्ष प्रकट किया। आज भरत चरित्र की धार्मिक व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान में जो भ्रातृप्रेम दिख रहा है, वह राम और भरत जैसे भाइयों के कारण ही है। अगर राम और भरत ने बंधु प्रेम की आधारशिला न रखा होता, तो आज एक माता के गर्भ से दो भाई नहीं, अपितु दो हिस्सेदार प्रकट होते और माता के एक-एक स्तनों का भी बंटवारा कर लेते। विद्वान वक्ता ने कहा कि अयोध्या का राज्य देवदुर्लभ था, इन्द्र इस विशाल साम्राज्य को देख कर ईर्ष्या करते थे और कुबेर यह वैभव देखकर लज्जित हो जाते थे, किन्तु इन दोनों भाइयों ने इस वैभवशाली राज्य को एक फुटबॉल बना दिया। एक तरफ भगवान राम ने उस पर ठोकर मारा तो दूसरी

तरफ भरत ने भी ठुकरा दिया, परिणाम स्वरूप यह राज्य चौदह वर्ष तक इधर-उधर लुढ़कता रहा। राम वनवास के बाद पिता की मृत्यु के पश्चात जब भरत अयोध्या आए तो पिता के समस्त मृत्यु संस्कारों से निवृत्त होकर एक रात व्याकुल मन से अकेले ही कवध की गलियों में भटक रहे थे। अयोध्या के सिंहद्वार पर एक देवी रो रही थी, भरत ने आश्चर्य से निकट जाकर पूछा कि देवी आप कौन हैं, क्या आपके भी राम वन चले गए हैं। रोती हुई देवी ने कहा कि मैं अयोध्या की राज्यलक्ष्मी हूं, बहुत दिनों से अभिलाषा थी कि कभी श्री राम राजा बनेंगे, तो मैं उनके गले में माला डालकर धन्य हो जाऊंगी। किंतु अब राम की जगह तुम हो, आवो मुझ राज्यलक्ष्मी का वरण करो, मैं माल्यार्पण करूं, तुम अयोध्या के राजा बन जाओ। भरत ने कहा कि देवी आप नेत्र बंद करो, मैं अभी राम को बुला देता हूं, फिर उनके गले में माला डाल दो। राज्यलक्ष्मी ने प्रसन्न होकर

नेत्र बंद किया तो एकाएक भरत भाग चले, लक्ष्मी ने नेत्र खोले, उधर भरत बोले, देवी ऐसे ही हाथ में माला लेकर सिंहद्वार पर 14 वर्ष खड़ी रहो, जब भगवान श्रीराम आ जाएं, तो माल्यार्पण करके धन्य हो जावो। माताओं, गुरु वशिष्ठ, मंत्री वर्ग सबने उनसे राज्य लेने का आग्रह किया, किन्तु भरत ने सविनय ठुकराकर चित्रकूट की ओर प्रस्थान किया। भगवान राम को अयोध्या लौटाने का बहुत प्रयास किया, किंतु धर्मावतार राम ने स्वीकार नहीं किया, अंततः श्रीराम की पादुका लेकर भरत अयोध्या आ गये। सिंहासन पर उन पादुकाओं का राज्याभिषेक हुआ तथा पादुकाओं की क्षत्रछाया में अभूतपूर्व संयम का पालन करते हुए अवधवासियों ने 14 वर्ष का काल व्यतीत किया। इस कथा महोत्सव में नगर तथा क्षेत्र के प्रबुद्ध लोगों का विशाल समुदाय एकत्र हो रहा है। कथा में मुख्य रूप से ओम अग्रवाल, जनार्दन सिंह विदिशा, राजेन्द्र सिंह दिल्ली, शशांक सिंह पुण, बलवंत धोटे, सुनील दिवेदी, प्रेमशंकर मालवी, सुभाष आहूजा, रंजीत शिवहरे, रमेश मिश्रा, जितेन्द्र वर्मा, राजकुमार वर्मा, मनीष सिंह, अमित सिंह, दिवान सिंह, ऋषीराम सरले, संजय द्विवेदी सहित अन्य प्रबुद्ध श्रोतागण उपस्थित थे। लोग 4 घंटे मंत्रमुग्ध भाव से कथा गंगा में गोता लगा रहें हैं। आयोजक राजा ठाकुर एवं अरुण सिंह किलेदार ने महराज श्री का पुष्पहार द्वारा स्वागत किया। प्रदीप सिंह किलेदार, राजेन्द्र सिंह किलेदार, राघवेन्द्र सिंह, आशू सिंह किलेदार व पिंटू परिहार, ऋषीराज सिंह परिहार सहित परिजनो ने समस्त धर्मप्रेमी लोगो से अधिकाधिक संख्या में पधारने का आग्रह किया है। यह कथा गंगा 7 मई को दोपहर 3.30 से 7.30 बजे तक प्रवाहित होगी।

जगधार के जंगल में अज्ञात महिला का जला हुआ शव मिला

बैतूल। महिला का जला हुआ शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है पुलिस ने शव को बरामद कर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना बैतूलबाजार थाना क्षेत्र के ग्राम सोनार खापा के पास जगधर के जंगल की है, जहां सागौन के पत्तों से ढका शव लोगों ने देखा, तो पुलिस को सूचना दी। बैतूलबाजार पुलिस और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची और शव को बरामद कर जांच शुरू की है। बैतूलबाजार थाना टीआई बबीता धुर्वे ने बताया कि अज्ञात महिला का शव सागौन के जंगल में मिला है, शव करीब चार पांच दिन पुराना है। महिला को जलाया गया है, महिला की शिनाख्त नहीं हुई है, शव को जिला अस्पताल में रखवाया गया है।

हर बूथ पर भाजपा को लीड दिलाने के लिए जुट जाएं कार्यकर्ता : हेमंत खंडेलवाल

● मूलभूत सुविधाओं के साथ किसान, युवाओं, महिलाओं की तरक्की के काम करेंगे ● आठ ग्रामों में ली बैठक, किया जनसम्पर्क

बैतूल/आठनेर। बैतूल विधायक एवं प्रदेश लोकसभा चुनाव संयोजक हेमंत खंडेलवाल ने रविवार को आठ ग्रामों में तूफानी दौरा कर चुनाव प्रबंधन को लेकर कार्यकर्ताओं की बैठक लेने के साथ ही जनसम्पर्क कर एक बार फिर से भाजपा प्रत्याशी डी.डी. उइके को भारी मतों से जितानें की अपील की। बैतूल विधायक श्री खण्डेलवाल नें रविवार को सातनेर, पांडोल, आठनेर, एनखेड़ा, धनोरा, जवारा, सांवगी एवं गुनखेड ग्रामों का दौरा कर लोकसभा चुनाव और मतदान प्रबंधन को लेकर संगठन पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की बैठक ली। उन्होनें कार्यकर्ताओं से कहा कि हर बूथ पर भाजपा को लीड दिलवानें के लिए जुट जायें। नगर, गांव, मजरे,

टोलों में मतदाताओं की बैठक लेकर उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार की उपलब्धियों से अवगत कराकर भाजपा के पक्ष में अधिक से अधिक मतदान करने के लिए प्रेरित करें। बैतूल विधायक ने आठनेर नगर और सातनेर ग्रामों में सघन जनसम्पर्क कर मतदाताओं से भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की।

बैठकों एवं जनसम्पर्क के दौरान भाजपा विधानसभा संयोजक मधु पाटनकर, भाजपा जिला कार्यालय मंत्री कृष्णा गायकी, आठनेर मंडल अध्यक्ष गोवर्धन राने, अजय वर्मा, सूरज राठौर, शिवदयाल आजाद, मनोज जगताप, अलकेश राठौर सहित भाजपा नेता कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद थे।

296 मतदान टीमें पोलिंग बूथ पर रवानगी के लिए तैयार

● अधिकारियों की समझाइश के बाद मतदान करेंगे गोपलतलाई वासी ● क्षेत्र में तैनात रहेंगे विभिन्न पुलिस बल के 350 कर्मी

बैतूल/मुलताई। बैतूल- हरदा लोकसभा क्षेत्र की मुलताई विधानसभा सभा के 296 पोलिंग बूथों के लिए रवाना होने वाली पोलिंग टीमों की सारी तैयारियां पूर्ण हो चुकी है सामग्री वितरण केंद्र पर सभी पोलिंग टीमें रवानगी के लिए तैयार है। ग्राम गोपलतलाई के ग्रामीणों ने नहर का पानी ग्राम को नहीं मिलने के विरोध में मतदान बहिष्कार की घोषणा कर रखी थी सूचना के बाद ग्राम पहुंची तहसीलदार अनामिका सिंह पंचनामा बनाकर ग्रामीणो को समझाइस दी और हर तरह के प्रशासनिक सहयोग का आश्वासन दिया जिसके बाद ग्रामीणों ने मतदान करने का आश्वासन दिया है। इधर सभी पोलिंग बूथो पर सुरक्षा व्यवस्था बनाने के लिए विभिन्न बल के 350 से अधिक पुलिस कर्मचारी अधिकारी तैनाती की तैयारियां भी पूरी हो गई है।हाई स्कूल ग्राउंड पर बनाए गए सामग्री वितरण स्थल पर सहायक निर्वाचन अधिकारी एवं एसडीएम तृप्ति

पटैरया एवं तहसीलदार अनामिका सिंह के मार्गदर्शन 296 पोलिंग भूतों के लिए 296 टेबल लगाए गए हैं। इसके अलावा रिजर्व 34 पोलिंग टीम अतिरिक्त होगी जो आवश्यकता पड़ने पर तत्काल रवाना की सकेगी। नोडल अधिकारी भगवानदास कुमरे ने जानकारी देते हुए बताया कि मुलताई विधानसभा क्षेत्र में कुल 330 पोलिंग पार्टियों को प्रशिक्षण दिया गया था जिसमें से 296 पोलिंग पार्टिया प्रातः हाई स्कूल ग्राउंड से रवाना होगी अन्य आपातकालिन सेवाओं के लिए उपलब्ध होगी। विधानसभा मे कुल 28 सेक्टर पर स्वास्थ्य कर्मचारी भी तैनात किए गए हैं। सामग्री वितरण केंद्र में 100 कैंपर शुद्ध पेयजल उपलब्ध रहेगा। कौनसे मतदान केंद्र का दल कहां रवाना किया जाएगा यह तय करने के लिए हाई स्कूल ग्राउंड पर 3 कोडिंग सेंटर भी बनाया गया है। दूर से आने वाले निर्वाचन कार्य में लगे अधिकारी कर्मचारियों के लिए उत्कृष्ट विद्यालय में व्यवस्था की गई है। परिवहन अधिकारियों के साथ परिवहन व्यवस्था में लगे आरआई रवि पदाम ने बताया कि निर्वाचन टीमों को मतदान केंद्र तक पहुंचाने के लिए 62 बसो की व्यवस्था की गई है इसके अलावा 7 वहांन रिजर्व में रखे गए हैं। मुलताई विधानसभा क्षेत्र 129 में 28 सेक्टर बनाए गए हैं प्रत्येक सेक्टर पर मॉनिटरिंग टीम के लिए फोर व्हीलर की व्यवस्था की गई है इसके अलावा दो फोर व्हीलर रिजर्व में रखे गए हैं। सालबर्डी में एक फोर व्हीलर और एक ट्रैक्टर की व्यवस्था की गई है वही इटावा में एक बोलेरो की व्यवस्था अलग से की गई है।

81 संवेदनशील पोलिंग बूथ पर पुलिस की रहेगी पैनीनजर- मुलताई- लोकसभा चुनाव को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। एसडीओ पुलिस सुरेश पाल सिहं, थाना प्रभारी राजेश सतनकर के मार्गदर्शन में विधानसभा के 296 पोलिंग बूथ पर सीआरपी, सशस्त्र बल होमगार्ड ,विशेष पुलिस अधिकारी एपीओ तैनात रहेंगे। पुलिस अधिकारियों की जानकारी देते हुए बताया कि आगामी चुनाव को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम कड़े कर दिए गए हैं। भारी लोगों को अपने अपने स्थानीय निवास की ओर लौट जाने का कहा गया है होटल लॉज और ढाबों की सतत चेकिंग की जा रही है। सभी सुरक्षा कर्मियों को आवेशित कर दिया गया है कि मतदान केंद्र के 100 मीटर के दायरे के अंदर किसी भी प्रकार के वाहन को प्रवेश नहीं दिया जाए। मतदान केंद्र के भीतर मोबाइल आदि पूरी तरीके से प्रतिबंधित रहेगा ऐसे करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा जन सेवा करती है, कांग्रेस अवसर तलाशती है : वीडी शर्मा

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने मुरैना जिले के ग्राम सुरजनपुर में प्रबुद्धजन सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीते दस वर्षों में हर गरीब का जीवन बदलने का कार्य किया है। देश के गांव-गांव तक विकास को सुनिश्चित किया है। भाजपा जनता की सेवा करती है, वहीं कांग्रेस और उसके नेता अपने लिए ही अवसर तलाशते रहते हैं। मुरैना से कांग्रेस के प्रत्याशी का परिवार भी जनता की सेवा नहीं अपने लिए अवसर तलाशता है। कांग्रेस की पूरे देश में ही हालात खराब हैं। कांग्रेस पार्टी ने पहले खजुराहो लोकसभा में मैदान छोड़ा, इसके बाद इंदौर प्रत्याशी ने अपना नामांकन वापस ले लिया और अब उड़ीसा के पुरी लोकसभा सीट की प्रत्याशी ने भी चुनाव लड़ने से मना कर दिया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि यह चुनाव कई मायनों में अलग प्रकार का चुनाव है। यह चुनाव किसी प्रत्याशी का नहीं, भाजपा में प्रत्याशी को निमित्त मात्र का होता है। यह चुनाव नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाकर देश को 2047 तक वैश्विक महाशक्ति बनाने का चुनाव है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा और पार्टी के वरिष्ठ नेता व न्यू ज्वाइनिंग टोली के प्रदेश संयोजक डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने रविवार दोपहर ग्वालियर लोकसभा क्षेत्र के डबरा में भाजपा प्रत्याशी भारत सिंह कुशवाह के समर्थन में रोड शो किया।

बीजेपी प्रत्याशी आलोक शर्मा ने रोड शो किया

भोपाल। भोपाल लोकसभा सीट पर 7 मई मंगलवार को वोटिंग होगी। इससे 48 घंटे पहले चुनाव का शोर भी थम गया। इस दौरान भाजपा प्रत्याशी आलोक शर्मा रोड शो किया। 6 बजते ही उन्होंने रोड शो खत्म कर दिया था। रोड शो कर्फ्यू वाली माता मंदिर से शुरू हुआ था, जो शाम 6 बजे मंगलवारा थाने पर समाप्त हुआ। अब उम्मीदवार डोर-टू-डोर प्रचार ही कर पाएंगे। चुनावी सभा, रैली नहीं होगी।

चुनाव प्रचार के अंतिम दिन राजनीतिक दलों ने लगाया दम

कई कांग्रेसी और नगर पालिका में कांग्रेस के पार्षद ने भी थामा भाजपा का दामन

भ्रष्टाचार पर विधायक ने नगर पालिका को चेताया

आमला। जिले में मंगलवार को लोकसभा के लिए होने वाले मतदान और चुनाव प्रचार के अंतिम दिन दोनों प्रमुख दलों भाजपा और कांग्रेस ने मतदाताओं को रिझाने के लिए पूरा दम लगा दिया है, विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे ने सैकड़ो भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ नगर के सभी प्रमुख मुख्य इलाकों में धुआंधार चुनाव प्रचार किया है।

लोकसभा के भाजपा प्रत्याशी डीडी उइके के समर्थन में विधायक डॉ. पंडाग्रे इलाके में स्टार प्रचारक की भूमिका निभा रहे हैं उनके द्वारा भाजपा की रीति नीति और योजनाओं की लोगों को जानकारी दी जा रही है, और कांग्रेस पर करारा प्रहार भी किया जा रहा है। वही इस मौके पर भाजपा ने कांग्रेस को डूबता जहाज बताया है भाजपा ने कहा है कि प्रतिदिन पूरे देश में बड़ी संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ता और नेता कांग्रेस को टाटा बाय-बाय कर रहे हैं भाजपा द्वारा चुनाव प्रचार के अंतिम दिन भाजपा जिला महामंत्री कमलेश

सिंह और सुधाकर पवार ने भी नुक्कड़ सभा के माध्यम से लोगों को संबोधित किया, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को और मजबूत बनाकर विकसित भारत बनाने की अपील की है। इधर कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी रामू टेकाम ने भी इलाके के कई गांवो में जनसंपर्क कर कांग्रेस के लिए वोट मांगा है।

कांग्रेस पार्षद पूर्व पार्षद और कई नेता भी भाजपा में शामिल- देश के इतिहास में सम्भवत: पहली बार ऐसा देखा जा रहा है कि किसी राष्ट्रीय दल के मंत्री विधायक सांसद और कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में लगातार किसी दूसरे दल में शामिल हो रहे हैं, इसी क्रम में शनिवार को नगरपालिका में कांग्रेस के पार्षद और लोक निर्माण विभाग के सभापति रोहित हारोंड़े ने भी भाजपा की नीतियों से प्रभावित होकर भाजपा का दामन थाम लिया है, इस मौके पर पूर्व कांग्रेस पार्षद सुखदेव नारे और कुछ कांग्रेस के अन्य लोग भी भाजपा में शामिल हुए हैं इस दौरान भाजपा ने सभी लोगों का फूल माला पहनकर भाजपा में स्वागत किया है इलाके में बीते लगभग दो-तीन महीनों के दौरान लगभग एक सैकड़ा कांग्रेस के कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हो चुके हैं।

भ्रष्टाचार पर विधायक की चेतावनी नगर पालिका में खलबली: इधर इलाके के भाजपा विधायक डॉक्टर योगेश पंडाग्रे ने कांग्रेस शासित नगर पालिका में चल रहे भ्रष्टाचार पर कड़ी चेतावनी देकर चुनाव के बाद जांच की बात कही है, इस मौके पर विधायक डॉक्टर पंडाग्रे ने मंच से बोलते हुए नगर पालिका में चल रही धांधली और भ्रष्टाचार पर चेतावनी दी है इन्होंने कहा है कि हमारे पास नगर पालिका में हो रहे भ्रष्टाचार के कई सबूत सामने आए हैं,आचार संहिता के बाद इसकी जांच की जाएगी विधायक की इस चेतावनी के बाद नगर पालिका में खलबली मच गई है,और अगर इसे विधायक का संकेत माना जाए तो नगर पालिका में आने वाले दिनों में कई जिम्मेदारों की मुश्किलें बढ़ सकती है।

2014 से आज तक देश प्रगति और विकास की राह पर तेजी से सवार है : राज्यसभा सांसद ,कविता पाटीदार

प्रधानमंत्री मोदी के धार दौरे को लेकर प्रेस वार्ता के आयोजन में पूर्व केन्द्रीय मंत्री विक्रम वर्मा ने भी रखे विचार

धार। सन् 2014 में प्रधानमंत्री बनने के पहले नरेन्द्र मोदी कुक्षी आए थे। उस दौरान वे प्रधानमंत्री का चेहरा घोषित हो चुके थे। प्रधानमंत्री बनने के बाद 2019 में वह धार आए और अब दूसरी मर्तबा 7 मई को फिर से धार में आ रहे है। उनका आगमन हम सबके लिए गौरव का विषय है। उनके नेतृत्व में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का संकल्प साकार हो रहा है। भारत तेजी से मजबूत हुआ है और आत्मनिर्भर होकर वैश्विक पटल पर मजबूती से उभरा है। यह बात पूर्व केन्द्रीय मंत्री विक्रम वर्मा ने रविवार को भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में कही।

विश्वास और उम्मीद का चेहरा बने पीएम.... राज्यसभा सांसद एवं प्रदेश भाजपा महामंत्री कविता पाटीदार ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए पीएम के कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पीएम राष्ट्रनायक है और उनका धार में आना हम सबके लिए गौरव की बात है। उनके नेतृत्व में अभूतपूर्ण निर्णय और धर्म, समाज, संस्कृति और विकास के लिए काम किए गए है। पीएम आज देश में विश्वास और उम्मीद का चेहरा

बनकर उभरे है। उनके आगमन और उनको सुनने के लिए धार जिला सहित झाबुआ एवं आसपास के क्षेत्रों से लोग पहुंचेंगे। प्रेस वार्ता को पूर्व केंद्रीय मंत्री विक्रम वर्मा, भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार ने संबोधित किया। इस दौरान भाजपा लोकसभा प्रत्याशी सावित्री ठाकुर, भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी, धार विधायक नीना वर्मा, लोकसभा प्रभारी नंदकिशोर पाटीदार, संयोजक प्रभु राठौर, जिला प्रभारी श्याम बंसल, प्रदेश महामंत्री जयदीप पटेल, भाजपा प्रवक्ता गोविंद मालू, निलेश भारती, जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा,दीपक सिंह रघुवंशी मौजूद रहे। संचालन महामंत्री प्रकाश धाकड़ ने किया।

भाजपा ने सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का नारा दिया- **विक्रम वर्मा**-विक्रम वर्मा ने कहा कि धार महू लोकसभा क्षेत्र से दो महिला सांसद होंगी। सावित्री ठाकुर जो भाजपा की उम्मीदवार हैं, एवं कविता पाटीदार राज्यसभा सांसद के रूप में मौजूद है। इसी प्रकार दो विधायक नीना वर्मा व उषा ठाकुर धार लोकसभा का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरी बार धार जिले के दौरे पर आ रहे हैं। जिले में रेलवे का काम तेज गति से चल रहा है, ब्रिज बन रहे हैं, स्टेशन एक किलोमीटर के दायरे में नौगांव के क्षेत्र में बन रहा है, पीथमपुर, महू, रेलवे लाइन का कार्य तेज गति से चलकर पूरा होने जा रहा है, विकास के कार्यों में पैसे की कमी नहीं आने दी जाएगी। धार अब जंक्शन बन जाएगा, क्योंकि यहां से मेघनगर, अलीराजपुर, झाबुआ, रतलाम आदि क्षेत्र जुड़ जाएंगे। प्रधानमंत्री ने प्रत्येक संसदीय क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज खोलने की घोषणा की थी। इसी क्रम में धार जिले में मेडिकल कॉलेज के लिए 2500 करोड़ का काम चल रहा है एवं 500 बेड का हॉस्पिटल जो कि 7- 8 मंजिल का होगा। विकास की श्रेणी में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, सड़क, बिजली, सिंचाई, आदि के क्षेत्र में विकास दरुत गति से चल रहा है। भगवान राम लला जो कि टेंट में विराजमान थे, रामलला भी मोदी के राज्य में भव्य मंदिर में विराजमान हो चुके हैं।

भाजपा ने सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का नारा दिया।शंकराचार्य ने भारतीय संस्कृति व गौरव को बढ़ाया है, हमारा देश शस्त्र का निर्माण कर रहा है शस्त्रों को अन्य देशों को निर्यात भी कर रहा है।भारत मोदी के नेतृत्व में हर क्षेत्र में विकास कर रहा है। वैक्सीन का दुष्प्रचार किया जा रहा है जबकि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहला टीका लगवाया था। मतगणना का प्रतिशत बढ़ाना है। सन् 1971 में 50 से 52 प्रतिशत सबसे कम मतदान हुआ था किंतु उसके बाद लगातार 60 प्रतिशत, 65 से 70 प्रतिशत तक मतदान हुआ है अब हमारा लक्ष्य है कि 70 प्रतिशत से अधिक मतदान हो।

श्री नारद महापुराण कथा विशाल कलश यात्रा के साथ प्रारंभ

धार। त्रिमूर्ति नगर धार स्थित श्री सांवरिया सेठ मंदिर में में रविवार से 18 महापुराण समिति के तत्वावधान में आयोजित श्री नारद महापुराण कथा कथा प्रारंभ हुई।

कथा प्रारंभ से पूर्व श्री सांवरिया सेठ मंदिर त्रिमूर्ति नगर धार से एक विशाल कलश यात्रा आरंभ हुई कलश यात्रा में कथा वाचक भागवत आचार्य पंडित रमाकांत जी व्यास को बग्गी पर सवार किया गया तथा बैंड बाजे के साथ त्रिमूर्ति नगर के विभिन्न मार्गो से होते हुए यात्रा पुन: श्री सांवरिया सेठ मंदिर पहुंची.यात्रा के दौरान 18 महापुराण समिति के अध्यक्ष स्वयं प्रकाश सोनी एवं उनकी पत्नी सरोज सोनी नारद महापुराण सर पर उठाकर चले। प्रतिदिन होने वाली नारद महापुराण 5 मई से 11 मई तक अनवरत रूप से दोपहर 2:30 बजे से 6:30 बजे तक

श्री सांवरिया सेठ मंदिर पर होगी। आज कलश यात्रा में धर्म प्रेमी श्रद्धालु श्री कृष्ण के मधुर भजनों पर थिरकते हुए चल रहे थे वहीं पर माता बहने लाल वस्त्र के कपड़े पहनकर सर पर कलश धारण किए चल रही थी शोभा यात्रा का जगह-जगह स्वागत किया गया.कलश यात्रा में दशरथ सिग्गा,ओम प्रकाश सोलकी , संतोष पाण्डेय, गोपालदास गुप्ता, नाथूलाल राठौर, जे पी सिंग, रितेश शर्मा,जगदीश जोशी, रितेष अग्रवाल,रूपरिया,और जसवीर भाटी, प्रणय तिवारी, गौरव हरने, तथा महिला सदस्यों में से सरोज सोनी, सोनिया अशोक जोशी, मीना दुबे,एकता तिवारी, शीला, मीरा पांडे,उमा अग्रवाल, माया शर्मा, शीला हरने,चंद्रकला शर्मा, श्रीमती दामोदर यादव, आदि उपस्थित रहे, ।महापुराण कथा के संबंध कथावाचक पंडित रमाकांत व्यास ने नारद महापुराण कथा के संदर्भ में बताया कि श्री नारद महापुराण अट्ठारह महापुराणों में से एक पुराण है। यह स्वयं महर्षि नारद के मुख से कहा गया एक वैष्णव पुराण है। महर्षि व्यास द्वारा लिपिबद्ध किए गए 18 पुराणों में से एक है।

समिति प्रमुख अशोक मनोहर जोशी ने ने बताया कि इस समिति के द्वारा कुल 18 महापुराण कथा होगी और वर्ष भर में इस प्रकार से दो कथा का आयोजन किया जाता हैं,अभी तक समिति द्वारा 6 महापुराण का सफल आयोजन समिति करवा चुकी है। जानकारी मीडिया प्रभारी डॉ.अशोक शास्त्री ने दी।

सेन समाज भोपाल ने मनाया संत सेन महाराज का जन्मोत्सव

भोपाल। सेन समाज भोपाल ने रविवार को संत शिरोमणि सेन महाराज का 724वां जन्मोत्सव श्रद्धा भाव से मनाया। सेन महाराज चौक (पीएंडटी चौराहा) स्थित सेन महाराज के मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की गई, महाराज का श्रृंगार किया गया और प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री पीसी शर्मा भी शामिल हुए।

कार्यक्रम में उपस्थित सेन समाज के प्रदेश अध्यक्ष हीरालाल श्रीवास ने सेन जयंती की शुभकामनाएं दीं और समाज से एकजुट होकर रहने का आव्हान किया। भोपाल से कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी अरुण श्रीवास्तव, पीसी शर्मा सहित समाज के जिला अध्यक्ष शैलेश सेन, नगर अध्यक्ष ज्ञान श्रीवास, जिला संभाग अध्यक्ष मुकेश सेन, युवा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष मुकुल सेन, श्रृंगार दर्शन संयोजक मुन्ना श्रीवास एवं बड़ी संख्या में समाजबंधु आरती में शामिल हुए।

दिगंबर जैन समाज ने किया वरिष्ठों का सम्मान

धार। दगंबर जैन समाज धार द्वारा समाज के 75 वर्ष से ऊपर के वरिष्ठ सदस्य एवं अभिभावकों का गरिमाामय कार्यक्रम में संत सदन रघुनाथपुरा में समाज की ओर से सम्मान किया गया ।

अतिथि के रूप में सुभाष जैन महिला बाल विकास अधिकारी, डॉ. अशोक जैन, आकाश जैन ,सौरभ जैन एवं हर्षा रूनवाल के साथ सांगानेर से पधारे पंकज भैया जी एवं राहुल भैया जी एवं नगर के विद्वान शास्त्री विमल जैन उपस्थित थे . समाज द्वारा 40 वरिष्ठ सदस्यों में 20 सदस्यों का सम्मान संत सदन में किया गया बाकी जो अभिभावक नहीं आ सकते उनका समाज की ओर से घर पर जाकर सम्मान किया जाएगा। समाज अध्यक्ष श्रेणिक गंगवाल ने कहा कि जिस घर में माता-पिता का आशीर्वाद मिलता रहता है वह परिवार हमेशा संस्कार के साथ उन्नति करता रहता है जिस परिवार में माता-पिता की सेवा होती है और उम्र की इस पड़ाव में उनके अच्छे से देखभाल की जाती है उसी का परिणाम है कि आज हमारे बुजुर्ग इस उम्र में हमें आशीर्वाद देने के लिए उपलब्ध है। पूरा समाज आप सब का सम्मान करते हुए अपने आप को गौरवान्वित महसूस करता है। संचालन संजय जैन ने किया आभार अजय लुहाड़िया ने माना। जानकारी समाज के मीडिया प्रभारी पारस जैन गंगवाल ने दी।

भोपाल के आरजीपीवी कैंपस में छात्र पर जानलेवा हमला

आरोपी बोले तेज चल रहा है और पीटना शुरू कर दिया, सिर में रॉड मारी

भोपाल। भोपाल के गांधी नगर में स्थित राजीव गाँधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) में पांच छात्रों ने एक छात्र पर जानलेवा हमला कर दिया। आरोपियों ने उसके सिर में रॉड मारकर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। विवाद का कारण पुरानी रंजिश बताया जा रहा है। पुलिस ने हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

फर्स्ट ईयर का छात्र है घायल युवक-एसआई कन्हैया लाल ने बताया कि अनिकेत टेमरे (19) मूल रूप से बालाघाट का रहने वाला है। वह राजीव गाँधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से पॉलिटेक्निक की केमिकल ब्रांच फर्स्ट ईयर की पढ़ाई कर रहा है। कॉलेज कैंपस में ही बने हॉस्टल में रहता है। उसने बताया कि शनिवार की रात को खाना खाने के बाद कैंपस में टहल रहा था। तभी आरोपी नितिन भदौरिया निहाल सेन, दिपांशु सैन, देवेंद्र सैनी और योगेश आए। सीनियर छात्र नितिन ने कहा कि आजकल तेज चल रहो हो। इसके बाद में अभद्रता करना शुरू कर दी। घटना के बाद छात्रों के दो गुट आमने-सामने हो गए। इससे कॉलेज कैंपस में तनाव के हालात बन गए। मौके पर शस्त्रधारी पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया। घटना के बाद छात्रों के दो गुट आमने-सामने हो गए। इससे कॉलेज कैंपस में तनाव के हालात बन गए। मौके पर शस्त्रधारी पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया।

विरोध करने पर सिर में रॉड मारी-अनिकेत ने आरोपियों का विरोध किया तो उन्होंने मारपीट करना शुरू कर दी है। तभी नितिन ने रॉड से सिर में वार कर दिया। जिससे युवक के सिर में गंभीर चोट आई है। मामले में हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आध्यात्मिक प्रगति के लिए भक्त भगवान का उच्छिष्ट (भोग) ग्रहण करना नहीं चूकते..

नर्मदापुरम। इस्कॉन मंदिर में आज मानो भक्तों का सैलाब उतर आया, मंदिर में भक्तों की बड़ी संख्या ऐसे नजर आई जैसे कृष्ण आराधना को लेकर उपस्थित भक्त बहुत दिनों से प्यासे थे। कहा जाए तो वैसे केवल भक्ति ही शास्वत है बाकी सब भोग.. ठीक पांच बजे शंख ध्वनि से प्रारंभ हुई नित्य प्रति के भांति भगवान की प्रसन्नता के लिए मंगल आरती में लेकिन आज कुछ हटकर था।प्रतिदिन की नित्य आराधना वही थी पर आज भक्तों की बड़ी हुई उपस्थिति और काशीनाथ प्रभु जी द्वारा प्रार्थना गायन अद्भुत रंग जमा चुका था। आराधना के दौरान बजती मृदंग, करताल, करतल, घंटे प्रभु कृपा से ऐसा तालमेल बैठा चुके थे कि ना चाहकर भी भक्त स्वमेव रोमांचित होकर थिरक रहे थे, दोनों हाथ आसमान की ओर उठाकर उनका नृत्य मानों उनके पिछले सत्य कर्म सामने दिखाई पड़ रहा हो आध्यात्म का एक यही रंग सच है बाकी

तो देखकर महसूस किया जा सकता, बाईस मिनट चलने वाली आराधना कब चरम पर पहुंच जाती, भक्ति में डूबे भक्त महसूस नहीं कर पाते। इस दौरान संकीर्तन और शंख ध्वनि के मध्य माताओं की उलू ध्वनि (मंगल ध्वनि) का प्रभाव मन-मस्तिष्क पर देर तक छाए रहती.. मंदिर में होने वाली आरती और संकीर्तन का अलौकिक आनंद तो केवल उपस्थित भक्त ही मंदिर में महसूस कर पाते .. सच-मुच नगर में कृष्ण आराधना का इतना आनंद इस्कान मंदिर में भक्त पाते हैं तो सोचा जा सकता है वृन्दावन में यह आनंद कितना गुना महसूस किया जा सकता..? इस्कॉन मंदिर परिवार द्वारा की जा रही कृष्ण भक्ति नगर के लिए उपलब्धि है यह मंदिर कार्यक्रम में शामिल होकर ही महसूस की जा सकती जहां आध्यात्मिक उन्नति के लिए सामूहिक मंत्र जाप के अलावा और भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होते हैं। इसके अलावा प्रति रविवार को मंदिर में उपस्थित होने वाले हर भक्त को यहां आध्यात्मिक प्रगति के लिए भगवान का उच्छिष्ट (भोग) प्रसादम ग्रहण करवाया जाता है। मंगल आरती के पश्चात भगवान नरसिंह देव की आराधना आज प्रणव दास प्रभु द्वारा गाई गई जिसे भक्तों ने दोहराया, भगवान नरसिंह देव आराधना के बाद आज तुलसी आराधना भक्त मनोज राठौड़ ने प्रस्तुत की.. इसके बाद सामूहिक महामंत्र जाप हुआ जिसमें भक्तों ने सभी के साथ मिलकर मंदिर में महामंत्र जाप किया, तत्पश्चात मंदिर मार्जन, ठीक सवा सात बजे दर्शन आरती और उसके तुरंत बाद गुरु पूजा और साढ़े आठ बजे वृन्दावन चंद्र दास प्रभु द्वारा दिए गए प्रवचन को भक्तों ने आध्यात्मिक प्रगति के लिए आत्मसात किया।

पति-बेटे के सामने बदमाशों ने गर्भवती का गला घोंटा

● जबलपुर में पत्थर मारकर रुकवाई कार; पति का सिर फोड़ा, मासूम बिलखता रहा

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर में शनिवार देर रात बदमाशों ने गर्भवती की उसी के दुपट्टे से गला घोंटकर हत्या कर दी। वह अपने पति और डेढ़ साल के बेटे के साथ मायके जा रही थी। 4-5 बदमाशों ने पत्थर मारकर दंपती की बोलेरो को रुकवाया। पत्थर से हमला कर पति का सिर फोड़ दिया। वह बेहोश हो गया। बदमाश मोबाइल, पर्स और गहने लेकर भाग निकले। घटना के बाद काफी देर तक दंपती का बेटा रोता रहा। राहगीरों की नजर पड़ी, तब पुलिस को खबर की गई। एसपी आदित्य प्रताप सिंह और माढ़ोताल थाना पुलिस का अमला मौके पर पहुंचा। पूरे शहर की नाकाबंदी कराई गई लेकिन बदमाशों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। रेशमा 6 महीने की गर्भवती थी।

पत्थर मारकर कार का शीशा फोड़ा, रुकते ही हमला: रेशमा चौधरी (28) का मायका शहर के मदर टेरेसा नगर में है। ससुराल बरेला इलाके के कजरवारा में है। पति शुभम चौधरी प्राइवेट जॉब करते हैं। वह शनिवार रात 11 बजे पति के साथ मायके जा रही थी। भोला नगर में बदमाश उनकी गाड़ी के सामने आ गए। पत्थर मारकर कार का शीशा फोड़ दिया। शुभम ने गाड़ी रोकी। बाहर निकले तो बदमाशों ने घेरकर हमला कर दिया। शुभम वहीं बेहोश हो गए। इसके बाद बदमाश रेशमा का मंगलसूत्र, झुमके, नेकलेस खींचने लगे। विरोध करने पर उसे पीटा। दुपट्टे से गला घोंटकर मार डाला।

बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए 3 टीमें गठित

लूट और हत्या के बाद आरोपी भाग निकले। करीब 20 मिनट बाद राहगीर वहां से गुजरे। उन्होंने शुभम को सड़क पर बेहोश पड़ा देखा। गाड़ी में ड्राइवर की बगल वाली सीट पर रेशमा मृत पड़ी थी। डेढ़ साल का बच्चा वहीं बैठकर रो रहा था। सूचना पर माढ़ोताल थाने के टीआई विपिन ताम्रकार मौके पर पहुंचे। बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए एसपी आदित्य प्रताप सिंह ने तीन टीमें गठित की हैं।

भोला नगर के ब्रिज के नीचे हमला

शुभम ने बताया, तीन साल पहले उसकी शादी हुई थी। बहुत दिन से रेशमा मायके आना चाहती थी इसलिए शनिवार शाम 8 बजे हम घर से निकले। कंजरवारा से निकलने के बाद पाटबाबा मंदिर जाकर पूजा की। वहां से मदर टेरेसा नगर के लिए आगे बढ़े। भोला नगर के पास ब्रिज के नीचे हमला हो गया। एसपी आदित्य प्रताप सिंह के मुताबिक, बदमाश दो मोबाइल, 10 हजार रुपए से भरा पर्स, मंगलसूत्र, झुमके लूटकर भागे हैं।

मंत्रालय सेवा अधिकारी-कर्मचारी संघ की पहल पर कार्यवाही

● आउटसोर्स कर्मचारियों के वेतन भुगतान को लेकर उप सचिव ने श्रमायुक्त को लिखा पत्र

भोपाल (नप्र)। मंत्रालय सेवा अधिकारी-कर्मचारी संघ की आउटसोर्स कर्मचारियों को माह की पहली तारीख को वेतन देने की मांग पर उप सचिव श्रम वीरेंद्र कुमार सिंह ने श्रमायुक्त इंदौर को पत्र लिखा है। उप सचिव ने श्रमायुक्त से संघ के मांग पत्र पर कार्यवाही करते हुए अवगत कराने को कहा है। संघ ने 29 अप्रैल को विभाग के प्रमुख सचिव को मांग पत्र देकर कर्मचारियों को समय पर वेतन देने को कहा है। संघ के अध्यक्ष सुधीर नायक ने मांग पत्र में कहा है कि वर्तमान में सभी शासकीय विभागों में बड़ी संख्या में आउटसोर्स कर्मचारियों कार्यरत हैं। इनकी संख्या नियमित कर्मचारियों के बराबर हो चुकी है। ये आउटसोर्स कर्मचारी अनेक समस्याओं का सामना कर रहे हैं। सबसे बड़ी समस्या सेवा प्रदाता एजेंसी द्वारा समय पर वेतन भुगतान न करने या कम भुगतान करने की है। कुछ विभागों में तो दो-तीन माह से वेतन भुगतान न होने की शिकायतें प्राप्त हुई हैं। पत्र में कहा गया कि विभागों ने आउटसोर्स कर्मचारी तो रख लिए, लेकिन उनकी समस्याओं के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त नहीं किए और शिकायत निवारण की प्रणाली भी विकसित नहीं की है। इसलिए तकनीकी कारणों से इनका वेतन अटक जाता है। कोई सुनने वाला नहीं रहता। वैसे भी आउटसोर्स कर्मचारी अत्यंत अल्प वेतनभोगी कर्मचारी होता है और उसका वेतन भुगतान विलंबित होने पर वह आर्थिक संकट में पड़ जाता है जिसका फायदा सूदखोर उठाते हैं और भारी ब्याज दरों पर उधार देते हैं।

भाभी, दो भतीजियों की हत्या; शक करता था देवर

बच्चियों के शव झाड़ियों में छिपाए, पुलिस से बोला- तालाब में फेंक दिए, 15 घंटे बाद बरामद

रीवा (नप्र)। रीवा में देवर ने सगी भाभी और दो भतीजियों का बेरहमी से कत्ल कर दिया। पुलिस को बताया बच्चियों के शव बोरी में भरकर तालाब में फेंक दिए। महिला का शव घर में मिला है। मामला गोविंदगढ़ में ईदगाह के पास शनिवार रात का है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। सूचना पर एसपी विवेक सिंह, एएसपी अनिल सोनकर, एफएसएल टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शनिवार रात एसडीईआरएफ को बुलाया, लेकिन तालाब में फेंकी गई बच्चियों के शव नहीं मिले। रविवार सुबह तालाब में दोबारा सर्च शुरू की गई। पुलिस ने आरोपी से जब सख्ती से पूछताछ की तो उसने बताया कि बच्चियों के शव तालाब के किनारे झाड़ियों में छिपाए हैं। पुलिस उसे मौके पर लेकर पहुंची और 15 घंटे बाद बच्चियों के शव मिल सके।

कहासुनी के बाद भाभी का गला रेता

महिला का पति परवेज खान विशाखापट्टनम में नौकरी करता है। घटना के वक्त घर में देवर शाहबाज खान, भाभी हसीना खान (28), दो और तीन साल की बच्चियां थीं। एडिशनल एसपी अनिल सोनकर के मुताबिक, शाहबाज, हसीना के चरित्र पर शक करता था। इसी बात पर दोनों के बीच कहासुनी हुई थी। भाभी को गंभीर चोट पहुंचाने के बाद आरोपी ने धारदार हथियार से उसका गला रेत दिया। पुलिस-एसडीईआरएफ की टीम शनिवार रात काफी देर तक बच्चियों की तलाश करती रही। रविवार सुबह फिर सर्चिंग की गई। इस बीच आरोपी ने बताया कि शव झाड़ियों में छिपाए थे।

बच्चियों के सामने मां का कत्ल

पुलिस के मुताबिक, आरोपी से पूछताछ में पता चला है कि हसीना, दो बेटियों आलिया खान (3), अनाया खान (2), सास इमामुन निशा, ससुर मुर्तजा खान और दो देवरों के साथ एक मकान में रहती थी। देवर अविवाहित हैं। बड़ा देवर फरियाद खान मां को लेकर शादी में जबलपुर गया हुआ था। पिता मुर्तजा गोविंदगढ़ में किराना दुकान चलाते हैं। वे दुकान पर थे। आरोपी शाहबाज घर पर ही था। शनिवार शाम उसका भाभी से झगड़ा हुआ। उसने स्टील की रॉड भाभी के सिर पर मार दी। वह नीचे गिर पड़ी। इसके बाद आरोपी किचन से चाकू उठा लाया। भतीजियों के सामने उनकी मां का गला रेता। बाद में चाकू से गोदकर बच्चियों को भी मार डाला। आरोपी कोई काम नहीं करता है।

एमपी के 13 जिलों में आंधी-पानी का अलर्ट

चार दिन मालवा-निमाड़ में हीट वेव, 10 शहरों में न्यूनतम पारा 25 डिग्री पार

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में दिन के साथ अब रात भी तपने लगी हैं। ज्यादातर शहरों में न्यूनतम पारा 2 से 5 डिग्री तक बढ़ा है। रविवार रात 10 से ज्यादा शहरों में न्यूनतम तापमान 25 डिग्री से ऊपर पहुंच गया। 27.3 डिग्री के साथ गुना की रात सबसे गर्म रही। अधिकतर जिलों में शनिवार को दिन का तापमान भी 40 डिग्री सेल्सियस के पार रहा। शाजापुर, नौगांव और खजुराहो में पारा 42 डिग्री से अधिक दर्ज किया गया। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और उज्जैन सीजन के सबसे गर्म रहे। मौसम विभाग ने अगले 4 दिन तक प्रदेश में आंधी, बादल और हीट वेव का अलर्ट जारी किया है। मालवा-निमाड़ यानी इंदौर-उज्जैन संभाग के जिलों में तेज गर्मी पड़ेगी, जबकि पूर्वी-दक्षिण हिस्से यानी नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, बैतूल समेत 13 जिलों में बादल-आंधी वाला मौसम रहेगा। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की एक्टिविटी की वजह से कुछ जिलों में बूंदाबांदी भी हो सकती है

मौसम बदलने का अनुमान

मौसम विभाग, भोपाल के वैज्ञानिक प्रकाश धावले ने बताया कि ईरान की ओर से एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव है। इस वजह से 6 और 7 मई को पूर्वी मध्यप्रदेश में कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। सामान्य से साढ़े 4 डिग्री तापमान ज्यादा होने पर हीट वेव चलने लगती है। इस कारण हीट वेव का असर भी रहेगा।

आज से अगले 4 दिन ऐसा मौसम

6 मई- छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, नरसिंहपुर, सिवनी, बालाघाट, डिंडोरी, अनूपपुर जिलों में बादल रहने का अनुमान है।

7 मई- नीमच, मंदसौर, रतलाम, उज्जैन, झाबुआ, बड़वानी, खरगोन और खंडवा में हीट वेव चलने का अनुमान है। वहीं, नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, डिंडोरी और अनूपपुर में बादल रह सकते हैं।

8 मई- नीमच, मंदसौर, रतलाम और खरगोन में हीट वेव चलने का अलर्ट है। नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडोरी, शहडोल, अनूपपुर, रीवा, मऊगंज, सीधी और सिंगरौली में बादल और आंधी का असर रह सकता है।

भोपाल के रिलायबल होटल-रेस्टोरेंट में आग

ग्राउंड फ्लोर जलकर राख; 3 दमकलों ने काबू पाया

भोपाल (नप्र)। भोपाल के कोहेफिजा स्थित होटल रिलायबल हाउस में रविवार सुबह आग लग गई। इससे पूरा ग्राउंड फ्लोर जलकर राख हो गया। यही पर रेस्टोरेंट भी है। 3 दमकलों ने आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक आग की वजह से पूरा फर्नीचर, एसी समेत अन्य सामान जल गया था। धुएं की वजह से आग बुझाने में खासी दिक्कतें भी हुईं। घटना सुबह 8 बजे की है। करीब एक घंटे में आग पर काबू पा लिया गया। फतेहगढ़ फायर स्टेशन से दमकलें और पानी के टैंकरों की मदद से आग बुझाई गई। गनीमत रही कि आग से कोई जनहानि नहीं हुई। आग के चलते सड़क पर जाम की स्थिति बन गई। इससे ट्रैफिक भी बाधित होता रहा।

ग्राउंड फ्लोर पर लगी आग, शार्ट सर्किट वजह: फतेहगढ़ फायर स्टेशन के फायर फाइटर शाहनाबाज अहमद ने बताया कि ग्राउंड फ्लोर पर रेस्टोरेंट है। यहां पर रेस्टोरेंट का पूरा फर्नीचर रखा था। वहीं, अगले हिस्से में खाने-पीने का समान भी था, जो आग की वजह से पूरा जल गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग की वजह शार्ट सर्किट है।

एक घंटे में काबू पाया: फायर फाइटर शाहनाबाज और नितिन बघेल समेत टीम ने आग पर करीब 1 घंटे में काबू पाया। उन्होंने बताया कि कर्मचारी फर्स्ट फ्लोर पर थे। वे सभी सुरक्षित बाहर निकल गए। कोई जनहानि नहीं हुई है।

इंदौर में अक्षय बम बोले- चुनाव के बाद कांग्रेस छोड़ता तो गद्दारी होती

इंदौर (नप्र)। इंदौर में नामवापसी और बीजेपी जॉइन करने के बाद अक्षय बम ने पहली बार मीडिया से खुलकर चर्चा की। बम ने कहा, 29 अप्रैल को मैंने 12 बजे कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में नामांकन वापस लिया। कांग्रेस के पास अपना प्रत्याशी घोषित करने के लिए 3 घंटे थे, लेकिन उसने नहीं किया। यह मेरी ईमानदारी है कि हारी हुई सीट पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार हुआ।

कश्मीर आतंकी हमले में छिंदवाड़ा का जवान शहीद

7 जून को बेटे का जन्मदिन मनाने आने वाले थे; आज आएगी पार्थिव देह

छिंदवाडा (नप्र)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में शनिवार शाम (4 मई) एयरफोर्स के जवानों पर हुए आतंकी हमले में छिंदवाड़ा के विक्की पहाड़े शहीद हो गए। वे नोनिया करबल के रहने वाले थे। वे 5 साल के बेटे का जन्मदिन मनाने के लिए 7 जून को छिंदवाड़ा आने वाले थे। 10 दिन पहले ही छोटी बहन की गोद भराई की रस्म थी। इसके लिए 1 महीने की छुट्टी लेकर आए थे। 18 अप्रैल को ही वे छिंदवाड़ा से ड्यूटी पर लौटे थे।

एएसआई को कुचलने वाले ट्रैक्टर मालिक के घर चला बुलडोजर

शहडोल (नप्र)। शहडोल में रेत का अवैध परिवहन कर रहे ट्रैक्टर-ट्रॉली ने एएसआई को कुचल दिया। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मामला ब्यौहारी थाना इलाके में शनिवार-रविवार की दरमियानी रात करीब 12 बजे का है। रविवार दोपहर को पुलिस और प्रशासन ने ट्रैक्टर मालिक के अवैध मकान पर बुलडोजर चलाकर गिरा दिया।

कही-सुनी

रवि भोई

(लेखक पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक और स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

सात सीटों में ताकत झोंकी भाजपा ने

कहते हैं भाजपा ने तीसरे चरण के सातों सीटों में जीत के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। सबसे ज्यादा नजर कोरबा सीट पर है। कोरबा सीट अभी कांग्रेस के पास है। यहां से भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडे चुनाव लड़ रही हैं, उनका मुकाबला कांग्रेस की ज्योत्सना महंत से है। सरोज पांडे दुर्ग छोड़कर चुनाव लड़ने कोरबा गई हैं। चर्चा है कि कई मंत्री और प्रदेश भर से नेता -कार्यकर्ता चुनाव प्रचार के लिए कोरबा पहुंचे हैं। माना जा रहा है कि रायपुर लोकसभा में भाजपा प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल की आसान जीत होगी। कांग्रेस के प्रत्याशी विकास उपाध्याय उनके सामने काफी बौने लग रहे हैं। सवाल जीत के अंतर का है। भाजपा रायपुर की सीट लगातार जीत भी रही है। रायगढ़, बिलासपुर, जांजगीर-चांपा और सरगुजा सीट भी लगातार भाजपा के कब्जे में रहा है। 2014 में दुर्ग से कांग्रेस के ताम्रध्वज साहू विजयी रहे, हालांकि 2019 में फिर दुर्ग सीट भाजपा के पास आ गई। भाजपा ने 2024 के लोकसभा चुनाव में राज्य की सभी 11 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। बाज की तरह सभी 11 सीटों पर नजर भी है, पर राज्य बनने के बाद से भाजपा कभी 11 सीटें नहीं जीती है। राज्य में कांग्रेस की सरकार रहते 2019 में उसने 11 में 9 सीटें जीतने में कामयाब हुई थी। इस बार राज्य में भाजपा की सरकार है और कांग्रेस में अंतरकलह चरम पर दिखाई दे रहा है। कई नेता-कार्यकर्ता कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो चुके हैं। इस कारण भाजपा की बांछे खिली हुई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय स्टार प्रचारक के तौर पर सभी लोकसभा सीटों में पहुँच रहे हैं और छोटे कस्बे - शहरों में भी सभा ले रहे हैं। इनके अलावा पार्टी के राष्ट्रीय नेताओं का दौरा भी लगातार चल रहा है। अब देखते हैं भाजपा की रणनीति और मेहनत कितनी सफल होती है, यह तो चार जून को ही पता चल पाएगा।

छत्तीसगढ़ से केंद्र में कौन बनेगा मंत्री: लोकसभा चुनाव निपटने से पहले ही छत्तीसगढ़ से संभावित मंत्रियों के नाम पर कयास लगाए जाने लगा है। कहा जाने लगा है कि जीते तो विजय बघेल, सरोज पांडे और बृजमोहन अगवाल में से कोई एक मंत्री बन सकता है। 2014 से 2019 तक मोदी मंत्रिमंडल में छत्तीसगढ़ से विष्णुदेव साय राज्यमंत्री थे। 2019 में मोदी मंत्रिमंडल में राज्यमंत्री के तौर पर रेणुका सिंह को शामिल किया गया। 2023 में उन्हें विधानसभा चुनाव लड़ाया गया। वे अभी विधायक हैं। मोदी के दो कार्यकाल में छत्तीसगढ़ से मंत्रिमंडल में आदिवासी को प्रतिनिधित्व दिया गया। माना जा रहा है कि इस बार आदिवासी के साथ सामान्य वर्ग या ओबीसी को मौका मिल सकता है। ऐसे में वरिष्ठ और दिग्गज नेता के नाते बृजमोहन अगवाल,विजय बघेल और सरोज पांडे का नाम चर्चा में है।

कांग्रेस के प्रवक्ता ही सुर्खियों में: चुनावी मौसम में मुद्दों को सुर्खियों में लाते-लाते कांग्रेस के मीडिया विभाग के लोग ही सुर्खियों में आ गए हैं। वैसे तो विधानसभा चुनाव में पराजय के बाद से ही कांग्रेस के भीतर का अंतरकलह सड़कों पर आ गया है। कोई मंच से तो कोई चिट्ठी बम से अपना गुबार निकाल रहा है। अब कांग्रेस के अंतरकलह की आग ने मीडिया विभाग को भी चपेट में ले लिया है। कांग्रेस मीडिया विभाग के झगड़े पर भाजपा ने घी डाल दिया, उससे आग और भभक गई है। भाजपा के मंत्री और नेताओं के तरह-तरह के बयान आ रहे हैं। कांग्रेस के अंतरकलह में भाजपा की एंट्री से मामला आसमान तक पहुंच गया है। राजीव भवन के एक कमरे से उठा गुबार अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी तक को हिला दिया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज से लेकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और पवन खेड़ा तक के बयान आ गए हैं। अब देखते हैं कई तरह के मुसीबतों से घिरी कांग्रेस इस मुसीबत से बाहर कैसे निकलती है और मामले का पटाक्षेप किस तरह होता है।

पीले चावल का कितना होगा असर: पहले और दूसरे चरण में मतदान का प्रतिशत कम रहा। 7 मई को तीसरे चरण का मतदान होना है। चुनाव आयोग मतदान का प्रतिशत बढ़ाने में जुटा है। छत्तीसगढ़ में पीला चावल भेंट कर मतदान का न्यौता दिया जा रहा है। अब इस न्यौते का असर कितना होता है, यह 7 मई को ही पता चलेगा। आमतौर पर शादी-विवाह में आने के लिए पीले चावल का न्यौता दिया जाता है। मतदान की अपील करते महिला और पुरुषों की टोलियां घूम रही हैं। रायपुर में कलेक्टर गौरव सिंह भी मतदान के लिए न्यौता बांटने में लगे हैं। कहते हैं न्यौता बांटते-बांटते कलेक्टर साहब एक बस्ती के शादी समारोह में ही पहुंच गए। कलेक्टर साहब के कदम पड़ने से शादी घर वाले गदगद बताए जाते हैं। माना जा रहा है कि जिले के मुखिया ही मतदान के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए जमीन पर नजर आने लगे हैं तो रायपुर में निश्चित वोटिंग का प्रतिशत बढ़ेगा ही। अब सवाल है कि चिलचिलाती धूप में लोग अपने अधिकार को लेकर कितने जागरूक होते हैं।

कौन सा विभाग मिलेगा ऋचा शर्मा को: 1994 बैच की आईएएस अधिकारी ऋचा शर्मा ने एक मई को छत्तीसगढ़ में ज्वाइनिंग दे दी है। अब विभाग को लेकर कयासों का बाजार गर्म है। ऋचा शर्मा छत्तीसगढ़ आने से पहले भारत सरकार में खाद्य मंत्रालय में पदस्थ थीं और केंद्र सरकार में जाने से पहले छत्तीसगढ़ में प्रमुख सचिव खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति थीं। ऋचा शर्मा भारत सरकार में एडिशनल सेक्रेटरी वन भी रह चुकी हैं। माना जा रहा है कि अनुभव को देखते हुए ऋचा शर्मा को वन के साथ खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग दिया जा सकता है। कुछ लोग स्वास्थ्य विभाग देने की भी चर्चा कर रहे हैं। ऋचा शर्मा की ज्वाइनिंग के बाद अब राज्य में चार अपर मुख्य सचिव हो गए हैं। अपर मुख्य सचिव मनोज पिंगुआ के पास ही अभी मंत्रालय में ज्यादा विभाग हैं। अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू के पास धार्मिक व धर्मस्व विभाग ही है। वे प्रशासन अकादमी के महानिदेशक हैं। अपर मुख्य सचिव रेणु पिल्लै के पास भी मंत्रालय में विज्ञान एवं प्रोघौगिकी विभाग है। रेणु पिल्लै व्यापम और माध्यमिक शिक्षा मंडल की अध्यक्ष हैं।

नहीं चली मंत्री की पसंद

चर्चा है कि एक मंत्री जी अपनी पसंद के आईएएस अफसर को अपने विभाग का सचिव बनवाना चाहते थे, लेकिन मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उनकी पसंद को तरजीह नहीं दी। बताते हैं कुछ महीने पहले एक मंत्री जी अपने विभाग के सचिव की कार्यशैली से नाखुश होकर मुख्यमंत्री से उन्हें बदलने का आग्रह किया और अपने पसंद के अफसर को पदस्थ करने की सिफारिश भी की। कहते हैं कि मुख्यमंत्री ने मंत्री के आग्रह पर उनके सचिव को से हटा दिया, लेकिन उनके पसंद के अफसर की पोस्टिंग नहीं की। एक अफसर को अतिरिक्त प्रभार सौंप दिया।

मनोज सोनी भी जेल गए

काफी दिनों की लुका-छिपी के खेल के बाद अंततः टेलीकॉम सर्विस के अधिकारी मनोज सोनी भी जेल चले गए। उन्हें ईडी ने कस्टम मिलिंग घोटाले में गिरफ्तार कर जेल भेजा है। मनोज सोनी भारत सरकार से छत्तीसगढ़ में करीब 7-8 साल पहले प्रतिनियुक्ति पर आए थे। मजेदार बात तो यह है कि इन सात-आठ सालों में खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग में ही पदस्थ रहे। भूपेश बघेल के राज में वे अक्टूबर 22 से अक्टूबर 23 तक मार्कफेड के प्रबंध संचालक रहे। ईडी के मुताबिक़ मनोज सोनी ने यहीं खेला किया। मनोज सोनी के साथ ही प्रतिनियुक्ति पर छत्तीसगढ़ आए टेलीकॉम सर्विस के अधिकारी अरुणपति त्रिपाठी भी शराब घोटाले में जेल में हैं। कहते हैं कि एक तरफ़ा रिलीव के बाद भी मनोज सोनी अपने मूल विभाग में नहीं लौटे थे। वे किसी न किसी तरह से छत्तीसगढ़ में प्रतिनियुक्ति पर बने रहे। भूपेश सरकार में मनोज सोनी को मार्कफेड का प्रबंध संचालक बनाए जाने पर लोगों को आश्चर्य हुआ था।